जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 23 प्रभात जालोर, मंगलवार 30 अप्रेल, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

क्या गहलोत की टीम बाड़मेर में कांग्रेस के उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने के लिये लगी रही अंत तक?

उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने के लिये गहलोत टीम बाड़मेर में निर्दलीय उम्मीदवार रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में दिलो जान से कार्यरत रही

- गहलोत की टीम के सदस्य थे, मेवाराम जैन, वी.पी. सिंह राठौड़, अमीन खान। अमीन खान को तो कांग्रेस से निष्कासित भी किया गया है, रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में भारी संख्या में मुस्लिम वोट डलवाने के कारण।
- बेनीवाल ग्रुप के लोग, दो कारों का किस्सा बड़े जोर-शोर से सुना रहे हैं, गहलोत टीम की इस साजिश को प्रमाणित करने के लिये।
- किस्से के अनुसार, गहलोत को बाड़मेर आना था, घोषित प्रोग्राम के अनुसार कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार करने।
- उनकी बाड़मेर यात्रा के लिए दो गाड़ियां बुक की गयीं, गहलोत के नाम से तथा उत्तरलायी एयरपोर्ट पर इन दोनों गाड़ियों को प्रवेश करने की इजाज़त के लिये स्वीकृति भी प्राप्त की गयी।
- पर, अन्ततोगत्वा गहलोत बाड़मेर नहीं आये तथा इन गाड़ियों का उपयोग रविन्द्र सिंह भाटी ने किया।
- ये गाड़ियां टैक्यिसां नहीं थीं, वरन् मेवाराम जैन के नजदीकी व्यक्ति की प्राइवेट गाडियां थीं, जो गहलोत के लिये उपलब्ध करायी गई थीं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। अपने पक्ष में अशोक गहलोत कह रहे हैं कि, गाड़ियाँ जैन ट्रैवल्स से किराए पर ली गई थीं, लेकिन, जब उनके पुत्र वैभव की सनलाइट ट्रैवल्स नाम की अपनी ही कंपनी है तो कारें किसी और कंपनी से किराए पर क्यों ली जानी चाहिए।

जानकार लोगों का कहना है कि, जो गाड़ियाँ इस्तेमाल की जा रही थीं वो टैक्सी नहीं, प्राइवेट गाड़ियाँ थीं।

ये कारें मेवा राम जैन के करीबी लोगों की थीं। ज्ञातव्य है कि, मेवा राम जैन को पार्टी से निकाल दिया गया था, लेकिन, वो अभी भी गहलोत के काफी करीब हैं और गहलोत उन्हें पार्टी में वापस लाने का प्रयास कर रहे हैं।

ये वही मेवा राम हैं, जिनके वीडियो से राजनीतिक क्षेत्रों में हलचल मच गई थी, और जिसके कारण उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था।

अशोक गहलोत तथा मेवा राम जैन के एक और करीबी व्यक्ति हैं वी.पी. सिंह राठौड़, जो कांग्रेस के आदमी हैं लेकिन उनका फेस बुक पेज रविन्द्र सिंह भाटी के प्रचार से भरा हुआ है।

अमीन खान की भी यही कहानी है, जिन्हें भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। इस पूरी टीम की निष्ठा अशोक गहलोत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रेन में यात्री के सामान की चोरी के लिए रेलवे जिम्मेदार'

जयपुर, 29 अप्रेल। जिला उपभोक्ता आयोग ने चलती ट्रेन में यात्री के सामान की चोरी के लिए रेलवे प्रशासन को जिम्मेदार माना है और उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक को कहा है कि, मानसिक संताप और परिवाद व्यय के तौर पर परिवादी को डेढ़ लाख रुपए अदा करे। इसके अलावा, चोरी हुए एक लाख सत्तर हजार रुपए व अस्सी हजार रुपए की अंगूठी की कीमत भी, परिवाद पेश करने की तिथि से नौ फीसदी ब्याज सहित अदा करे। आयोग अध्यक्ष अशोक शर्मा और सदस्य विनोद कुमार सैनी ने यह आदेश रश्मि शाह के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि परिवादी ए.सी. कोच में यात्रा कर रही थी और इस दौरान उसके सामान की रक्षा करने की जिम्मेदारी रेलवे के कर्मचारियों की थी। कर्मचारियों की लापरवाही के कारण परिवादी का सामान चोरी हो गया।

- जिला उपभोक्ता आयोग ने रश्मि शाह के परिवाद पर यह निर्णय सुनाया और रेल्वे पर डेढ़ लाख रू. का हर्जाना लगाया।

परिवाद में कहा गया कि, परिवादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बी.ए.पी. की कड़ी चुनौती के बाद भी बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट भाजपा के पास जाने के संकेत

पर जीत का अंतर बहुत कम रहने की संभावना है

- इस सीट पर अंतिम समय में कांग्रेस और बाप पार्टी का गठबंधन हुआ और नेतृत्व के निर्देश के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी अरविन्द डामोर ने नाम वापस नहीं लेकर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया और भाजपा की राह आसान कर दी।
- बाप पार्टी की तरफ से युवा नेता राजकुमार रोत मैदान में हैं, उनके पास युवा वर्ग का भारी समर्थन है, पर भाजपा प्रत्याशी महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, जो कांग्रेस से आए हैं, का क्षेत्र में काफी दबदबा है, उनके पास धन और संगठन की ताकत है, साथ ही वे बेहद अनुभवी भी हैं।
- सूत्रों का कहना है कि, इस सीट पर मालवीया ही कांग्रेस के सबसे कद्दावर नेता थे, अब वे भाजपा में चले गए हैं तो स्वाभाविक ही है कि, कांग्रेस कमजोर पड़ गई है।

उदयपुर, 29 अप्रेल (कासं)। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट के 8 विधानसभा क्षेत्रों में इस बार 72.77 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। आंकड़ों में देखे तो यह मतदान पिछले चुनाव की तुलना में 0.13 प्रतिशत कम रहा है। यहां भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) और भाजपा के बीच सीधा मुकबला है। हालांकि यहां कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लेकर त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति खड़ी कर दी, जिसका फायदा भाजपा को मिलता दिख रहा है। राजनीतिक जानकारों का भी मानना है कि जीत का संकेत भाजपा की ओर जाता दिख रहा है।

इस सीट पर 2009 में 52.68 फीसदी मतदान हुआ था तब कांग्रेस जीती थी। लेकिन बाद में 2014 में मतदान 68.86 और 2019 में 72.75 फीसदी मतदान हुआ तो दोनों ही बार फायदा भाजपा को मिला, दोनों बार मोदी लहर थी। इस बार 0.13 प्रतिशत वोटिंग कम हुई है और मोदी लहर भी बरकरार है, लेकिन जिस तरह से बी.ए.पी. यहां से हमेशा स्थानीय और जातिगत उठती रही है उससे इस सीट पर बाप पार्टी का जोर भी है और कांग्रेस को इसी वजह से गठबंधन करना पड़ा। बाप पार्टी ने चुनाव भी स्थानीय मुद्दों पर लड़ा है, हालांकि बाप पार्टी ने जोरदार कोशिश की है लेकिन, भाजपा प्रत्याशी महेन्द्र जीत सिंह मालवीय की जीत की संभावना ज्यादा प्रबल है भले ही जीत का अंतर कम रह सकता है। भाजपा प्रत्याशी महेंद्र जीत सिंह मालवीया वागड़ की राजनीति में एक बड़ा अनुभव रखते हैं। वर्ष 2014 में जब मोदी की लहर थी तब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के कई दिग्गज मंत्री और नेता हार गए लेकिन तब भी मालवीया जीते थे। इस सीट पर मालवीया के कारण ही कांग्रेस का वर्चस्व था, अब जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमने जमानत के लिये अर्जी इसलिये नहीं डाली, क्योंकि गिरफ्तारी ही गैर कानूनी थी'

- केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की जमानत पर पुरजोर बहस की। सिंघवी ने यह भी कहा कि, ''गिरफ्तार करने का अधिकार, गिरफ्तारी को आवश्यक नहीं बना देता। केवल संदेह (सस्पिशन) के कारण गिरफ्तारी नहीं की जा सकती, ''गिल्ट'' (दोष) स्थापित करना जरूरी है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि गिरफ्तारी का कारण सिर्फ संदेह ना होकर अपराध सिद्धि होना चाहिए। सिंघवी ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए उसे संघीय ढांचे व स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों पर आधारित लोकतंत्र के सिद्धांतों पर एक अभूतपूर्व प्रहार की संज्ञा दी।

सिंघवी ने तर्क दिया कि माननीय जज ऐसा कोई भी केस नहीं ढूंढ़ पाएंगे जिसमें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पी.एम.एल.ए.) की धारा 50 पर ध्यान दिए बिना गिरफ्तारी की गई हो। उन्होंने कहा कि इसका एकमात्र अपवाद था संजय सिंह की गिरफ्तारी। उस केस में भी धारा 50 को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया था। उनकी गिरफ्तारी के दो साल बाद अपराध का पता चला।

सिंघवी ने ध्यान दिलाया कि ''एक को छोड़कर किसी भी गवाह के धारा 50 के बयानों में केजरीवाल का नाम नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि इलैक्टोरल बॉण्ड्स खरीदने वाले बी.एस.आर. रेड्डी ने 17 बयान दिए थे। उन्होंने अप्रेल में नाम लिया था।'' केजरीवाल गत 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए थे।

केस की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी। इस बीच कोर्ट ने सिंघवी से पूछा कि जमानत का आवेदन निचली अदालत में क्यों है।

सिंघवी ने अभियोजनकर्ता पर चूहा-बिल्ली का खेल खेलने का आरोप लगाया।

सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि ''हम यह तय करना अभियोजनकर्ता पर निर्भर हैं कि प्रासंगिक क्या है। यह निष्पक्षता नहीं है? शरज रेड्डी केजरीवाल को अप्रेल तक दोषी नहीं ठहराते हैं, लेकिन ई.डी. इसके कारण बता सकती है कि रेड्डी के दसवें बयान को ही क्यों विश्वसनीय माना गया। सह-अपराधी से सरकारी गवाह बने बयान की तुलनात्मक पुष्टि करनी चाहिए, जो कि आपराधिक विधि का एक मूल सिद्धांत है। राघव मगुंता ने 4 बयान दिए, जिनमें से एक भी दोष सिद्धि के लायक एवं विश्वसनीय नहीं था। सरथ रेड्डी अपने 9 बयानों में कोई भी दोषारोपण नहीं करते हैं। उन्हें अपर्याप्त दस्तावेजों में रख दिया गया था। अभियोजनकर्ता की निष्पक्षता सर्वाधिक विचारणीय होती है। दोषमुक्ति सिद्ध करने वाली सामग्री को प्रकाश में लाना अभियोजनकर्ता का दायित्व है। आप चयन ही किसी बयान विशेष का करते हैं। यह चूहे और बिल्ली का खेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीस जून को रिटायर हुए कर्मचारियों को वार्षिक वेतन वृद्धि

जयपुर, 29 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीस जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को राहत देते हुए उन्हें एक जुलाई को होने वाली वेतन वृद्धि का लाभ दिया है। अदालत ने संबंधित कर्मचारियों को एक वार्षिक वेतन वृद्धि की गणना कर एरियर भी देने को कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश शंभू दयाल नागर व अन्य की याचिका पर दिए।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने आदेश दिए कि, 30 जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक अप्रैल से लागू होने वाली वेतन वृद्धि की गणना कर एरियर दिया जाए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता ग्राम विकास अधिकारी के पद से 30 जून, 2021 को रिटायर हुए थे। सिविल सेवा संशोधित नियम, 2008 के तहत कर्मचारियों को एक साल की सेवा पूरी करने के बाद एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देवेगौड़ा के पौत्र का ''सैक्स स्कैण्डल'' कर्नाटक के द्वितीय चरण के मतदान से पूर्व रिलीज़ हुआ!

जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक में देवेगौड़ा की पार्टी व भाजपा, चुनावी गठबंधन के अंतर्गत मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं

- कांग्रेस के प्रवक्ता के अनुसार, भाजपा के नेता देवराज गौड़ा ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष को आठ दिसंबर 2023 को पत्र लिखकर आगाह किया था कि, ऐसी कोई पैन ड्राइव सार्वजनिक हो रही है, जिनमें प्रमाण मौजूद हैं, पूर्व प्र.मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल रैवन्ना के, 3000 महिलाओं के ''सैक्शुअल अब्यूज़'' के प्रकरण में लिप्त होने के बारे में।
- इस ''पैन ड्राइव'' के किस्से का कर्नाटक के द्वितीय चरण के मतदान पर असर पड़ेगा ही, साथ ही ''इंडिया गठबंधन'' को मौका मिल गया है, बंगाल के संदेशखाली क्षेत्र में तृणमूल पार्टी के नेताओं के ''सैक्शुअल अब्यूज़'' के कारनामों के जवाब में भाजपा गठबंधन के साथी जद (एस) पर भी कीचड़ उछालने का।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। भाजपा के सहयोगी जनता दल (सैक्यूलर) के प्रत्याशी प्रज्वल जो कर्नाटक के एक जाने माने राजनैतिक परिवार ''देवेगौडा'' परिवार से ताल्लुक रखते है, के सैक्स स्कैंडल के रहस्योद्घाटन का समय इससे अधिक बुरा नहीं हो सकता था क्योंकि अभी आधे कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के वोट पड़ने शेष हैं।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पश्चिम बंगाल में संदेशखाली को फोकस कर किया जा रहा भाजपा का तमाम चुनाव प्रचार कर्नाटक में 3,000 महिलाओं के साथ किए गए श्रृंखलाबद्ध यौन उत्पीड़न पर भाजपा की चुप्पी से बेजान साबित हो सकता है। इससे कर्नाटक में उसके प्रत्याशियों की संभावनाएं कमज़ोर पड़ना तय है।

जे.डी. (एस.) प्रत्याशी एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र के इस सैक्स स्कैण्डल में शामिल होने के मुद्दे को कांग्रेस ने पहले ही लपक लिया है। कांग्रेस ने भाजपा से प्रश्न किया है कि सारे सबूतों की जानकारी रखने के बावजूद उसने इस कथित बलात्कारी को चुनाव मैदान में उतारने में दिलचस्पी क्यों दिखाई।

कांग्रेस ने इस संबंध में कर्नाटक के भाजपा नेता द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को लिखे गए एक पत्र को जारी किया। पत्र में कहा गया था प्रज्वल रैवन्ना द्वारा हजारों युवा लड़कियों से किए गए यौन दुर्व्यवहार के साक्ष्य एक पैन ड्राइव में हैं। पत्र में वह यह बताना चाहते थे कि भाजपा इस काण्ड से अनभिज्ञ नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उसने उस कथित प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारकर उसका समर्थन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उसके लिए चुनाव प्रचार किया।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कर्नाटक के भाजपा नेता देवराज गौड़ा द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को 8 दिसम्बर 2023 को लिखे गए एक पत्र को ट्वीट किया। पत्र में एक पैन ड्राइव की मौजूदगी की बात कही गई है जिसमें प्रज्वल रैवन्ना के अश्लील वीडियो हैं। भाजपा नेता ने पत्र में प्रश्न किया है कि भाजपा ने इसके बावजूद भी जे.डी. (एस.) के साथ चुनावी गठबंधन क्यों किया और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि श्रृंखलाबद्ध बलात्कारों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर उन्हें पैन ड्राइव में रखने वाले के खिलाफ कोई एक्शन क्यों नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्ततोगत्वा जोधपुर में गजेन्द्र सिंह शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है

कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा ने कड़ी टक्कर देने की पूरी कोशिश की, पर शायद किन्हीं कारणों से क्षेत्र के कांग्रेसी नेताओं का उन्हें पूर्ण समर्थन नहीं मिला

- इसके विपरीत गजेन्द्र सिंह के पक्ष में भाजपा एक जुट नज़र आई। प्रदेश के सभी बड़े नेता जोधपुर पहुंचे प्रचार के लिये।
- यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो ने तो माहौल एकदम बदल दिया।
- शेखावत और उचियारड़ा की स्थिति को राजपूत बहुल बी.जे.एस. कॉलोनी में हुई शेखावत व उचियारड़ा की सभा से समझा जा सकता है, जहां शेखावत की सभा में भारी भीड़ थी, वहीं, उचियारड़ा की सभा फीकी रही।
- पूरे चुनाव प्रचार में कुछ विश्वस्त कार्यकर्ताओं के साथ करण सिंह उचियारड़ा अकेले ही संघर्ष करते दिखे और उन्होंने मुकाबला कांटे का बना दिया, पर अंततः शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है।

जोधपुर, 29 अप्रेल (कासं)। लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी तथा जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है। कांग्रेस के प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा ने प्रचार में शेखावत को कड़ी टक्कर तो दी मगर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की उदासीनता ने शेखावत की जीत की राह आसान कर दी। शेखावत के पक्ष में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट की भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के रोड शो की अपार सफलता के बाद से ही शेखावत की जीत की संभावना बढ़ी है।

कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा चुनाव मैदान में अकेले ही संघर्ष करते नज़र आ रहे थे। कांग्रेस का कोई भी बड़ा नेता उनके पक्ष में प्रचार करने जोधपुर नहीं आया। उचियारड़ा ने अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ तुफानी प्रचार कर अपने पक्ष में माहौल बनाने की भारी कोशिश की, पैसा पानी की तरह बहाया। मगर सवाल यह उठता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने जोधपुर की उपेक्षा क्यों की? चर्चा है कि चूंकि करण सिंह को सचिन पायलट का बेहद करीबी माना जाता है, इसलिए न तो गहलोत ने उनकी मदद की ना ही किसी और को करने दी। दूसरे शायद गहलोत नहीं चाहते थे कि जोधपुर सीट जहां से उनका बेटा चुनाव हार चुका है , से कोई अन्य कांग्रेसी प्रत्याशी, खासकर जो पायलट खेमे का हो, चुनाव जीते।

यह बात शायद उचियारड़ा के मन में भी रही होगी, इसलिए उन्होंने अपने प्रचार की कमान खुद ही संभाले रखी। उन्होंने खुद को जोधपुर का जाया जन्मा तथा शेखावत को बाहरी बताने पर फोकस बनाए रखा। संजीवनी मामले को उठाकर पीड़ितों की सहानुभूति बंटोरने सहित जोधपुर में विकास कार्य नहीं करवाने की बात लगातार उठाई और चुनाव प्रचार में मुकाबला कड़ा बना दिया।

इधर प्रचार के दौरान ही राजपूत बाहुल्य क्षेत्र बीजेएस कालोनी स्थित शिव मंदिर के मैदान में हुई करणसिंह उचियारड़ा तथा गजेन्द्र सिंह शेखावत की जनसभा भी पिछले दिनों चर्चा में रही। क्षेत्र के निवासी वरिष्ठ नागरिक गोपाल सिंह राठौड़ (जालसू) ने बताया कि इन दोनों प्रत्याशियों की सभा की भीड़ ने ही स्पष्ट कर दिया था कि शेखावत का पलड़ा भारी है। शिवमन्दिर मैदान में शेखावत की सभा में उमड़ी भीड़ ने पिछले दस वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया जबकि इस सभा में शेखावत के अलावा वक्ता के रूप में केवल स्थानीय नेता ही थे। दूसरी तरफ उचियारड़ा की सभा में भीड़ नहीं जुट पाई।

इसके बाद उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने शेखावत के समर्थन में रोड शो कर शेखावत के पक्ष में माहौल बनाया। दोनों रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी।

गजेन्द्र सिंह शेखावत को वर्ष 2014 में भाजपा ने पहली बार जोधपुर लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया था। उस समय शेखावत का चेहरा जोधपुर के लोगों के लिए नया था। मगर मोदी लहर के चलते उस चुनाव में शेखावत ने भारी अन्तर से शानदार जीत दर्ज की थी। शेखावत ने कांग्रेस प्रत्याशी तथा पूर्व जोधपुर नरेश गजसिंह की बहन चंद्रेश कुमारी को 4 लाख दस हजार से अधिक वोटों से हराया था और परिणाम स्वरूप उन्हें केन्द्र सरकार में राज्य मंत्री बनाया गया।

इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को दो लाख 74

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 29 अप्रेल (निसं)। शहर के कुन्हाड़ी थाना इलाके के लैंडमार्क कोचिंग इलाके में एक और कोचिंग छात्र की आत्महत्या का मामला सामने आया है। छात्र हरियाणा के रोहतक से मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजबिलिटी कम एन्ट्रैंस एग्ज़ाम की तैयारी करने कोटा आया था।

- रोहतक का रहने वाला छात्र, 19 वर्षीय सुमित कुमार नीट के लिए आया था। सुमित के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच तहकीकात शुरू कर दी। छात्र के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय, राजेश कुमार सोनी ने बताया कि घटना रविवार रात करीब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

क्रोध यमराज है। –चाणक्य

एक देश, एक चुनाव- संभावना और चुनौतियां

भारत सरकार ने पूरे देश में सभी चुनाव एक साथ कराने की संभावना का परीक्षण करने एवं संविधान संशोधनों की आवश्यकता पर विचार करने हेतु पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन 2 सितंबर 2023 को किया। इस समिति ने राजनैतिक दलों, विशेषज्ञों आदि से विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात अपनी रिपोर्ट 14 मार्च 2024 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है। इस समिति में सदस्यों के रूप में अमित शाह, गृहमंत्री भारत सरकार, गुलाम नबी आजाद, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता, एन के सिंह, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष, डॉ सुभाष कश्यप, लोकसभा के पूर्व महासचिव, श्री हरीश साल्वे, वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री संजय कोठारी पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त, विशेष आमंत्रित अर्जुन राम मेघवाल, राज्य मंत्री, कानून एवं न्याय सम्मिलित हैं। समिति के सचिव डॉ नितिन चंद्रा थे।

इस उच्च स्तरीय समिति ने विभिन्न राजनैतिक दलों और विधि विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया। समिति ने नागरिकों से भी इस बारे में सुझाव मांगे जिसके उत्तर में कुल 21558 सुझाव प्राप्त हुए। अधिकांश ने एक साथ चुनाव कराने के विचार का समर्थन किया। जिन विशेषज्ञों से समिति ने चर्चा की, उनमें भारत के उच्चतम न्यायालय के चार पूर्व मुख्य न्यायाधीश, प्रमुख उच्च न्यायालयों के 12 पूर्व मुख्य न्यायाधीश, चार पूर्व चुनाव मुख्य निर्वाचन आयुक्त, आठ राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त एवं विधि आयोग के अध्यक्ष प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त, समिति ने कई व्यावसायिक संगठनों जैसे फिक्की, सी आई आई एसोचेम के प्रतिनिधियों एवं अर्थशास्त्रियों से भी विचार-विमर्श किया। इन व्यावसायिक संगठनों ने यह विचार व्यक्त किया कि लगातार चुनाव होते रहने से आर्थिक प्रगति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र भी इससे प्रभावित होते हैं।

प्राप्त सुझावों के परीक्षण और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों से गहन विचार-विमर्श के पश्चात समिति ने एक साथ चुनाव कराने का कार्य दो चरणों में करने हेतु सिफारिश की है। पहले चरण में, लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की अनुशंसा की गई है। दूसरे चरण में शहरी निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव भी इनके साथ कराए जाने की सिफारिश की है। ये चुनाव, लोक सभा और विधानसभाओं के चुनाव पूरे होने के बाद 100 दिनों के में कराए जा सकते हैं। समिति ने यह भी सिफारिश की है कि सभी चुनावों के लिए, एक ही मतदाता सूची का प्रयोग होना चाहिए।

भारत का निर्वाचन आयोग कई सालों से एक साथ सारे चुनाव कराने की बात करता रहा है। आयोग द्वारा इस हेतु निम्न मुख्य आधार बताये गये हैं:–

1. एक साथ चुनाव कराने से, बहुत बड़ी धनराशि जो बार-बार चुनाव कराने पर व्यय की जाती है, उससे बचा जा सकता है।

2. मतदाता सूचियां का बार-बार पुनरीक्षण किए जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और केवल 5 वर्ष में एक बार ही इसे बनाना होगा।

3. बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों (जिनकी संख्या लगभग 25 लाख है) को बार-बार चुनाव की ड्यूटी में नहीं लगाना पड़ेगा। फलस्वरुप सरकारी कामकाज विपरीत रूप से प्रभावित नहीं होगा।

4. चुनाव के कारण, सरकारी विभागों के काम एक प्रकार से रुक जाते हैं, क्योंकि प्रत्येक चुनाव के दौरान आदर्श चुनाव संहिता के चलते ,नीति गत निर्णय नहीं हो पाते हैं।

5. चुनावों के कारण कर्मचारियों/अधिकारियों के स्थानांतरण भी चुनाव अवधि में नहीं किया जा सकते हैं। इससे भी सरकारी कामकाज बहुत विपरीत रूप से प्रभावित होता है।

6. राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों को भी बार-बार चुनाव लड़ने के हेतु बहुत अधिक धनराशि खर्च करनी पड़ती है।

विधि आयोग यह सिफारिश करता रहा है कि पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक ही साथ कराए जाएं।

संसद की विधि और न्याय से संबंधित स्थाई समिति ने भी 2015 में इन्हीं बिंदुओं के आधार पर पूरे देश में सभी चुनाव एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी।

उच्च स्तरीय समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से अपनी राय मांगी थी, जिनमें से 47 ने अपनी राय समिति को भेजी। इनमें से 32 दलों ने इसके पक्ष में अपनी राय रखी और 15 ने इसका विरोध किया।

यह उल्लेखनीय है कि कुल छह राष्ट्रीय दलों में से केवल भारतीय जनता पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने इस अवधारणा का समर्थन किया एवं शेष चार राष्ट्रीय दल जैसे आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस विचार का विरोध किया। इसके साथ ही कुछ प्रमुख राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों ने भी 'एक देश, एक चुनाव' का विरोध किया। इन दलों में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, डी एम के, समाजवादी पार्टी प्रमुख हैं।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि 'एक देश, एक चुनाव' का सिद्धांत आदर्श स्थिति में तो अच्छा है, किंतु वास्तव में आदर्श स्थितियां देश में विद्यमान नहीं हैं। संभव है, सबसे बड़े दल को ऐसा लगता होगा कि केंद्र और सभी राज्यों पर उसका एकाधिकार हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो हम संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली की ओर चले जाएंगे।

अधिकांश प्रमुख विपक्षी दलों ने इस आधार पर 'एक देश, एक चुनाव' का विरोध किया कि यह संविधान में निहित संघीय ढांचे पर चोट करता है। इन्होंने यह भी कहा कि कुछ अधिक खर्च होने पर कोई अंतर नहीं पड़ेगा यदि इससे संसदीय प्रणाली जो कि संविधान प्रदत्त है, की रक्षा होती है। यह भी उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने विचार-विमर्श हेतु अपना कोई प्रतिनिधि समिति के समक्ष नहीं भेजा।

समिति ने चार पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्तों अचल कुमार जोति, ओ पी रावत, सुनील अरोड़ा एवं सुशील चंद्र से भी चर्चा की। सबने एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया।

समिति ने अपनी, रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि वर्ष 2019 से 23 तक प्रतिवर्ष देश के किसी न किसी भाग में चुनाव होते रहे। इसके कारण सभी विकास कार्य, नीति गत निर्णय लेने की प्रक्रिया बाधित होती रही। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं सरकार के मंत्री शासन चलाने के काम को छोड़कर लगभग पूरा समय चुनाव संबंधी कार्य में ही लगे रहे। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बार-बार चुनाव होने से मतदाता में चुनाव के प्रति थकान (Voter fatigue) उत्पन्न हो जाती है जो मतदाता को उदासीन बना देती है।

हर समय चुनाव होते रहने के और भी दुष्प्रभावों की समिति ने चर्चा की है। कानून और व्यवस्था में लगे हुए अर्द्ध सैनिक बलों एवं पुलिस को चुनावी ड्यूटी में लगाना होता है, जिसके कारण अपराध पर नियंत्रण पूरी तरह नहीं हो पाता है। निरंतर चुनाव प्रचार होने के कारण, समाज में कटुता एवं वैमनस्यता बढ़ती है। बार-बार चुनाव होने के कारण, प्रवासी मजदूरों के मतदान के लिए अपने-अपने गांव/ शहर में जाने के कारण, औद्योगिक और सर्विस क्षेत्र में काम पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

समिति ने देश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करने के उद्देश्य से यह सुझाव दिया कि यदि किसी विधानसभा अथवा लोकसभा को पांच साल से पहले भंग करना पड़े तो, मध्यावधि चुनाव, 5 साल में से शेष बची हुई अवधि के लिए ही होगा, ताकि अगले चुनाव सब विधानसभा, लोकसभा के चुनाव के एक साथ ही हो सके।

'एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था को मूर्त रूप देने के लिए समिति ने संविधान में कई संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है। समिति की अनुशंसा के अनुसार संविधान के जिन अनुच्छेदों को संशोधित करना होगा, वे इस प्रकार हैं:– 83 (2), 83 (3) (2), 83 (4), 172(1), 172 (3), 172 (4), 82A (1), 82A (2), 82A (3), 82A (4), 82A (5), 324A, 325 (2), 325(3), 327।

पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की योजना प्रथम दृष्टया, बहुत सरल और आवश्यक लगती है, किंतु इसे लागू करने में कई चुनौतियाँ हैं। सबसे प्रमुख तो संविधान संशोधन को पारित कराना है जिसके लिए संसद में दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। शायद इसीलिए, लोकसभा चुनावों में 'अबकी बार 400 पार' का नारा प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकर्ताओं को दिया है। कुछ संशोधन जैसे– अनुच्छेद 325 और अनुच्छेद 324 ऐसे भी हैं, जिनके लिए आधी से अधिक विधानसभाओं का अनुमोदन भी लेना होगा।

'एक चुनाव एक देश' के सम्बन्ध में यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि इससे स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे और सब चुनावों पर राष्ट्रीय मुद्दे ही हावी रहेंगे। इसका सबसे बड़ा खामियाजा तो राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को उठाना पड़ेगा जिनका अस्तित्व ही संकट में आ जाएगा। भारत, अत्यंत विविधताओं से भरा हुआ देश है और केवल प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से एक साथ चुनाव कराने का निर्णय लेने से पहले, इसके सम्भावित दुष्परिणामों के प्रति भी सचेत रहने की आवश्यकता है। यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि 'एक देश, एक चुनाव' के कारण कहीं 'एक देश, एक चुनाव और एक दल' की स्थिति न बनकर रह जाए। फिर भारत की भी वही स्थिति हो सकती है जैसी रूस अथवा चीन में है।

यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि यदि वास्तव में सत्ता धारी दल की 'एक देश, एक चुनाव' की मंशा होती तो वह बिना किसी संविधान संशोधन के भी उन भाजपा शासित प्रदेशों के चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ चुनाव करवा सकता था, जहां 2024, 2025 में चुनाव होने हैं। इसके लिए केवल इन राज्यों की विधानसभाओं को भंग करने की सिफारिश संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की जा सकती थी। ऐसा करके वे अपनी साफ़ नीयत प्रदर्शित कर सकता था।

यह सुझाव भी बहुत उपयुक्त प्रतीत नहीं होता कि 5 वर्ष से पूर्व बीच में यदि किसी भी विधानसभा और लोकसभा को भंग किया जाता है तो मध्य अवधि चुनाव उसे 5 वर्ष की अवधि के शेष समय के लिए ही कराए जाएं। इससे चुनाव की गंभीरता पर प्रश्न चिह्न लगेगा एवं कई दल एवं नेता शायद केवल एक या दो वर्ष के लिए चुनाव में भाग नहीं लेना चाहेंगे।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि 'एक देश, एक चुनाव' का सिद्धांत आदर्श स्थिति में तो अच्छा है, किंतु वास्तव में आदर्श स्थितियां देश में विद्यमान नहीं हैं। संभव है, सबसे बड़े दल को ऐसा लगता होगा कि केंद्र और सभी राज्यों पर उसका एकाधिकार हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो हम संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली की ओर चले जाएंगे। फ़िलहाल तो सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि चुनाव आयोग लंबित चुनाव सुधार करके, चुनावों को अनावश्यक व्यय, बाहुबल और आपराधिक तत्त्वों के प्रभाव से मुक्त करा सके।

देखना है कि जो रिपोर्ट पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने दे दी है, वह किस प्रकार से क्रियान्वित हो पाती है? यह लोकसभा चुनाव के परिणाम पर भी निर्भर करेगा कि क्या सत्ताधारी दल संसद में दो-तीन बहुमत प्राप्त कर पाता है? फ़िलहाल तो हमें 4 जून, 2024 की प्रतीक्षा है जब लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

चुनाव में घटती वोटिंग प्रतिशत वर्तमान प्रणाली के प्रति जनता की अनिक्षा व अस्वीकारिता का द्योतक, नीति निर्धारक अभी चेतें

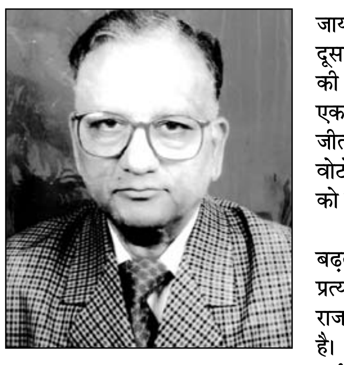

प्रो. वीर बहादुर सिंह

देश में संपन्न हुए विधायक के चुनाव और वर्तमान में हो रहे संसदीय चुनाव में एक महत्वपूर्ण बात प्रत्यक्ष दृष्टिगोचर हो रही है वह है वोटिंग का प्रतिशत पहले से कम होना। एक तो वर्तमान प्रणाली ही ऐसी है जिसमे अनेक राजनैतिक पार्टिओं/दलों के प्रत्याशी चुनाव में उतरते हैं उसमें भी यदि मतदाता की अनिक्षा वोट डालने की नहीं हो तो चुना हुआ व्यक्ति क्या वहां की जनता का सही प्रतिनिध ठहराया जा सकता है? उस पर यदि 50-55 प्रतिशत ही मतदान हो तो अन्य पार्टिओं के प्रत्याशिओं के होते हुए विजयी मुश्किल से 25-30 प्रतिशत वोट लेकर चुनाव जीतता है। जो चुनाव हार गए उनकी भूमिका शून्य अथवा नगण्य रह जाती है। इतनें कम समर्थन से देश में सरकारें बनती रही हैं, जो सक्रीय लोकतंत्र के लिए किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न तो लोकतंत्र है और न ही प्रजातंत्र। बल्कि यह खिचड़ी तंत्र है जिसका उल्लेख संविधान में मेरे विचार से नहीं किया हुआ है। बाबा साहब को संभवत: यह अपेक्षा नहीं रही होगी कि देश का मतदाता भविष्य में इतना उदासीन हो जायगा कि अपना वोट ही न दे और दूसरी तरफ राजनैतिक दल मक्खिओं की भांति देश में पनपेंगे और चुनाव को एक मखौल बना कर रख देंगे? उन्हें जीतने वाले व्यक्ति के लिए एक निश्चित वोटों का प्रतिशत पाने के अनिवार्यता को दृणता से प्रतिपादित करना था।

वर्तमान चुनाव पद्धति के प्रति बढ़ती उदासीनता का दूसरा बड़ा कारण प्रत्यार्शी का चुनाव जनता द्वारा न होकर राजनैतिक पार्टियों द्वारा किया जाना भी है। इतना ही नहीं अब तो प्रत्याशी हाईकमान निर्धारित करता है। उसका न पार्टी को पता और न सम्बंधित जनता को। ऐसी स्थिति में कोई व्यक्ति वोट डालने क्यों जायेगा? जब अमुक कैंडिडेट से उसकी कोई वाकफियत या जानकारी ही नहीं है। उदयपुर में जहाँ लेखक निवास करता है वहां किसी भी पार्टी का प्रत्याशी अथवा उसके कोई कार्यकर्ता वोटर के पास एक बार भी नहीं आये। पोलिंग बूथ पर जाने पर इ वी ऍम मशीन पर चिपके नाम और चुनाव चिन्हों से कैंडिडेट्स का नाम पता पड़ा। जब चुनाव से पूर्व ऐसे हालात हैं तो चुनाव के बाद किसी के जीतने पर क्या अपेक्षा की जा सकती है? यदि यह चुनाव पार्टी के शीर्षतम नेता के नाम पर लड़ा गया है तो फिर केवल चुनाव चिन्ह ही काफी था नाम की आवश्यकता भी नहीं थी। कुल मिलाकर यह चुनाव अलग ही तरह का है ऐसा पहले कभी किसी विधायक या संसदीय चुनाव में नहीं देखा था।

हमारे चुनाव क्षेत्र की क्या प्राथमिकताएं थी मुझे नहीं मालूम। वर्तमान में मैं इसकी अपेक्षा भी नहीं रखता क्योंकि सम्पूर्ण चुनाव प्रधान मंत्री मोदी जी द्वारा पार्टी के लिए लड़ा जा रहा है फिर भी प्रत्याशिओं को क्षेत्र की प्राथमिकताएं तो मालूम होनी ही चाहिए। मुझे लगता है भारतीय जनता पार्टी के जीतने पर सभी विजयी सांसदों के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम, मोदी जी को चलाना पड़ेगा जिसमे प्रत्येक संसदीय क्षेत्र के बारे में वे दिशा निर्देश देकर एक विस्तृत विकास प्लान बनबायेंगे। प्रधान मंत्री जी की सोच और प्लानिंग के आगे अभी तो सभी नेता और टेक्नोक्रैट्स फ़ैल हैं।

वर्तमान चुनाव प्रचार और चुनाव प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन आवश्यक है। बाबा साहब ने उस समय की स्थिति और आवश्यकताओं के मुताविक अपने सुझाव रखे थे उन्होंने यह कभी नहीं कहा कि इन नि यमों में भविष्य में कोई परिवर्तन नहीं किया जाय ? एक शिक्षित और विवेकशील उन जैसा व्यक्ति ऐसा कभी भी नहीं कह सकता। यहाँ में कहना चाहता हूँ कि संविधान में अनेक परिवर्तन मोदी जी के पूर्व प्रधान मंत्रिओं ने किये हुए हैं। समय के साथ केवल ऐतिहासिक और भौगोलिक बातें नहीं बदलती, जबकि सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्थितिओं के बदलते क़ानून, नियम आदि सभी कुछ बदलना पड़ता है जो नहीं बदलते वे स्वत: निष्क्रिय होकर अर्थहीन हो जाते हैं। बदलाव प्रकृति का नियम है। ठहरा हुआ पानी भी कुछ समय बाद सड़ जाता है। इसलिए जो लोग संविधान को बदलने का विरोध करते हैं वे कुंठित मानसिकता से ग्रसित और विकास के पक्षधर नहीं हैं। यदि सब कुछ पुराना ही श्रेष्ठ है तो फिर प्रधान मंत्री, मुख्यमंत्री, संसद, मंत्री, विधायक, सचिव और पुराने पहनने के कपड़े आदि किसी को न बदला जाय? क्या यह श्रेयकर होगा? हम प्रतिदिन विभिन्न समितिओं में बैठकर बदलाव अथवा परिवर्तन ही तो करते हैं। हम सब बालक पैदा हुए, अब बूढ़े हो रहे हैं एक दिन जगह खाली कर चले जायेगे, हमारा स्थान कोई अन्य ले लेगा। ये परिवर्तन रुकने वाला नहीं, यह तो प्रतिक्षण घटित हो रहा है। इसलिए उन्नति के लिए परिवर्तन वांछनीय है। अत: कोई भी निजी स्वार्थवश इन परिवर्तनों का विरोध के लिए विरोध न करे यह मूर्खता का द्योतक है।

इसलिए मेरा सुझाव है कि देश के राष्ट्रपति एक उच्च स्तर की क़ानून विदों, शिक्षाविदों, समाजविज्ञानी, कृषक आदि क्षेत्रों से प्रतिष्ठित लोगों की समिति को आमंत्रित कर यह कार्य सोंपें जो सम्पूर्ण व्यवस्था पर अपने सुझाव दे। उन सुझावों पर फिर संसद सम्बाद करे। चुनाव के लिए प्रत्याशी का चयन वोटर/जनता के स्तर पर किया जाय। तत्पश्चात पार्टी उसे अपना कैंडिडेट बना सकती है। वोटर के लिए वोट देना जरुरी हो, नहीं देंनें पर दंड का प्रावधान किया जाय। जीतने के लिए कैंडिडेट को क्षेत्र के कुल वोटर्स का 35 प्रतिशत वोट पाना जरुरी किया जाय। आरक्षित चुनाव क्षेत्र समाप्त किये जाय अब 70 वर्षों बाद इस प्रावधान का कोई औचित्य नहीं रह गया है। देश में उचित तो यह रहेगा कि पार्टी सिस्टम डेमोक्रेसी को यथा संभव नही अपनाया जाय क्योंकि पार्टी सिस्टम भ्रष्टाचार का उद्गम होता है। एक रूसी समाज शास्त्री ने अपनी पुस्तक में इस बात को काफी बल पूर्वक उद्घाटित किया है। 1952 के लोकसभा चुनाव में राजनैतिक पार्टियां तो खास सख्या में नहीं थी कोंस के अलावा ; निर्दलीय ही अधिक चुनाव लड़े थे। इसलिए पार्टी विहीन लोग निर्दलीय होकर चुनाव लड़ें और जीतने पर संसद में अपना नेता अथवा प्रधान मंत्री चुने।

पार्टी प्रणाली यदि रखना ही जरुरी हो तो पार्टिओं की संख्या को सीमित किया जाय। प्रदेश स्तर और देश स्तर की पार्टियां चिन्हित हों, प्रदेश स्तर की पार्टी के प्रत्याशी सांसद के चुनाव के लिए प्रत्याशी न बन सकें। प्रत्येक दल में प्रत्यार्शी का चुनाव पहले सम्बंधित जनता करे न कि पार्टी पदाधिकारी। चुनाव् लड़ने वाले व्यक्ति को न्यूनतम स्नातक होना वांछित हो। इसके अतिरिक्त छ: माह की फौज की ट्रेनिंग का अनुभव चुनाव के लिए आवश्यक किया जाये। चुनाव लड़ने वाले की अपराधिक प्रष्ट भूमि नहीं हो। चाल-चलन, व्यवहारिकता आदि भी सरल और ग्राह्य हो। सामाजिक क्षेत्र के अनुभव को चयन में वरीयता मिले। इनके अतितिक्त और बहुतेरे सुझाव रखे जा सकते हैं यदि पहले प्रस्तावित मॉडल स्वीकार्य हो। कैंडिडेट के चनाव जीतने के बाद यदि कोई राष्ट्र विरोधी गतिविधि में संलग्न पाया जाय तो उसकी सदस्यता तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दी जाये। वर्तमान प्रणाली में डेल गए वोटों में यदि नोटा का प्रतिशत दस हो जाय तब वह चुनाव कैंसिल कर दिया जाय।

सांसद अथवा विधायक चुनने के बाद उनके लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम किया जाय जहाँ कोड ऑफ़ कंडक्ट की समुचित जानकारी सभी सदस्यों को मिले। चुनाव में फ्री वीज की घोषनायें वर्जित हों, नहीं मानने वालों पर सख्त कार्यवाही हो। जनता को अथवा जनता के किसी खास वर्ग को कोई भी फ्री सुविधा केवल सदन में पारित कर दी जाय अन्यथा नहीं और उसका बजट में प्रावधान भी किया जावे। चुनाव प्रचार में भी किसी भी प्रकार का लालच घोषित न हो। मेरा सुझाव है वर्तमान में चुनाव प्रणाली में विस्तृत स्तर पर परिवर्तन अब समय की मांग है, अन्यथा भविष्य के चुनाव में वोटिंग प्रतिशत और अधिक गिरने की प्रवल सम्भावना है। समय रहते ही संभलना बुद्धिमानी है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
सेवा निवृत कुलपति,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय,
उदयपुर

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों स्वर्ण पदक प्रदान किये।

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी वैदिक भारत के शाश्वत सिद्धांतों को आधार बनाकर ऐसे नवाचार करें जो प्रकृति के अनुकूल हों। राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में निहित अद्वितीय क्षमताओं को पहचानते हुए उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों को तकनीकी शिक्षा में प्रधानता देने के लिए चिंतन की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान हों जिससे देश के संसाधनों से स्थानीय उत्पादों का निर्माण हो सके।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शोध और अनुसंधान की मौलिक परंपरा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप भारतीय पारंपरिक ज्ञान को केंद्र में रखकर आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत की शिक्षा का दृष्टिकोण विज्ञान प्रौद्योगिकी भारतीय दर्शन और नवाचार प्रतीक के रूप में खड़ा है।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने चिंता जताते हुए कहा कि आज भी हमारे यहां वैज्ञानिक तकनीकी और चिकित्सकीय शिक्षा अंग्रेजी में ही दी जाती है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटेशन की पहल की गई है। इसका उद्देश्य अंग्रेजी के साथ दूसरी भाषाओं में वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्सकीय शिक्षा के पाठ्यक्रमों को सुलभ करवाना है। राज्यपाल ने बीकानेर साहित्यिक परम्परा को रेखांकित किया और परम्परागत ज्ञान को आगे बढ़ाने में डॉ. छगन मोहता, हरीश भादाणी, रामदेव आचार्य और यादवेंद्र शर्मा जैसे साहित्यकारों के योगदान का स्मरण किया।

■ मानवीय मूल्यों को तकनीकी शिक्षा में प्रधानता देने के लिए चिंतन की आवश्यकता : राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल ने कहा कि बीकानेर में प्रौद्योगिकी विकास का भी अहम इतिहास रहा है। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के अनुरूप ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करें, जिसमें हमारे प्राचीन ज्ञान के संदर्भों के साथ आधुनिक वैश्विक ज्ञान का समन्वय हो। मिश्र ने कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान दर्शन और कौशल आधारित पाठ्यक्रम के साथ कौशल निर्माण और नैतिक उन्नयन से जुड़े पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं। आने वाले समय में इसके बेहतरीन परिणाम आएंगे। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में से 11 बालिकाएं हैं। यह संख्या इस बात की घोतक है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं अपने भविष्य के साथ राष्ट्र के भविष्य को भी सुदृढ़ बना सकती हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं नवाचारों व प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 बीआर्क, बी डिजाइन बीटेक एमटेक एमबी, एमसी, पाठयक्रम सहित कुल 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। वहीं बीटेक की 2 हजार 529 बीटेक ऑनर्स की 18एमबीए की 426 एमसीए की 139 एमटेक की 42 बीआर्क की 3 बी.डिजाइन की 14 सहित कुल 3 हजार 171 डिग्रियां वितरित की। इससे पहले विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर राज्यपाल का गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मान किया गया। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। दीक्षांत समारोह की शुरुआत दीक्षांत परेड से हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। कुलसचिव रामकिशोर मीणा ने आभार जताया।

हिंदुस्तान जिंक को अवार्ड मिला

उदयपुर, (निसं)। वेदांता समूह की कंपनी और देश की अग्रणी जस्ता-सीसा-चांदी उत्पादक हिंदुस्तान जिंक ने सबसे बड़े एकीकृत चांदी निर्माता के लिए प्रतिष्ठित इंडिया सिल्वर कॉन्फ्रेंस एक्सीलेंस अवार्ड 2023 जीतकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

यह मान्यता तब मिली है जब हिंदुस्तान जिंक को द सिल्वर इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित विश्व सिल्वर सर्वे 2024 द्वारा 3 सबसे बडे चांदी उत्पादक का स्थान दिया गया है। यह पुरस्कार चांदी विनिर्माण क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और सस्टेनेबल प्रणाली के प्रति हिंदुस्तान जिंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी की साल-दर-साल 5 प्रतिशत की लगातार वृद्धि का श्रेय बढ़ते अयस्क उत्पादन और उन्नत ग्रेड को दिया है, जिससे वैश्विक चांदी बाजार में एक प्रमुख कंपनी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि हम इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त कर गौरवान्वित हैं, जो हमारे संचालन में नवाचार को बढ़ावा देने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2024 में 746 टन के साथ, हिंदुस्तान जिंक तीसरे सबसे बड़े उत्पादक तक पहुंच गई है। यह विकास को बढ़ावा देने और स्थायी मूल्य बनाने के हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। यह मान्यता हमारी उत्कृष्टता की निरंतर खोज और हमारी मूल्य श्रृंखला में स्थिरता पर हमारे फोकस को रेखांकित करती है। हिंदुस्तान जिंक की सिंदेसर खुर्द खदान विश्व की दूसरी सबसे अधिक चांदी उत्पादक खदान है, जो चांदी उद्योग में कंपनी के महत्वपूर्ण योगदान को और बढ़ाती है।

राशिफल मंगलवार 30 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा षाढ़ा नक्षत्र रात्रि 4:09 तक, साध्य योग रात्रि 10:24 तक, वणिज करण प्रात: 7:06 तक, चन्द्रमा दिन 10:37 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग प्रात: 7:06 से रात्रि 4:09 तक है। रवियोग रात्रि 4:09 से आरम्भ होगा। आज भद्रा प्रात: 7:06 से सांय 6:26 तक रहेगी। शुक्र अस्त पूर्व रात्रि 3:30 पर होगा। आज सप्तमी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:09 से 10:46 तक, लाभ-अमृत 10:46 से 2:02 तक, शुभ 3:39 से 5:17 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 6:55

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

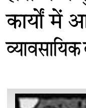

वृष
आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

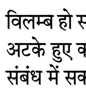

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

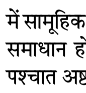

कर्क
स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

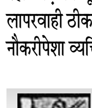

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

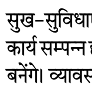

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

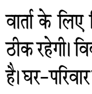

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों, भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आय में वृद्धि होगी।

धनु
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

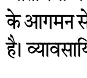

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

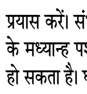

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने कार्यों की समीक्षा की

पाली संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभासिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली,(नि.सं.)। मुख्य सचिव राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार सोमवार को पाली संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभासिंह की अध्यक्षता में पाली संभाग के राजस्व अर्जन करने वाले विभागों के संभाग स्तरीय अधिकरीगणों के साथ पाक्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में पाली संभाग के आबकारी विभाग के अधिकारी, प्रादेशिक परिवहन विभाग के अधिकारी, वाणिज्यिक कर विभाग, खनन एवं भू विज्ञान एवं उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग उपस्थित रहे।

इन विभागों के संबंधित विभाग मुख्यालयों द्वारा आवंटित वार्षिक लक्ष्यों एवं माह अप्रेल, 2024 के आवंटित राजस्व आय के लक्ष्यों की समीक्षा की गई। साथ ही जिन विभागों के द्वारा माह अप्रेल, 2024 के आवंटित राजस्व आय के लक्ष्यों के विरूद्ध कम राजस्व आय अर्जित की गई है, उन विभागों को आय बढ़ाने के निर्देश दिये गये। बैठक में उपस्थित विभागों के अधिकारीगणों को आगामी समीक्षा बैठक 16 मई 2024 में प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित होने के निर्देश प्रदान किये गये।

स्थाई एरियर रिव्यू कमेटी का गठन

मुख्य सचिव राजस्थान सरकार, जयपुर के आदेशानुसार संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह अध्यक्षता में एक स्थायी एरियर रिव्यू कमेटी का गठन किया गया है। समिति में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, संभाग में प्रत्येक जिले से संबंधित अतिरिक्त जिला कलक्टर आदि सदस्य होंगे। यह समिति की प्रथम त्रैमासिक बैठक सोमवार को संभागीय आयुक्त के कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व विभाग राजस्थान सरकार द्वारा 08 फरवरी 2024 को जारी निर्देशों की पालनार्थ जिलों व अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों में वर्षों से लम्बित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं के संबंध में उपस्थित अधिकारीगण से चर्चा की गई। बैठक में पाली संभाग के चारों जिलों के अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं राजस्व अपील अधिकारी के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित रहें। बैठक में राजस्व न्यायालयों में 5, 10 व 20 वर्षो से अधिक अवधि के लंबित प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये।

विधिक सेवा कार्यालय में साक्षात्कार आज

बालोतरा, (नि.सं.)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालोतरा की ओर से जारी निर्देशानुसार पैरालिगल वॉलेन्टियर आवेदकों का साक्षात्कार मंगलवार, 30 अप्रेल को होगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिद्धार्थ दीप ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालोतरा द्वारा जारी पैरालिगल वॉलेन्टियर विज्ञिप्त संख्या 01 के संबंध में पैरा लीगल

■ **आवेदकों को मूल दस्तावेज के साथ के साथ आने के निर्देश दिए**

वॉलेन्टियर के चयन के संबंध में सूचित किया जाता है कि जिला मुख्यालय बाड़मेर, प्रधिकरण मुख्यालय बालोतरा व प्राधिकरण द्वारा चयनित व अन्य पंचायत समितियों से आवेदन करने वाले सभी आवेदकों को 30 अप्रेल, मंगलवार को प्रातः 09 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालोतरा के कार्यालय में साक्षात्कार लिया जायेगा। उन्होने सभी आवेदकों को निर्धारित समय व स्थान पर अनिवार्य रूप से मय मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए।

उन्होने बताया कि यदि किसी आवेदक ने आवेदन जमा कराते समय अनिवार्य दस्तावेज जैसे- 02 चरित्र प्रमाण पत्र, मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र व दसवीं की अंकतालिका स्वयं द्वारा प्रमाणित प्रति संग्लन नहीं की थी वह आवश्यक दस्तावेजों की प्रति साथ लेकर आये अन्यथा साक्षात्कार से वंछित कर दिया जायेगा।

आर.के.एस.एम.बी. परीक्षाओं का निरीक्षण

पाली के विद्यालयों में अधिकारियों ने निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम आरकेएसएमबी आंकलन तीन की सोमवार से शुरू हुई परीक्षाओं को लेकर अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

सहायक निदेशक समठा शिक्षा पाली सोहनलाल भाटी ने बताया कि परीक्षा संचालन के प्रथम दिन शिक्षा निदेशालय बीकानेर के अनुसंधान अधिकारी एवं जिला प्रभारी अरूण स्वामी ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाउसिंग बोर्ड का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो इसके लिए विद्यालय प्रबंधन एवं विभाग पूर्ण रूप से कटिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में कौशल विकास बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उनके विषय में दक्षता विशेष में सुधार के लिए अतिरिक्त प्रयासों की योजना बनाकर शिक्षण कार्य करवाएं जा रहे है। इस आंकलन तीन में पूछी जाने वाली दक्षताओं के साथ साथ वे दक्षताएं सम्मिलित होगी जिनमें आरकेएसएमबी आंकलन दो में जिले के अधिकांश विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएं।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप करमचंदानी ने बताया कि आंकलन प्रपत्रों की ओसीआर को शिक्षक आंकलन के दिवस ही स्केन कर एप पर अपलोड करेंगे। वहीं विद्यालय विजिट के पश्चात शाला संबलन एप पर प्रविष्टि करेंगे।

संस्था प्रधान शांति चौहान ने बताया कि सोमवार को कक्षा तीन की अंग्रेजी, कक्षा चार की गणित, कक्षा छः अंग्रेजी, सात की हिंदी की परीक्षा आयोजित की गई। इसी दौरान मंगलवार को दोपहर 12 से 1 बजे तक कक्षा तृतीय एवं चतुर्थ की हिंदी, षष्ठम की गणित एवं सप्तम की अंग्रेजी परीक्षाएं आयोजित होगी।

चिकित्सा योजनाओं एवं कार्यक्रमों का जायजा लिया

सिरोही सी.एम.एच.ओ. डॉ. राजेश कुमार ने स्वास्थ्य केन्द्र माउंट आबू का निरीक्षण किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। सिरोही जिला सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार ने जिले की चिकित्सा संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं जायजा लेने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र माउंट आबू का निरीक्षण किया। साथ ही उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेकर उपस्थित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार ने विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की गहराई से जानकारी लेकर सभी उपस्थित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत संस्थान पर नियमानुसार दवाई का 3 महीने का स्टॉक रखे, मेडिकल बायो वेस्ट निस्तारण, संस्थान के वार्ड एवं परिसर में साफ सफाई रखने साथ ही स्टाफ अपनी यूनिफॉम में समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत दी जाने वाली मरीजों को दवाईयां की पर्ची की एंट्री ऑनलाइन शत प्रतिशत करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ डॉ.राजेश कुमार ने चिकित्सा संस्थान में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की गहराई से जानकारी लेकर चिकित्सा संस्थान में साफ-सफाई रखने के लिए व गर्भवती महिला की अनिवार्य 4 जांच समय रहते करना आवश्यक व संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना साथ गर्भवती महिला व बच्चों का टीकाकरण शत प्रतिशत करना साथ पीसीटीएस सॉफ्टवेयर में समय पर एंट्री करवाने के चिकित्साकर्मी को निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने स्टाफ को निर्देशित किया मौसमी बीमारियों को देखते हुए आमजन को जानकारी दे घरों में साफ सफाई रखे साथ स्वच्छता का ध्यान रखे।

पेयजल आपूर्ति के संबंध में समीक्षा बैठक

बालोतरा, (नि.सं.)। सोमवार को उपखण्ड कार्यालय में उपखण्ड अधिकारी राजेश कुमार की अध्यक्षता में पेयजल आपुर्ति को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किा गया।

जिले में ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में नागरिकों को शुद्ध एवं निर्धारित मात्रा में पेयजल की आपूर्ति हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

■ **ग्रीष्म ऋतु के लिए समय रहते सभी प्रबंधन किए जाए : राजेश कुमार**

ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपुर्ति सुनिश्चित करने के लिए उपखण्ड अधिकारी राजेश कुमार ने टैंकरों के माध्यम से पेयजल वितरण के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित हैंडपम्प चालू हालत में रहें, इसके लिये निरंतर मॉनीटरिंग की जाए। जिन हैंडपम्पों में सुधार की आवश्यकता है उनके सुधार का कार्य भी युद्ध स्तर पर किया जाए। जिन गांवों में पेयजल की स्थिति ठीक नहीं है उन गांवों को चिन्हित कर समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उपखण्ड अधिकारी ने कहा कि पेयजल वितरण के लिये पानी की शुद्धता की जांच समय-समय पर कराई जाए ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र स्तर पर कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

बाल कलाकारों ने प्रदर्शनी में दिखाया अपना हुनर

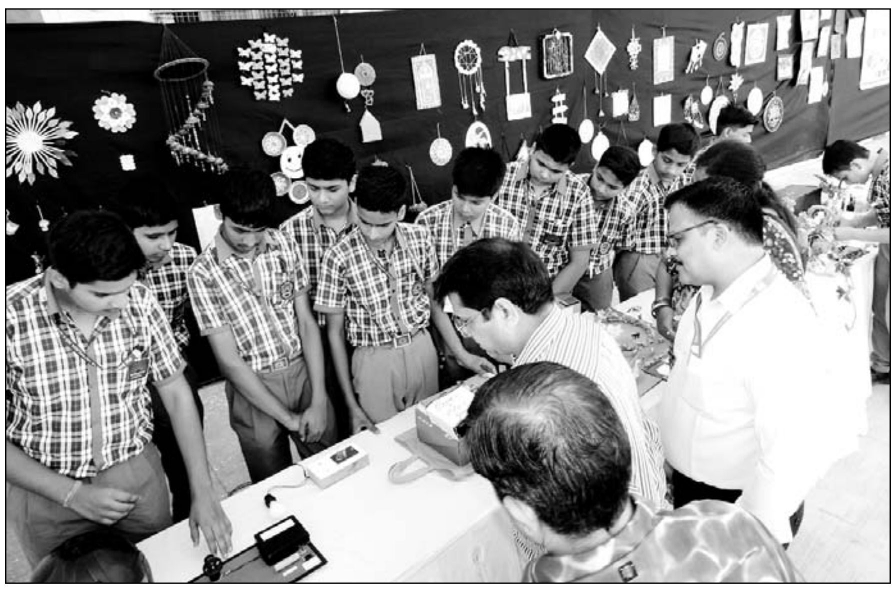

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र. 1 वायुसेना जोधपुर में चित्रकला एवं हस्तकला प्रदर्शनी लगाई।

जोधपुर ,(का.सं.)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र. 1 वायुसेना जोधपुर में चित्रकला एवं हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यातिथि डॉक्टर नितिन राजवंशी, प्रधानाचार्य, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि, सुगंधाबावा,व्याख्याता राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा भारतीय संस्कृति, प्रकृति एवं पर्यावरण पर बनाई गई अनेक प्रकार की कृतियां प्रदर्शित की गई।

हस्तकला प्रदर्शनी के अंतर्गत दैनिक जीवन में विज्ञान ,कला एवं परंपरागत कौशल को प्रदर्शित करने वाले मॉडल्स प्रस्तुत किए गए । चित्रकला प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग से कृष्णा हेमावत प्रथम, प्राची जानी द्वितीय, व अमन मीणा तृतीय स्थान पर रहे । वरिष्ठ वर्ग से त्रिष्णा महापात्रा प्रथम, अस्मिता मीणा द्वितीय, मनस्था मीना तृतीय स्थान पर रहे । हस्तकला प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग से चेतन कुमावत प्रथम, रिद्धि द्वितीय, कार्तिक तृतीय स्थान पर रहे । वरिष्ठ वर्ग से विष्णु टाडा प्रथम, राघव लोहार द्वितीय तथा मोनिका बिश्नोई द्वितीय, सूर्यांश तृतीय स्थान पर रहे ।

इस प्रदर्शनी के संयोजक रामानंद शर्मा,कला शिक्षक एवं जगदीश कुमार लोहार,कार्यानुभव शिक्षक थे । विद्यालय के उप प्राचार्य मूल सिंह शेखावत ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बी.जे.एस. के दुर्गा मंदिर से भेंट पात्र चोरी

जोधपुर, (कासं) । बीजेएस कॉलोनी क्षेत्र में आए दुर्गा मंदिर में चोरों ने सैंध लगाकर वहां से भेंट पात्र को चुरा लिया। भेंट पात्र में हजारों की नगदी बताई गई है। पुलिस नकबजन का पता लगाने का प्रयास कर रही है। गुलाब नगर बी निवासी प्रदीप वैष्णव पुत्र रमेश कुमार वैष्णव ने पुलिस को बताया कि 27 अप्रेल की रात्रि के समय बीजेएस कॉलोनी में स्थित दुर्गा माता का मंदिर में लगे भेंटपात्र को अज्ञात नकबजन तोडक़र चुराकर ले गया। भेंट पात्र में हजारों रूपए की नगदी थी। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से नकबजन का पता लगाने में जुटी है।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.05.2024 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
पाली, मानडिया रोड, 115370700021596,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

हज टीकाकरण के बैनर व पोस्टर का विमोचन

बाड़मेर, (नि.सं.)। हज सफर 2024 टीकाकरण के बैनर व पोस्टर का विमोचन जामा मस्जिद के सम्मुख मुस्लिम इंतजामिया कमेटी के पूर्व सदर व पार्षद हाजी दीन मोहम्मद ठेकेदार, पूर्व नायब सदर मोहम्मद रफीक कुरेशी, तेलियान अंजुमन कमेटी के पूर्व सदर मोहम्मद रफीक तेली, हाजी सफी मोहम्मद गौरी, हज सेवक बच्चू खान कुम्हार व थार मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी के संयोजक अबरार मोहम्मद द्वारा किया गया। आयोजन जिला हज कमेटी बाड़मेर द्वारा मुस्लिम इंतजामिया कमेटी व थार मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से किया जायेगा।

हज सेवक बच्चू खान कुम्हार ने बताया कि मंगलवार को स्थानीय मुस्लिम मुसाफिर खाना बाड़मेर में बाड़मेर शहर सहित आस पास इलाके के हज जायरीनों का टीकाकरण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कर स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। वहीं जिले के गागरिया व बालोतरा में दो मई को हज यात्रियों का टीकाकरण किया जायेगा।

थार मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी के संयोजक अबरार मोहम्मद ने बताया कि हज सफर 2024 टीकाकरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव मित्तल, अध्यक्षता जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना हाजी लाल मोहम्मद सिद्दीकी व विशिष्ठ अतिथि जिला औषध भंडार के प्रभारी डा जावेद खान, डा भरत सहारण व मुस्लिम इंतजामिया कमेटी के निवर्तमान सदर मोहम्मद मंजूर कुरेशी सहित शहर के अन्य अधिकारीगण होंगे। मिस्त्री इलमदीन कुरेशी, खजांची इलियास भाई तेली आदि मौजूद थे।

मामाजी का ऊण में किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता हुई

जालोर में जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला किक बॉक्सिंग संघ व स्वर्णागिरी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में केडिट, जूनियर व सीनियर जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता मामाजी का ऊण में स्वर्णागिरी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के प्रशिक्षण केंद्र पर हुई।

जिला किक बॉक्सिंग संघ के कोषाध्यक्ष सुरेश शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कई खिलाडयिों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया इस प्रतियोगिता के परिणाम में केडिट 7,8,9 आयु वर्ग में पॉइंट फाईट में 27 किलोग्राम भार वर्ग में धैर्यवीर सिंह गुर्जर प्रथम, 30 किलोग्राम भार वर्ग में छायांक गर्ग प्रथम, 10, 11, 12 आयु वर्ग में लाइट कांटेक्ट 24 किलोग्राम भार वर्ग में परमजीत सिंह प्रथम, ध्रुव द्वितीय, लॉ किक 32 किलोग्राम भार वर्ग में विराट शर्मा प्रथम, पॉइंट फाइट 37 किलो भार वर्ग में अरुण सांखला प्रथम, इसी प्रकार से 13, 14 ,15 किक लाइट 32 किलोग्राम भार वर्ग में अभिजीत प्रथम, चिराग द्वितीय , लाइट कांटेक्ट 32 किलोग्राम भार वर्ग में तुषार प्रजापत प्रथम, महावीर सिंह द्वितीय, पॉइंट फाइट 37 किलोग्राम भार वर्ग में यशवीर सिंह प्रथम, मोहित चौधरी द्वितीय, लॉ किक 42 किलो भार वर्ग में अतुल प्रथम, मोहित धाकड द्वितीय,बालिक वर्ग लॉ किक 46 किलो भार वर्ग में खुशी शर्मा प्रथम, प्राची द्वितीय इसी प्रकार से 16, 17, 18 आयु वर्ग में लॉ किक 42 किलो भार वर्ग में भैरूपाल प्रथम, 45 किलोग्राम भार वर्ग में प्रकाश कुमार प्रथम, रुद्र प्रतापसिंह द्वितीय, 51 किलो भार वर्ग में उत्तम प्रथम, फुल कांटेक्ट 67 किलो भार वर्ग में इशांत राणा प्रथम, फुल कॉन्टैक्ट बालिका वर्ग में 40 किलो ग्राम भार वर्ग में दीपिका प्रथम, 52 किलो भार में हर्षिता प्रथम, नैना टाक द्वितीय, 19 आयु वर्ग लॉ किक 51 किलोग्राम भार वर्ग मुकेश कुमार राणा प्रथम रहे। प्रतियोगिता के सभी विजेता खिलाडी सीकर में आयोजित 3 से 5 मई तक राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जालोर का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में भगत सिंह स्पोर्ट्स अकेडमी, विद्या भारती स्पोर्ट्स अकेडमी, स्वर्णागिरी स्पोर्ट्स फाउंडेशन के बालक बालिका ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक ओमप्रकाश गर्ग, शैलेश लोधी, हितेश कुमार, विकास जावा, भावेश कुमार रहे । प्रतियोगिता को पुष्पेंद्र परमार के निर्देशन में सम्पन्न किया गया। प्रतियोगिता में भागीरथ गर्ग, अर्जुन सिंह सिंदल, ओमप्रकाश परमार, भंवर प्रजापत, गजेंद्र सिंह राजपुरोहित, लोकेश राणा, शंकर दर्जी सहित कई जने उपस्थित रहे।

प्रान्तीय परिषद् की बैठक में जालोर शाखा का सम्मान

जालोर, (कासं)। भारत विकास परिषद् राजस्थान पश्चिम प्रांत की प्रथम प्रांतीय परिषद् की बैठक एवं दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन सुमेरपुर में परिषद् की सुमेरपुर-शिवगंज शाखा के आतिथ्य में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम व विशिष्ट अतिथि के बतौर पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत उपस्थित थे।

जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद् के क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव

■ **बैठक एवं दायित्व ग्रहण समारोह का आयोजन सुमेरपुर में हुआ**

विनोद आढा ने की ।प्रान्तीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद शर्मा सहित प्रान्तीय कार्यकारिणी पदाधिकारियों सहित प्रान्त की 22शाखाओं से 110 दायित्वधारियों ने इस आयोजन में भाग लिया।

इस बैठक में जालोर शाखा से प्रान्तीय उपाध्यक्ष(सेवा) पदमाराम चौधरी, शाखा अध्यक्ष राजेंद्र भूतडा, जिला समन्वयक मदनलाल माली, सचिव संतोष कुमार दवे, जिला महिला संयोजक मधु शेखावत व कोषाध्यक्ष शंकर लाल सोलंकी उपस्थित हुए।

बैठक के दौरान प्रांत की विभिन्न शाखाओं का समर्पित सेवा और संस्कार सृजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्यो के लिए सम्मान किया गया।

इस दौरान जालोर शाखा द्वारा भारत विकास परिषद् के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की पूर्ति के लिए वर्ष 2023-24 में विभिन्न क्षेत्रों – बेटी बचाओ-बेटी पढाओ, महिला सहभागिता, नियमित योग शिविर, प्रेरक दिवसों पर सर्वाधिक आयोजन एवं उल्लेखनीय सदस्यता वृद्धि कर समर्पित भाव से उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने पर कार्यक्रम में मौजूद अतिथियो ने शाखा से आए पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति प्रदान कर सम्मानित किया ।

कार्यक्रम में परिषद् के क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव विनोद आढा ने प्रान्तीय पदाधिकारियों को दायित्व की शपथ दिलायी।

जालोर से प्रान्तीय उपाध्यक्ष (सेवा) पदमाराम चौधरी, जिला समन्वयक मदनलाल माली व जिला महिला संयोजक मधु शेखावत ने अपने दायित्व की शपथ ली ।

साथ ही परिषद् के केन्द्रीय जन कल्याण कोष में प्राकृतिक आपदाओं एवं सेवा कार्यो के लिये 11- 11 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग देने पर जालोर शाखा से प्रान्तीय उपाध्यक्ष पदमाराम चौधरी, शाखा अध्यक्ष राजेन्द्र भूतडा, सचिव संतोषकुमार दवे व कोषाध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी का मंच से सम्मान कर उन्हें विकास मित्र के रूप में नवाजा गया।

पशु मेला आज से

सांचौर, (निसं)। पंचायत समिति सांचौर के तत्वावधान में माखुपुरा में बाबा रघुनाथपुरी विराट पशु मेला 30 अप्रेल से 6 मई तक होगा। मेला अधिकारी बीडीओ, भंवरलाल जाखड ने जानकारी दी।

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता को सूचित करने और आपत्तियां, यदि कोई हो, को प्रस्तुत करने के लिए है कि हमारे क्लाइंट ओरिक मोटर्स प्राईवेट लिमिटेड (पूर्व में ऑडी मोटर्स प्राईवेट लिमिटेड के रूप में ज्ञात) (**''स्वामी''**), जिसका पंजीकृत कार्यालय ए-४५, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, पिनकोड-११००४८ है, से प्लाट संख्या ६/ए, जो कि सरस्वती नगर, डिस्ट्रिक्ट शॉपिंग सेंटर (जोधपुर विकास प्राधिकरण की स्कीम), न्यू पाली रोड, जोधपुर, राजस्थान, पिनकोड- ३४२००५ (**''सम्पत्ति''**) में स्थित है, और जिसकी माप १५७८.१३ वर्ग मीटर यानी १६९८६.९९ वर्ग फुट है, के उनके सभी अधिकार, स्वत्वाधिकार तथा हित सहित खरीदने का इरादा रखते हैं, और उस जमीन का अभिविन्यास निम्मानुसार है:

पूर्व में: प्लॉट संख्या ६/बी द्वारा;
पश्चिम में: ६० फुट चौड़ी रोड द्वारा;
उत्तर में: प्लॉट नम्बर ५ द्वारा;
दक्षिण में: ४० फुट चौड़ी रोड द्वारा;

कोई व्यक्ति या इकाई(यां) जिनमें सरकारी/सार्वजनिक विभाग, बैंक या वित्तीय संस्थान आदि शामिल हैं, द्वारा यदि उपरोक्त सम्पत्ति या इसके किसी भाग के संबंध में, किसी भी प्रकृति के किसी हिस्से, अधिकार, स्वत्वधिकार, दावे और/या हित और/या किसी समझौते, विक्रय, अंतरण, समुदेशन, सम्पत्ति के संबंध में कोई लंबित दावा, पारिवारिक व्यवस्था, निपटान, पट्टा, उप-पट्टा, विनिमय, किराएदारी, उप-किराएदारी, लाईसेंस, रेहन, उत्तराधिकार, वसीयत, उपहार, बंधक, अधिभार, आउटगोइन्स, रखरखाव, सुखभोग, ट्रस्ट, कब्जा, विकास अधिकार, मार्ग का अधिकार, आरक्षण, अनुबंध या शर्त, भार, कब्जा, पूर्व-खरीद, डिक्री या किसी न्यायालय का आदेश, साझेदारी, सरकार या किसी इकाई द्वारा अधिग्रहण, प्रतिबंध या सम्पत्ति के संबंध में कोई बाधा, या उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भाग के संबंध में उपरोक्त के द्वारा या उनके अंतर्गत कोई अधिकार, स्वत्वाधिकार, दावा और/या हित है या किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति(यां) हैं, तो उनको एततद्वारा अधोहस्ताक्षरी को इस सूचना के प्रकाशन के चौदह (१४) दिनों के भीतर समर्थक दस्तावेज़ों के साथ लिखित में प्रस्तुत करना अपेक्षित है, और ऐसा करने में विफल रहने पर, यह स्वीकार कर लिया जाएगा कि किसी का भी उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भाग के संबंध में कोई हिस्सा, अधिकार, स्वत्वाधिकार, दावा और/या हित नहीं है। यहां उल्लिखित तरीके से लिखित में न किए गए किसी दावे को छोड़ा गया या त्याग किया गया माना जाएगा तथा वह दावा किसी भी रूप में अधोहस्ताक्षरी या उनके उत्तरजीवियों/ नामिति/समनुदेशिती द्वारा उक्त सम्पत्ति को खरीदने के लिए बाध्य नहीं होगा तथा इसके बाद किसी भी व्यक्ति द्वारा किया गया किसी भी प्रकार का दावा स्वीकार्य नहीं होगा और/या उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

दिनांक: ३० अप्रैल, २०२४

श्री जतिन कुमार, अधिवक्ता
कृते राजेश गोयल एंड क.
एससीओ ८३३, लेवल १,
एनएसी मनीमाजरा, सेक्टर १३,
मध्य मार्ग, चंडीगढ़।
पिन कोड १६० १०१

किन्नर के साथ हैवानियत, प्राईवेट पार्ट में लकड़ी डालकर पटका

गंभीर हालत में किन्नर को सीकर रैफर किया गया, पीड़ित किन्नर जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर का रहने वाला है

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महरौली के पास में सुबह एक नग्न अवस्था में लहूलुहान स्थिति में तथा प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डली अवस्था में महिला (किन्नर) के मिलने के बाद हड़कंप मच गया। मामले में पुलिस ने तत्परता के साथ घायल पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया और प्राइवेट पार्ट से लकड़ी निकाल चिकित्सकों ने ईलाज के लिए हायर सेंटर सीकर के लिए रैफर करवाया। मामले में दोपहर को नया मोड़ सामने आ गया। होश में आने बाद अस्पताल में पीड़िता ने पर्चा बयान में अपने आपको किन्नर बताया। थानाधिकारी जयसिंह बसेरा ने बताया कि महरौली में अरनिया-मूंडरु रोड पर एक जोहड़ में सुबह ट्रांसपोर्ट नगर (जयपुर) का रहने वाला किन्नर बेहोशी की हालत में मिला। जिसके गुप्तांग और चेहरे समेत शरीर पर गहरे चोटों के निशान थे। ग्रामीणों की सूचना पर घायल किन्नर को सीएचसी में भर्ती कराया।

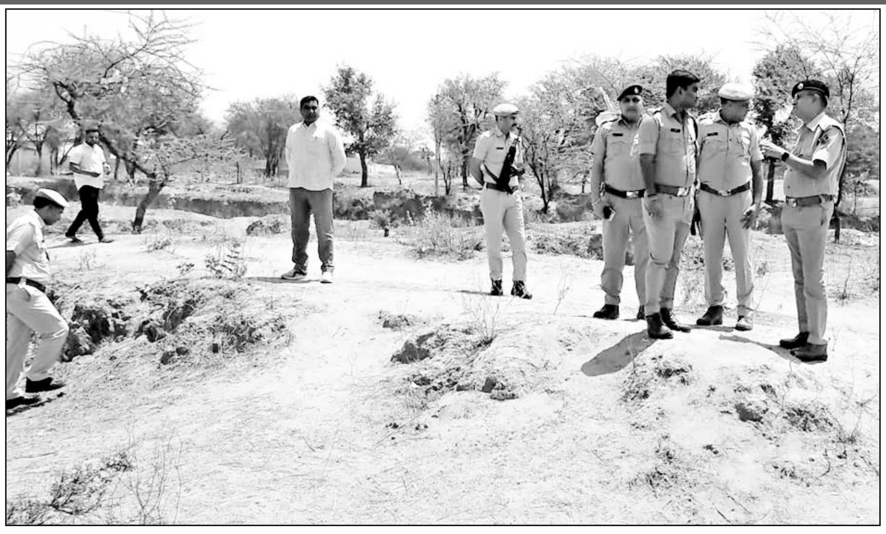

घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया।

- **पुलिस ने घटना को गंभीरता से लिया और कहा कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही दुष्कर्म की पुष्टि होगी**
- **'महरौली के रहने वाले युवक के साथ प्रेम-प्रसंग और रुपयों का लेनदेन था, बयानों के आधार पर महरौली के पास रहने वाले सचिन बलाई को पुलिस ने राउंडअप किया है'**

सीएचसी के डॉ. निर्मल शर्मा ने बताया कि किन्नर को हॉस्पिटल में बेहोशी की हालत में लाया गया था। उसके गुप्तांग में लकड़ी भी मिली है। हॉस्पिटल में लाने के समय पर वह कुछ बताने की स्थिति में नहीं था। जिसे गंभीर हालत में हायर सेंटर सीकर के लिए रैफर किया गया। नीमकाथाना एएसपी गिरधारीलाल लाल शर्मा ने बताया कि पीड़ित किन्नर जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर का रहने वाला है।

डिप्टी उमेश गुप्ता ने बताया कि किन्नर ने ईलाज के दौरान बयान दिया कि वह कल जयपर से महरोली पहुंचा था और लेनदेन के मामले को रांउडअप किए युवक और परिजनों के साथ झगड़ा हुआ था और किन्नर ने बताया कि उसके परिजनों तथा लड़के ने मारपीट की। रात्रि में उसके साथ दुष्कर्म किया और मारपीट कर पटककर चले गए। फिलहाल पुलिस का कहना है कि दुष्कर्म होने की घटना का पता तो मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। फिलहाल मौके पर अस्पताल ड्यूटी ऑफिसर किन्नर के बयान ले रहे हैं। इधर पुलिस रांउडअप किए युवक से पूछताछ कर रही है। पुलिस द्वारा राउंडअप किया गया युवक महरौली निवासी शादी का झांसा देकर किन्नर से अब तक लाखों रुपए ऐंठ चुका है। इस संबंध में चार महीने पहले जयपुर के सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज कराया गया था।

डिप्टी उमेश गुप्ता ने बताया कि घायल किन्नर ने होश में आने के बाद बताया है कि महरौली के रहने वाले युवक के साथ प्रेम प्रसंग और रुपयों का लेनदेन था। इसी को लेकर पूरा घटनाक्रम हुआ है। बयानों के आधार पर महरौली के पास रहने वाले सचिन बलाई को पुलिस ने राउंड अप किया है। किन्नर ने दर्ज बयानों में बताया कि सचिन ने शादी का झांसा देकर करीब 8 लाख रुपए ऐंठ लिए और शादी करने से मना कर रहा है। रुपए वापस लेने के लिए महरौली में सचिन के घर गई थी। कहासुनी के बाद आरोपी और उसके परिजनों ने मिलकर मारपीट की। इसके बाद सचिन ने मेरे साथ दुष्कर्म किया और बेहोशी की हालत में फेंक दिया।

डिप्टी उमेश गुप्ता ने बताया कि थानाधिकारी जयसिंह बसेरा को दिशा-निर्देश देकर घटना स्थल का बारीकी से निरिक्षण करने को कहा। इस पर निरिक्षण के दौरान किन्नर की स्वयं की निशानदेही पर घटनास्थल से कुछ दूरी पर पुलिस को मोबाइल फोन व एक चैन तथा एक अंगूठी मिली। जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया। इधर किन्नर ने अस्पताल में मौजूद पुलिसकर्मी को बयान दिया कि कहा परिजनों तथा युवक ने मारपीट की और रात्रि में उसके साथ दुष्कर्म कर हैवानियत कर उसे बेहोशी की हालत में पटकर चला गया। वहीं शादी का झांसा देकर लाखों रूपये एंठने का भी आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार युवक सचिन जो कि करीब दो साल से सिंधी कैंप पर प्राइवेट ट्रेवल्स के काउंटर पर टिकट काटने का काम रहा था। इस दौरान करीब एक साल पहले किन्नर और सचिन की मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच रुपयों का लेनदेन भी हुआ। वहीं किन्नर ने सचिन को आईफोन भी दिलवाया था। करीब चार महीने पहले सचिन की सगाई होने के बाद किन्नर से दूरी बनाना शुरू कर दिया। इसके बाद 9 जनवरी को किन्नर ने सचिन के खिलाफ शादी का झांसा देकर आठ लाख रुपए ऐंठने का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। किन्नर ने 9 जनवरी को सिंधी कैंप थाने में आरोपी सचिन के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया गया कि सचिन से रेलवे स्टेशन पर मई 2023 में मुलाकात हुई थी। प्यार का झांसा देकर आईफोन, मां का ऑपरेशन करवाने, सट्टे में पैसे हारने के बहानों से अलग-अलग बार में आठ लाख रुपए ले लिए। इसके बाद माता-पिता से बात करने का बहाना बनाकर शादी करने से ये कहते हुए मना कर दिया कि माता-पिता राजी नहीं है। किन्नर ने रिपोर्ट में बताया कि 8 जनवरी आरोपी सचिन को फोन कर दिए हुए रुपए वापस मांगे थे। इस पर सचिन ने रुपए लौटाने से मना कर दिया और जान से मारने की धमकी दी।

घटना के बाद नीमकाथाना एसपी प्रवीण नायक नुनावत, एडिशनल एसपी गिरधारीलाल शर्मा डिप्टी अजितगढ़ उमेश गुप्ता, थानाधिकारी अजीतगढ़ मुकेश सेपट, थानाधिकारी श्रीमाधोपुर जयसिंह बसेरा पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

श्रीगंगानगर में करोना की दस्तक, आठ रोगी पॉजीटिव मिले

पिछले 28 दिनों में करोना पॉजीटिव रोगियों की संख्या चौदह हो गई है

श्रीगंगानगर, (निसं)। पिछले दो दिनों में जिला मुख्यालय पर राजकीय जिला चिकित्सालय में दो महिलाओं समेत आठ रोगी करोना पॉजीटिव पाए गए है। लगातार खांसी ठीक नहीं होने पर पिछले अड़तालीस घंटे में 36 रोगियों की कोविड जांच कराई गई तो यह खुलासा हुआ। करोना पॉजीटिव में एक बालक और दो महिलाएं भी शामिल है। कुल आठ में से तीन रोगी तो पुरानी आबादी क्षेत्र के है।

वहीं सादुलशहर क्षेत्र गांव थांदेवाला का एक, सादुलशहर वार्ड 14 का एक, कालूवाला चक का एक, जिला मुख्यालय पर गणगौरनगर का एक और सूरतगढ़ क्षेत्र ढाबां झल्लार का एक रोगी भी करोना की चपेट में आया है। पिछले चार महीने के बाद कोरोना पॉजीटिव रोगी मिले है। इस साल में अब तक 17 रोगी करोना पॉजीटिव आ आए है, इसमें से अप्रेल माह में ही चौदह रोगी शामिल है। हालांकि जिला चिकित्सालय में इन रोगियों को भर्ती की बजाय कोविड प्रोटोकॉल के तहत होम आइसोलेट किया गया है।

राजकीय जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक मोंगा का कहना है कि इससे किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। लगातार खांसी या निमोनिया रोगियों में करोना के संक्रमण पाए जा सकते हैं। वहीं जिला चिकित्सालय के उपनियंत्रक डॉ. बृजेश महावर का कहना है कि लोगों को पैनिक होने की जरूरत नहीं हैं।

विदित रहे कि पिछले साल कोविड-19 के नए मामले केरल में मिले थे, केरल में तीन रोगियों की मौत के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकार ने कोविड संक्रमण के संबंध में एडवाइजरी भी जारी की थी। चिकित्सकों की माने तो लगातार खांसी होने या निमोनिया की चपेट में आए रोगियों में करोना संक्रमण सक्रिय की आशंका बनी रहती है। जिन रोगियों के लगातार उपचार के बावजूद खांसी ठीक नहीं हो रही है तो उन्हें करोना जांच कराई जा रही है। जिला चिकित्सालय में कोरोना लैब में इन दिनों औसतन दस से पन्द्रह रोगियों की कोविड जांच हो रही है। इस साल एक जनवरी से लेकर एक अप्रेल तक सिर्फ तीन रोगी सामने आए थे लेकिन पिछले 28 दिनों में करोना पॉजीटिव रोगियों की संख्या चौदह हो गई है।

मृत अवस्था में पड़ा मिला तेंदुआ

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के सेमारी थाना क्षेत्र के नलाफला घोडासर रोड पर रविवार को एक वयस्क तेंदुआ मृत अवस्था में पड़ा मिला। तेंदुआ की दांयी आंख बाहर निकली हुई थी। सिर और पेट पर चोट के निशान मिले और पीछे के हिस्से से खून बह रहा था। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से लेपर्ड की मौत हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर वन नाका टोकर के वनपाल करण सिंह और जितेन्द्र सिंह घटना स्थल पहुंचे। वन विभाग के कर्मचारियों ने पंचनामा बनाकर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी। वन विभाग के अनुसार मृत तेंदुए को टोकर स्थित वन विभाग की कुंडाल नर्सरी में ले जाया गया। जहां तीन डॉक्टरों की टीम ने उसका पोस्टमॉर्टम किया। जिसके बाद मृत लेपर्ड का नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया।

नाबालिग छात्रा ने आत्महत्या की

घर से 100 मीटर दूर पेड़ पर लटका मिला शव

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल फला घोघरा गांव में 9 वीं कक्षा की एक छात्रा ने अपने घर के पास आम के पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के देवल फला घोगरा गांव निवासी शर्मिष्ठा पुत्री रमेश चन्द्र ने हाल ही कक्षा 9 की परीक्षा दी थी। रविवार रात को शर्मिष्ठा ने परिवार के लोगों के साथ खाना खाया था और सोने चली गई थी। सोमवार सुबह जब घर वाले उठे तो अपने बिस्तर में नहीं थी। परिजनों ने उसकी तलाश की तो उसका शव घर से 100 मीटर की दूरी पर एक आम के पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। परिजनों ने लोगों की मदद से शव को पेड से नीचे उतारा और इसे लेकर परिजन निजी वाहन से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर सदर थाना पुलिस भी डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंची और शव को अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

सी.बी.आई. जांच की दस्तक मात्र से टोल वसूली नाका हटा

बसोली नाके से रातों-रात बजरी टोल वसूली नाका हटाया

बून्दी, (निसं)। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 52 एवं 148-डी बसोली मोड़ पर स्थित बजरी नाका नेताओं और आमजन के विरोध प्रदर्शन के बावजूद नहीं हट सका, वह बजरी नाका सीबीआई की दस्तक मात्र से ही उठ गया। गौरतलब है कि शनिवार को तालाब गांव में सीबीआई के अधिकारियों द्वारा बजरी के मामले को लेकर दी गई दस्तक के बाद यहां पर बजरी माफियाओं व अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

गत तीन वर्ष से बसोली मोड़ पर राष्ट्रीय राजमार्ग 52 एवं 148-डी दोनों स्थानों पर एक बजरी संवेदक द्वारा तीन वर्ष से लगा रखे बजरी नाके को शनिवार रात को अचानक हटा लिया गया। जबकि यहां पर एक संवेदक द्वारा कांग्रेस शासन से ही बजरी का नाका लगाया गया था, जिसे हटाने के लिए कई आंदोलन हुए। इस बजरी का नाके पर संवेदक के दो दर्जन से अधिक युवा बजरी से भरी प्रत्येक गाड़ी को चेक कर यहां से भिजवाते थे। ऐसे में सुबह देखा तो नाका पूरी तरह हटा दिया गया। यहां पर बन रहे क्वार्टर से चद्दर तक हटा दिए गए, जिससे करीब पांच दर्जन से अधिक युवा भी बेरोजगार हो गए हैं। वहीं जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा जिले के टीकड़ के पास लगा लंबे समय से बजरी नाका भी गत दिनों हटा लिया गया है।

तालाब गांव निवासी जब्बार प्रकरण के बाद बजरी माफियाओं में ऐसा हड़कंप मचा कि सीबीआई की आहट आने के बाद सब माफिया भूमिगत हो गए हैं। नाके पर कार्यरत लोगों का कहना था कि कुछ समय पहले बसोली मोड़ पर स्थित नाके पर 300 से 400 डंपर, ट्रेलर व ट्रक बजरी से भरे निकलते थे। लेकिन इन दिनों बजरी से भरे गिनती के वाहन निकल रहे हैं। उनका कहना है कि अवैध बजरी पर लगाम लगी हुई है। कुछ लोग सवाई माधोपुर के रास्ते से बजरी का व्यापार कर रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि सीबीआई तालाब गांव आने के साथ-साथ बनास व चंबल नदी के क्षेत्र में भी जाकर जांच करें, ताकि वहां पर हो रहे अवैध खनन की पोल नजर आएगी। नदी में जाने के बाद कितनी मात्रा में अवैध खनन हो रहा है, इसकी वस्तु स्थिति का पता लगेगा।

बसोली चौराहे पर स्थित बजरी टोल नाका पिछले वर्ष आंदोलन को लेकर खासा चर्चा में भी रहा था। ग्रामीणों ने कोटा उत्तर के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के नेतृत्व में टोल नाके को अवैध बताते हुए हटाने की मांग को लेकर आंदोलन किया था। यहां तक कि नेशनल हाईवे 52 पर जाम भी लगाया था। तब पुलिस व खनिज विभाग ने टोल नाके को वैध बताते हुए लाठीचार्ज करते हुए विरोध को दबाया था लेकिन अब क्षेत्रवासियों में चर्चा है कि ऐसा क्या हो गया कि संवेदक को नाका बंद करके भागना पड़ा। लोगों में चर्चा आम है कि कहीं सीबीआई के खौफ से तो नाका बंद नहीं हुआ।

हॉस्टल से किशोरी लापता

उदयपुर, (निसं)। क्रिश्चन हॉस्टल में रहते हुए पढ़ने वाली किशोरी के लापता होने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पीड़ित ने बताया कि मेरी पुत्री रानी रोड स्थित क्रिश्चन हॉस्टल में रहती थी एवं कम्प्यूटर कोर्स कर रही थी जो 17 अप्रेल को घर आने के लिए हॉस्टल से रवाना हुई लेकिन आज दिन तक वह नहीं आई। इस पर उसकी तलाश की लेकिन सुराग नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई रणजीतसिंह कर रहे हैं।

छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन का वितरण

वजीरपुर। निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग की आई एम शक्ति उडान योजना के तहत राजकीय कन्या महाविद्यालय, वजीरपुर में छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया। यह जानकारी महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रमेश चंद बैरवा ने दी।

टी.एम.सी. सरकार दे रही गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को बढ़ावा : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में भाजपा प्रत्याशी कबीर शंकर बोस के समर्थन में मारवाड़ी समाज एवं उद्योगपतियों के सम्मेलन को संबोधित किया

पश्चिम बंगाल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि टीएमसी सरकार के कार्यकाल में पश्चिम बंगाल की दुर्दशा हो रही है। यह सरकार गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता देश के विकास के लिए इस लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाएगी और राजस्थान की तरह बंगाल भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बंपर जीत का तोहफा देगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में भाजपा प्रत्याशी कबीर शंकर बोस के समर्थन में मारवाड़ी समाज एवं उद्योगपतियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विगत वर्षों में धारा 370 हटाने, अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर का निर्माण जैसे कई ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में देश के किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए जितना कार्य किया है, आज तक किसी ने भी नहीं किया। हम सब को तीसरी बार भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाकर मोदी को फिर प्रधानमंत्री बनाना है, ताकि गरीब कल्याण की योजनाओं का विस्तार हो तथा देश प्रगति के पथ पर और तेजी से अग्रसर हो। शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि आज पूरा देश भाजपा कार्यकर्ता की तरफ देख रहा है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलायी गई जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें, ताकि इस चुनाव में "अबकी बार 400 पार" का संकल्प साकार हो सके। शर्मा ने श्रीरामपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कबीर शंकर बोस को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल मां काली की धरती है। यहां की माताएं-बहनें ठान लेती है तो दुनिया की कोई ताकत उन्हें नहीं रोक सकती। उन्होंने उम्मीद जतायी कि 4 जून को पश्चिम बंगाल के नतीजे भाजपा के पक्ष में होंगे और पार्टी को यहां 35 से अधिक सीटें मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। उनके इस सपने को साकार करने के लिए हम सब को एकजुट होकर केन्द्र में भाजपा की सरकार बनानी होगी।

फिरौती मांगने के आरोपी को पुलिस ने पैदल घुमाया

गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड लिया

सादुलपुर, (निसं)। शहर के एक व्यापारी को विदेशी एप से 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने तथा परिवार के एक सदस्य की हत्या करने तथा पुलिस को सूचना देने पर फिरौती की राशि डबल 40 लाख रुपए देने की धमकी के आरोप में गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड लिया है। वहीं पुलिस ने आमजन में विश्वास अपराधियों में डर का संदेश देते हुए आरोपी को पुलिस दल के साथ पैदल शहर में घूमते हुए न्यायालय में पेश किया।

- **व्यापारी से विदेशी एप से 20 लाख रुपए की फिरौती मांगी तथा धमकी दी थी**

थानाधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझड़िया ने बताया कि आरोपी सिकंदर खान तेली (28) वार्ड 39 सादुलपूर को शहर की प्रमुख मार्गों से पैदल घूमते हुए न्यायालय पेश किया ताकि आम लोगों में एक मैसेज जाए कि इस प्रकार के अपराधियों से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है तथा आमजन में पुलिस के प्रति लोगों में विश्वास बढ़े तथा कानून के डंडे से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सिकन्दर खान तेली को पुलिस थाने से पुलिस दल के साथ पैदल न्यायालय में पेश किया तथा राजगढ़ थाने से रेलवे स्टेशन, नंद प्लाजा, बस स्टैंड होते हुए न्यायालय में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड लिया है। वहीं जगह-जगह पर आरोपी को देखने के लिए लोग उत्सुक थे। लोगों ने कहा कि अपराधी की कोई लंबी उम्र नहीं होती जाना तो सलाखों के पीछे ही है। बस स्टैंड पर लोगों ने चर्चा करते हुए कहा कि पुलिस ने अच्छा कदम उठाकर अपराधियों में भय पैदा करने के लिए यह कमद उठाकर पुलिस का आम जन में विश्वास का संदेश दिया है।

थाना अधिकारी पुष्पेन्द्र झाझड़िया ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी सिकंदर खान ने बताया कि वार्ड नंबर नौ निवासी मुरारी लाल गोयल के अलावा शहर के एक मेडिकल व्यवसायी सहित कई लोगों को फोन पर धमकी देकर फिरोती की मांग की थी। इसके अलावा अपने आप को साइबर क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर शहर के अनेक लोगों को भी धमकाया था। इस संबंध में थाना अधिकारी पुष्पेन्द्र झाझड़िया ने बताया कि मामले की जांच के चलते आरोपी द्वारा जिन लोगों को धमकी दी गई उनके नाम उजागर अभी नहीं कर सकते हैं, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अजमेर की आनासागर झील में फैली जलकुंभी की दुर्गंध से बीमारी का खतरा बढ़ा

अजमेर, (कासं)। अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील इन दिनों में सबसे खराब दौर से गुजर रही है। शहर की खूबसूरती में चार-चांद लगाने वाली और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही झील को जलकुंभी ने अपनी चपेट में ले रखा है। निगम प्रशासन द्वारा हर स्तर पर जलकुंभी निकालने का काम किया जा रहा है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं जलकुंभी की दुर्गंध से आस-पास की कॉलोनियों सहित अन्य क्षेत्रों में बीमारी का खतरा भी बढ़ रहा है। साथ ही रामप्रसाद घाट के पास डाली जा रही जलकुंभी के पानी से गिर रहे वाहन चालकों की परेशानी को देखते हुए कच्ची नाली बनाकर गंदा पानी नाले में डाला जा रहा है। वहीं नगर निगम द्वारा नई डी-वीडिंग मशीन भी खरीदी गई, पिछले कुछ दिनों में पूरी झील में जलकुंभी फैल गई।

शहर की ऐतिहासिक आनासागर झील में फैली जलकुंभी को नगर निगम द्वारा निकाल कर झील के रामप्रसाद घाट के सामने खाली भूमि पर डाली जा रही है, जिसके कारण जलकुंभी से रिसाव होकर सड़क पर आ रहे पानी से वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आनासागर झील से मशीनों से जलकुंभी निकली जा रही है।

- **निगम प्रशासन द्वारा हर स्तर पर जलकुंभी निकालने का काम किया जा रहा है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है**
- **रामप्रसाद घाट के पास सड़क पर फैल रहे जलकुंभी के पानी के लिए बनाई नाली से लोगों को मिलेगी राहत**

कई बार तो वाहन चालक स्लीप हो रहे हैं, इसी समस्या को लेकर सोमवार को नगर निगम के अधिकारियों ने एक कच्ची नाली बनाकर जलकुंभी के पानी को नाले में छोड़ दिया है, अब यहां से गुजरने वाले लोगों व वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रमुख प्रो. प्रवीण माथुर ने कहा कि जलकुंभी पानी की गुणवत्ता को कम कर देती है। चौपाटी आने वाले पर्यटक झील के बदबूदार पानी से हतोत्साहित हो रहे हैं। वहीं क्रिश्चियन गंज क्षेत्र में सहित आस-पास रहने वाले क्षेत्रवासियों ने बताया कि चौपाटी पर सुबह और शाम सैकड़ों बुजुर्ग और युवा टहलने के लिए आते हैं, लेकिन बदबू के कारण पैदल चलना संभव नहीं हो रहा है। दुर्गंध से बीमारी का भी खतरा बढ़ा है। लोगों इस बात से नाराज हैं कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत भारी भरकम रकम खर्च कर दी गई, लेकिन झील की कोई निगरानी नहीं की गई। आनासागर झील में अभी भी कई नालों का पानी गिर रहा है, जिससे झील में जलकुंभी का फैला अधिक हो रहा है। यदि समस्या ऐसी ही बनी रही तो झील में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से मछलियां भी मर रही है।

नगर निगम प्रशासन द्वारा दो पॉकलेन और दो जेसीबी मशीन जलकुंभी निकालने के काम से हटा कर चारों मशीनें रामप्रसाद घाट और बाडी नदी के पास उतार गई है, जलकुंभी बिखेरने और वहां सफाई के काम में लगी है। इसका असर जलकुंभी निकालने की गति पर पड़ा। निगम ने छह पॉकलेन और चार जेसीबी लगा रखी है। निगम से एक पॉकलेन किराए पर भी ले रखी है। हाल ही में मुंबई से बड़ी डीविडिंग मशीन भी मंगाई है। नई डीविडिंग अकेले करीब पचास डंपर जलकुंभी निकाल रही है।

दूदू कलेक्टर रिश्वत मामले की जांच कर रहे ए.एस.पी. को ए.पी.ओ. किया

- **मामले में एसीबी कार्रवाई की सूचना लीक होने से कलेक्टर को ट्रेप नहीं किया जा सका**
- **वहीं यह भी बताया जा रहा है कि एकल पट्टा मामले में एएसपी सुरेन्द्र सिंह कोर्ट ओ.आई.सी. थे।**

जयपुर। दूदू कलेक्टर के 25 लाख की रिश्वत मांगने की जांच कर रहे एसीबी के एडिशनल एसपी सुरेंद्र सिंह को हटा दिया गया है। राज्य सरकार ने सोमवार को उन्हें एपीओ करने के आदेश जारी कर दिए।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि इस केस में जल्द नया आईओ लगा दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार एसीबी ने एफआईआर में मेंशन किया है कि कलेक्टर को ट्रैप करने की सूचना लीक हुई है।

गौरतलब है कि एसीबी ने दूदू जिला कलेक्टर और पटवारी पर रिश्वत मांगने को लेकर केस दर्ज किया था। परिवादी ने इस संबंध में एसीबी में शिकायत की थी कि दूदू कलेक्टर व पटवारी भूमि कन्वर्जन के नाम पर 25 लाख की डिमांड कर रहे हैं। इस केस में एसीबी ने शुक्रवार देर रात छापा मारा। एसीबी का दावा है कि सत्यापन के दौरान सौदा 15 लाख में तय हुआ था। कलेक्टर ने साढ़े सात लाख रुपए डाक बंगले पर मंगवाए थे, लेकिन रुपयों का इंतजाम नहीं होने पर परिवादी ने समय मांगा।

इस पर कलेक्टर ने सहमति दे दी। इसके बाद एसीबी ने पीसी एक्ट के तहत केस दर्ज कर डाक बंगले, तहसील कार्यालय पर छापा मारा और सर्च में संबंधित दस्तावेज जब्त किए।

एसीबी की एफआईआर में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि सूचना लीक नहीं हुई होती तो कलेक्टर रंगे हाथ पकड़े जाता। एसीबी के अधिकारियों ने इस पैसे का इस्तेमाल क्यों नहीं किया। इस पर कोई भी अधिकारी जवाब देने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में सरकार की ओर से इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एडिशनल एसपी को एपीओ किया गया।

वहीं यह भी बताया जा रहा है कि एकल पट्टा मामले में पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल को क्लीन चिट मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। इस प्रकरण में एएसपी सुरेन्द्र सिंह कोर्ट ओ.आई.सी. थे।

सर्वर डाउन होने के कारण सोमवार को सवाईमानसिंह अस्पताल के धनवंतरि ओ.पी.डी. में लंबी-लंबी कतारें लग गई। इस कारण मरीजों को घंटों इंतजार के बाद पर्ची मिली।

गौरव सिंह, विनोद और गिर्राज शर्मा फिर तीन दिन के रिमांड पर

- **अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओजी जारी करने का मामला**
- **सूत्रों के अनुसार, गौरव सिंह ने स्टेट लेवल कमेटी ही नहीं आईएएस के फर्जी साइन से भी एनओसी जारी की थी।**
- **सोटो की अधिकांश गतिविधियां एसएमएस अस्पताल के बजाए आरयूएचएस में संचालित हो रही थी।**

जयपुर। अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओजी जारी करने के मामले में गिरफ्तार सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह विनोद सिंह और गिर्राज शर्मा को सोमवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर फिर तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

जवाहर सर्किल थाना अधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि मामले में प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह, फोर्टिस हॉस्पिटल के कॉ-ऑडिनेटर विनोद सिंह और गिर्राज शर्मा को सोमवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें पूछताछ के लिए फिर 3 मई तक तीन दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

उधर, इस मामले में रोजाना नए खुलासा से हो रहे है। सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया कि सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह ने स्टेट लेवल कमेटी ही नहीं आईएएस के फर्जी साइन से भी एनओसी जारी की थी। जब यह एनओसी दूसरे राज्य में ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए पहुंची तो एनओसी का फॉर्मेट देखकर वहां चिकित्सक भी चौंक गए। उन चिकित्सकों ने इस बारे एसएमएस प्रशासन को पत्र लिखकर जानकारी दी थी।

वहीं सोटो की अधिकांश गतिविधियां एसएमएस अस्पताल के बजाए आरयूएचएस में संचालित हो रही थी। सूत्रों के अनुसार पिछले साल तत्कालीन स्वास्थ्य सचिव सुधांश पंत ने आपत्ति जताते हुए मामले को लेकर राज्य सरकार को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया कि एसएमएस में मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध है, ऐसे में इसे आरयूएचएस में शिफ्ट कराने का प्लान बनाया जा रहा है। इससे स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन का काम प्रभावित होगा। इसके बाद इस योजना पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने रोक लगा दी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कराया योगाभ्यास

जयपुर। आयुर्वेद हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर लाखना की ओर से रविवार को सांगानेर स्थित दादिया ग्राम पंचायत कार्यालय भवन में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान योग प्रशिक्षक किशनलाल बागड़ा एवं आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉक्टर चंद्रशेखर जैन की ओर से दादीया सेक्टर की आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को योगासन, प्राणायाम के साथ साथ स्वस्थ रहने के गुर सिखाए गए। योग शिविर के दौरान कार्यकर्ताओं को गर्भवती महिलाओं को कराए जाने वाले योग और आसन की जानकारी दी गई। उपस्थित आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को डॉक्टर चंद्रशेखर जैन ने संबोधित किया।

अमित शाह का वीडियो एडिट कर वायरल करने के मामले में एफ.आई.आर. दर्ज कराई

- **भाजपा प्रदेश सोशल मीडिया विभाग की ओर से जयपुर साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है**

जयपुर। भाजपा प्रदेश सोशल मीडिया विभाग की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो में एडिटिंग कर उसे वायरल करने के मामले में जयपुर साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इस दौरान भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और सोशल मीडिया विभाग के सह संयोजक अजय विजयवर्गीय ने रिपोर्ट दी।

भाजपा सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश सह संयोजक अजय विजयवर्गीय ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स और फेसबुक पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का एक वीडिया वायरल किया जा रहा है। यूजर द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के वीडियो को एडिटिंग कर एक जाति समुदाय को उकसाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे लोकसभा चुनावों के दौरान सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ने की संभावनाओं को देखते हुए भाजपा की ओर से यूजर के खिलाफ साइबर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गई है।

भाजपा सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश सह संयोजक अजय विजयवर्गीय ने बताया कि यूजर द्वारा वीडियो में एडिटिंग कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को आरक्षण समाप्त करने वाला बताते हुए इसे वायरल कर दिया। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के सभी वरिष्ठ राजनेताओं ने आरक्षण को लेकर संविधान में किसी भी तरह का बदलाव नहीं करने का आश्वासन दिया है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण और बाबा साहब का अपमान कांग्रेस पार्टी ने किया है। कांग्रेस पार्टी ओबीसी के साथ एसटी-एससी के आरक्षण में से एक समुदाय विशेष के लोगों को आरक्षण देना चाहती है। ऐसे में चुनावों के दौरान आमजन को कांग्रेस पार्टी आरक्षण को लेकर गुमराह कर रही है।

प्रोत्साहन प्रावधानों के बाद नए सिरे से आरंभ होगी तीन ईएल की नीलामी प्रक्रिया

जयपुर, (का.सं.)। स्ट्रेटेजिक और क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देने के लिए निजी क्षेत्र की भी सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जाएगी। भारत सरकार के माइंस मंत्रालय द्वारा इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक प्रावधान संभावित है। इसी को ध्यान में रखते हुए नए प्रावधानों के बाद प्रदेश के दो आरईई और एक पोटाश के ब्लॉकों के एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिए नए सिरे से ई-नीलामी प्रक्रिया आरंभ की जाएगी।

राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में 29 स्ट्रेटेजिक, क्रिटिकल व अन्य मिनरल्स के विपुल भण्डारों को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार के एक्सप्लोरेशन संस्थानों व उपक्रमों के साथ ही देश दुनिया की निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता की एक्सप्लोरेशन कार्य में सक्रिय सहभागिता तय करने के लिए प्रोत्साहित किया जाने का निर्णय किया जा रहा है। इससे इस तरह के मिनरल्स के खोज कार्य में सरकारी के साथ ही निजी क्षेत्र के प्लेयर्स आगे आयेंगे और सरकार द्वारा प्रोत्साहन सहयोग से एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आने के साथ ही गुणवत्ता भी आएगी।

डॉ. सतीश पूनिया आज से हरियाणा प्रवास पर

- **महीनेभर तक हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटों पर करेंगे चुनाव प्रचार**

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रदेश लोकसभा चुनाव प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां 30 अप्रैल से लेकर लगभग महीनेभर तक हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार करेंगे।

सतीश पूनियां 30 अप्रैल को भाजपा प्रदेश कार्यालय रोहतक में आयोजित बैठक में शामिल होंगे, जिसमें वह हरियाणा एवं राजस्थान के जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ संवाद कर विश्व के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के संकल्प के लिये हरियाणा की सभी 10 सीटों पर भाजपा की जीत को लेकर रणनीति पर मंथन करेंगे।

बता दें कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार हरियाणा लोकसभा चुनाव में प्रचार एवं प्रबंधन के लिये हरियाणा प्रदेश इकाई के साथ राजस्थान के तमाम जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी हरियाणा प्रवास पर रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों सतीश पूनियां ने मैराथन दौरे कर राजस्थान की 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार किया था।

अब तक अवैध सामग्री की जब्ती का आंकड़ा 1000 करोड़ रुपये के पार

- **प्रदेश में लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च से अब तक कार्रवाई की**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर अलग-अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में लगभग 1000 करोड़ रूपए की रुपये कीमत की जब्तियां की हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर अलग-अलग एजेंसियां कड़ी निगरानी कर रही हैं। 1 मार्च से अब तक प्रदेश में 982 करोड़ रूपए से अधिक की जब्ती की गयी है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन विभाग के निर्देश पर 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 880 करोड़ रुपये से ज्यादा है। 1 मार्च से अब तक राजस्थान में 5 जिलों में 40-40 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं और नकदी आदि जब्त की गई है।

गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एजेंसियों की ओर से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस वर्ष 1 मार्च से अब तक लगभग 40 करोड़ रुपये नकद, 177.07 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स, 45.82 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की शराब और लगभग 51.39 करोड़ रुपये मूल्य की सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। साथ ही, 666.90 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की अन्य सामग्री तथा लगभग 90 लाख रुपये मूल्य की मुफ्त वितरण की वस्तुएं (फ्रीबीज) भी जब्त की गई हैं। संदिग्ध वस्तुओं के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने वाली कार्यकारी एजेंसियों में राज्य पुलिस, राज्य एक्साइज, नारकोटिक्स विभाग एवं आयकर विभाग प्रमुख हैं। इन जांच एवं निगरानी एजेंसियों और विभागों द्वारा प्रदेश भर में आचार संहिता की अवधि के दौरान कड़ी निगरानी रखी जा रही है और किसी भी संदेहास्पद मामले पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड ने मनाई सातवीं वर्षगांठ

जयपुर। ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में प्रतिष्ठित सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड ने सनराइज रिसोर्ट में अपनी सातवीं सालगिरह मनाई। चेयरमैन मनीष गुप्ता, एमडी विकास जैन इस अवसर पर अपने अभी स्टके होल्डर्स का आभार व्यक्त किया। चेयरमैन मनीष गुप्ता ने बताया कि हाल ही में कंपनी को मार्केट कैपिटल के आधार पर सेबी द्वारा फाइनेंसियल ईयर 23-24 बिज़नेस रेस्पोंसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट में एंड प्लेटफार्म में भारत में नंबर 1 और मैन बोर्ड प्लेटफार्म में 757 पोजीशन हासिल की।

गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2017 में देश के ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजस्थान की सबसे बड़ी सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की स्थापना की। आज आईएनए सोलर राजस्थान ही नहीं अपितु भारतवर्ष में ग्रीन एनर्जी के साथ मेक इन इंडिया पॉलिसी को प्रमोट करने एवं एनर्जी सिक्योरिटी में अहम भूमिका निभा रही है। कंपनी देश में 300 से अधिक डीलर्स डिस्ट्रीब्यूटस नेटवर्क, 500 से अधिक सक्सेसफुल प्रोजेक्ट्स, 10000 से अधिक सेटिस्फाइड कस्टमर्स, देश के 100 जिलों में कंपनी की मौजूदगी, इनोवेशन, आमजन तक पहुंच बढ़ाने का मिशन, बेहतर विजन के दम पर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। एमडी विकास जैन ने बताया कि कंपनी की जयपुर में वर्ल्ड क्लास आधुनिक सुविधाओंयुक्त दोनों इकाइयों की संयुक्त उत्पादन क्षमता सालाना 950 मेगावाट है। आगामी वर्षों में निर्माण क्षमता को 3000 मेगावाट तक बढ़ाने, 1200 मेगावाट सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग की यूनिट लगाने की योजना है। आईएनए सोलर विभिन्न आकारों में उच्च दक्षता के सोलर पैनल, बैटरी और इनवर्टर के निर्माण का व्यवसाय करती हैं। कंपनी शीघ्र टॉप कोन सोलर पैनल का निर्माण शुरू कर देगी जिससे की आईएनए सोलर ब्रांड के मिनीमम से लेकर 600 वाट तक के सोलर पैनल बाजार में उपलब्ध हो सकेंगे।

अवैध हथियारों की धरपकड़ जारी

- **वोटिंग के बाद 8 पिस्तौल, 21 कारतूस पकड़े**
- **राज्य में अब तक 1,394 अवैध हथियार जब्त**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिए आमतौर पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कड़ी चौकसी बरती जा रही है। इस क्रम में मतदान के दो दिन बाद रविवार को राज्य पुलिस ने 8 अवैध हथियारों और 21 कारतूस की बरामदगी की है। राज्य में अब तक 1,394 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में क़ानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रखने का परिणाम है कि राज्य में चुनाव से जुड़ी गतिविधियों के दौरान शांति रही है। पुलिस ने इस अवधि में 2,646 कारतूस, 4,161 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और 7 आईईडी (बम) जब्त किए गए हैं। एक अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री पर छापे की कार्रवाई भी की गई है।

गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए 16 मार्च को आचार संहिता लागू होने के साथ ही निर्वाचन विभाग सहित विभिन्न विभागों की मुस्तैदी के चलते राजस्थान में भयमुक्त, निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित चुनाव करवाने के लिए हर स्तर पर प्रभावी कदम उठाए गए। राज्य पुलिस ने अवैध हथियारों तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़, लाइसेंसी हथियारों को जमा करने तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पाबंद करने की कार्यवाही की।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय की ओर से भारत निर्वाचन आयोग को इस विषय में प्रेषित नवीनतम नियमित रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि के दौरान 1.99 लाख व्यक्तियों को विभिन्न अवांछित गतिविधियों के कारण पाबंद किया गया. कुल 64,089 व्यक्तियों को अपराध प्रक्रिया संहिता की धाराओं 107, 108, 110 एवं 151 आदि के तहत पाबंद किया है। इसी प्रकार, 1,35,316 व्यक्तियों को संहिता की उक्त धाराओं के साथ ही 109 और 116(3) धाराओं के तहत पाबंद किया गया। इस अवधि में 17 लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) सहित अन्य धाराओं में प्रतिबंधित किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश भर में आम सुरक्षा की दृष्टि से कुल 1,62,777 लाइसेंसशुदा हथियारों में से 1,55,666 हथियार विभिन्न पुलिस थानों में जमा करवाए गए हैं. कुल 1,743 हथियार लाइसेंस निरस्त किए गए हैं तथा 51 लाइसेंसी हथियारों को जब्त किया गया है।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस को मिला 38238 करोड़ का न्यू बिजनेस प्रीमियम

जयपुर । देश की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान 38 हजार 238 करोड़ रुपये का न्यू बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया, जबकि 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान यह 29,589 करोड़ रुपये था। पिछले वर्ष की तुलना में सिंगल प्रीमियम में 44 फीसदी की वृद्धि हुई है।

सुरक्षा पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए, एसबीआई लाइफ का न्यू बिजनेस प्रीमियम 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए 4,165 करोड़ रुपये रहा, जो 15 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू

जयपुर । ब्राह्मण समाज के आराध्य देव भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव अक्षय तृतीया 10 मई को विद्याधर नगर के भगवान परशुराम सर्किल से शाम छह बजे सप्तम ध्वज शोभायात्रा निकाली जाएगी।

71 लाख की लूट मामले में एक और बदमाश गिरफ्तार

- **सीकर के ग्राम विकास अधिकारी से गत दिनों हुई 71 लाख की लूट के मामले में पुलिस अब तक 7 बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी**

जयपुर । मुहाना थाना पुलिस ने 23 अप्रैल की शाम को सीकर के ग्राम विकास अधिकारी देवेन्द्र जांगिड़ से 71 लाख रुपये की लूट मामले में फरार चल रहे पच्चीस हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने 23 अप्रैल की शाम को सीकर के ग्राम विकास अधिकारी देवेन्द्र जांगिड़ से 71 लाख रुपये की लूट मामले में फरार पच्चीस हजार रुपये के इनामी आरोपी बसराम उर्फ विश्राम निवासी पचेवर जिला टोंक को बापर्दा गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि 71 लाख लूट मामले में मुख्य आरोपी धाबास निवासी रवि पंडित,मुकेश सामोता और दूदू निवासी सुरेंद्र देवलिया, रामसिंह गोरा निवासी पचेवर जिला टोंक सहित लूटी गई रकम को ठिकाने लगाने में मुंगथला दूदू निवासी गोपाल जाट, सुरेंद्र और बद्रीनारायण को गिरफ्तार किया था।

आई.पी.एल.मैच पर सट्टा लगाते दो बुकी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। आमेर थाना पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते हुए दो बुकी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपयों के हिसाब-किताब की पर्चियां सहित अन्य सामान बरामद किया है। आरोपियों ने सट्टे की खाईवाली की लाइन कहाँ से प्राप्त की है और कौन कौन लोग इसमें शामिल है इसके बारे में पुलिस टीम द्वारा पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त उत्तर राशि डोगरा ने बताया कि आमेर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि थाना इलाके में स्थित मोदी फॉर्म हाउस रोड कूकस से कार में आईपीएल टी-20-20 मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा है।

इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और आईपीएल टी-20-20 मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते ताराप्रकाश टेलर (28) निवासी राम बगीची का मोहल्ला जमवारामगढ निवासी व शुभम सैनी (22) निवासी जमवारामगढ को गिरफ्तार किया।

सरेराह डंडे से पीटा

जयपुर । चित्रकूट इलाके में एक प्राइवेट स्कूल के स्टूडेंट को बेहरमी से डंडे से पीटने का मामला सामने आया है।

निगमों के कर्मचारी सरकारी कर्मचारी नहीं?

- **अदालत ने मामले पर अपना फैसला सुरक्षित किया**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जे.वी.वी.एन.एल.) के कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी नहीं माने जाने वाले और इस संस्था में अपनी सेवाओं के संदर्भ में राजस्थान सिविल सर्विसेज अपीलेट ट्रिब्युनल (रैट) में याचिकाएं दायर करने से बाधित किये जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित किया है।

न्यायाधीश समीर जैन की अदालत में यह मामला के.के.गुप्ता व अन्य बनाम जे.वी.वी.एन.एल. तथा चार अन्य संलग्न मामलों पर सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित किया है। जैसा कि विदित है जे.वी.वी.एन.एल.पूर्णत:सरकारी कंपनी है और अन्य सरकारी निगमों की तरह इसका संचालन भी वरिष्ठ आई.ए.एस. अफसर ही करते हैं।

सात विश्वविद्यालयों में विधायकों के मनोनयन पर सहमति

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सात राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के सिंडिकेट और प्रबन्ध मण्डलों में राज्य सरकार द्वारा विधानसभा सदस्यों के मनोनयन पर सहमति प्रदान कर दी है।

राजस्थान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट में विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, शेखावाटी विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल में खेतडी विधायक धर्मपाल, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के प्रबंध मण्डल में डीग कुम्हेर विधायक शैलेश सिंह व वैर विधायक बहादुर सिंह, गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के प्रबन्ध मण्डल में गढी विधायक कैलाशचन्द्र मीणा व सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रबन्ध मण्डल में डूंगरगढ विधायक ताराचन्द, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्रबन्ध मण्डल में वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी व गोगुन्दा विधायक प्रताप लाल भील, राज ऋषि भर्तहरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर के प्रबन्ध मण्डल में बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत एवं तिजारा विधायक महन्त बालकनाथ के राज्य सरकार द्वारा किये गये मनोनयन पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सहमति प्रदान कर दी है।

जांच शिविर 1 से

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर 1 से 7 मई के मध्य आगार स्तर पर आयोजित किये जाएंगे। निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रेया गुहा ने बताया कि निगम द्वारा राज्य एवं अंतर्राज्यीय परिवहन सेवा का अति महत्वपूर्ण कार्य संपादित किये जाने को दृष्टिगत रखते हुए कार्यरत कार्मिकों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जायेगा। जयपुर जोन में शिविर 1 से 3 मई, भरतपुर जोन में 2 से 4 मई, बीकानेर जोन में 1 से 3 मई, सीकर जोन में 2 से 4 मई, अजमेर जोन में 3 से 5 मई, उदयपुंर जोन में 4 से 6 मई, जोधपुर एवं कोटा जोन में 5 से 7 मई को आयोजित होगे।

के.के.टावर में हो रहे अवैध निर्माण ने बुजुर्ग दुकानदार की जान ली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । झोटवाड़ा स्थित रघुनाथपुरी में मुख्य सड़क पर बने कॉम्पलेक्स "के.के.टावर" में अवैध निर्माण ने बुजुर्ग दुकानदार की जान ले ली।

इस बिल्डिंग में चौथी मंजिल पर छत डालने का काम चल रहा था, तभी दुकानदार त्रिलोकचंद अपनी दुकान खोलने के बाद बोर्ड लगाने बाहर निकला तो शटरिंग में काम आने वाली लकड़ी की प्लेट का बड़ा हिस्सा नीचे उसके सिर पर गिर गया, इससे बुजुर्ग दुकानदार गंभीर घायल हो गया और उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में रोष और उन्होंने अवैध निर्माण को लेकर ग्रेटर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। जानकारी के मुताबिक झोटवाड़ा स्थित रघुनाथपुरी में मुख्य सड़क पर हाल ही में "के.के.टावर" कॉम्पलेक्स बना है। इस कॉम्पलेक्स में कालवाड़ रोड सिंधी कॉलोनी निवासी त्रिलोकचंद (72) की दुकान थी।

वे रविवार सुबह अपनी दुकान खोलने के लिए के.के. टॉवर में आए थे। इसी कॉम्प्लेक्स में चौथी मंजिल पर निर्माण का काम चल रहा था, छत डालने के लिए शटरिंग लगी हुई थी। तभी मजदूरों से शटरिंग में काम आने वाला फंटा गिर गया।

वह सीधे त्रिलोकचंद के सिर पर गिरा। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल त्रिलोकचंद को निजी हॉस्पिटल पहुंचाया।

जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शास्त्री नगर स्थित कावंटिया हॉस्पिटल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान त्रिलोकचंद ने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण हो रहा है।

इसकी शिकायत नगर निगम ग्रेटर में की थी। शिकायत पर निगम की टीम 10 दिन पहले मौके पर आई थी, लेकिन टीम ने यहां कोई कार्रवाई नहीं की।

पुलिस को स्थानीय लोगों ने बताया कि त्रिलोकचंद दुकान खोलने के बाद अपनी दुकान का बोर्ड लगाने बाहर आए थे।

बोर्ड लगाकर जैसे ही वह दुकान के अंदर जाने लगे तभी ये हादसा हो गया।

लोगों का आरोप है कि चौथी मंजिल का काम करने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी ध्यान नहीं रखा गया, जिसके कारण ये हादसा हो गया।

सार-समाचार

सियाणा की माहेश्वरी ओलंपिक खेलेंगी

माहेश्वरी चौहान

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट सियाणा की माहेश्वरी चौहान ने शॉटगान क्वालीफाई पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया। जालोर जिले के सियाणा निवासी माहेश्वरी चौहान ने रविवार को दोहा, कतर में शॉटगन ओलंपिक क्वालीफिकेशन चैंपियनशिप में महिलाओं की स्कीट स्पर्धा में भारत के लिए, 21वीं शूटिंग पेरिस 2024 ओलंपिक में जगह बनाई। माहेश्वरी चौहान के पिता प्रदीपसिंह जालोर के प्रधान रह चुके है। तथा उनके दादा गणपतसिंह सियाणा जिला प्रमुख रहे है। प्रारम्भ से शॉटगन में माहेश्वरी चौहान अव्वल रही है।

टक्कर से दंपती गिरा, तीन जने घायल

जोधपुर, (कासं) । मथुरादास माथुर अस्पताल में अपना चेकअप करवा कर पति संग लौट रही महिला की बाइक को कार चालक ने अपने चपेट में लेकर टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार दंपती सहित एक अन्य महिला घायल हो गए। पति का पैर फ्रेक्चर हो गया। कार नंबर के आधार पर अब एयरपोर्ट थाने में इस बाबत केस दर्ज करवाया गया है। इंद्रा कॉलोनी, एयरपोर्ट थाना क्षेत्र निवासी मंजूदेवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद नायक ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह अपने पति के साथ बाइक पर मथुरादास माथुर अस्पताल गयी थी। वापिस लौट रही थी। बाइक पर उसकी एक परिचित अन्य महिला भी सवार थी। यह लोग जब पांच बत्ती सर्किल रोड पर पहुंचे तब एक कार चालक ने तेजी से निकलते हुए उन्हें टक्कर मार दी। जिससे तीनों गिर कर घायल हो गए। मंजूदेवी और परिचित महिला के चेहरों पर चोट लगी और पति राजेंद्र प्रसाद का दाहिना पैर फ्रेक्चर हो गया। कार के नंबर नोट कर पुलिस को बताए गए है। पुलिस अब कार चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बिशनगढ़ विद्यालय का निरीक्षण

सायला, (निसं)। निकटवर्ती बिशनगढ़ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का सोमवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल परमार ने आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में आरकेएसएमबीके परीक्षा का अवलोकन किया। इस दौरान परीक्षा सुव्यवस्थित संचालित होती पाई गई तथा परीक्षा संबंधी सभी अभिलेखों का अवलोकन किया। सभी अभिलेख व्यवस्थित संधारित पाए गए। साथ ही प्रधानाचार्य सरदारसिंह चारण एवं परीक्षा प्रभारी सोनाराम बाजक से परीक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान नरसिंहदास वैष्णव, हरिसिंह, चंदूलाल, सूजाराम, फूलचंद, शीला वैष्णव, हेमा सोलंकी, नसीम भाटी, ईदू बाला, कंचन, राजेंद्रसिंह, सुरेंद्र कुमार, अचलाराम, उत्तम एवं बद्रीदास वैष्णव मौजूद थे।

आग लगने से नकदी समेत सामान जला

सायला, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के सांगाणा गांव में रविवार की शाम एक खेत में बने छपरे (कच्चा घर) में आग लग गई। घटना के दौरान घर में रखा घरेलू सामान, कैश और ज्वेलरी के साथ जीरे की बोरी भी जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार सांगाणा गांव निवासी सोमाराम भील रविवार को खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान उनके निवास के लिए बनाए रहवासी छपरें में शाम को अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। इससे झोपड़े में रखा घरेलू सामान, कैश, ज्वेलरी और जीरे की बोरी जलकर राख हो गई। आग की लपटें उठती देख मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने टैंकर की सहायता से आग पर काबू पाया, लेकिन जब तक सारा घरेलू सामान जलकर राख हो गया था।

स्कूटी सवार महिला से बैग लूटा

जोधपुर, (कासं) । शहर के जूना खेड़ापति मंदिर से दर्शन कर अपने घर की तरफ लौट रही स्कूटी सवार महिला से बैग की लूट हो गई। बैग में मोबाइल, 5-7 हजार की नगदी और दुकान की चाबियों के साथ दस्तावेज थे। महिला ब्यूटी पार्लर की दुकान चलाती है। इस बारे में प्रतापनगर थाने में पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर अब लुटेरों की तलाश में जुटी है। गिरीराज कॉलोनी सूंथला निवासी सुमन पुत्री रामनिवास सैन की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वह कल शाम को दुकान से निवृत होकर जूना खेड़ापति मंदिर में दर्शन को गई थी। वह वापिस लौट रही थी तब नाईयों की बगेची के निकट उसकी स्कूटी के आगे लटका बैग बाइक पर आए दो बदमाश झपट कर ले गए। उसके बैग में 5-7 हजार की नगदी, दुकान की चाबियां, दस्तावेज और मोबाइल थे। मामले में सुमन ने प्रतापनगर थाने में लूट का प्रकरण दर्ज करवाया है।

दुष्प्रेरित करने के आरोप में पति गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं) । दहेज के लिए पत्नी को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने के आरोप में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार कर लिया। मामला 8 अप्रेल को दर्ज हुआ था। लूणी पुलिस जांच में जुटी है। पीपराली निवासी देदाराम भील की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया गया है कि उसकी पुत्री सीता की शादी दस साल पहले खेताराम के साथ हुई थी। मगर उसका पति और ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। इससे दुखी होकर उसकी पुत्री सीता ने 8 अप्रेल को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मृतका के पिता की तरफ से दहेज एवं आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित किए जाने का केस दर्ज करते हुए अब आरोपी पति खेताराम को गिरफ्तार कर लिया।

तबियत बिगड़न से महिला की मौत

जोधपुर, (कासं) । शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र सांगरिया फांटा स्थित गणेश नगर में रहने वाली एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसकी अचानक से तबीयत बिगडने पर अस्पताल लाया गया था। मामले में बासनी पुलिस ने परिचित की रिपोर्ट दर्ज की है। बासनी पुलिस ने बताया कि मूलत: बारां जिले के छबड़ा स्थित मुंडला हाल सांगरिया गणेश नगर निवासी ज्योति पत्नी दीपक पांचाल को अचानक से तबीयत बिगडने पर अस्पताल लाया गया। उसकी कु छ देर बाद मौत हो गई। इस बारे में अब उसके परिचित खंभपुर झालावाड़ हाल गणेश नगर निवासी राजेंद्र पुत्र कंवरलाल लुहार की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है।

विश्व नृत्य दिवस पर परिचर्चा की

जोधपुर, (कासं) । विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष में शिवम नाट्यालय में सीनियर स्टूडेंट ने अपने गुरु डॉ मंजूषा सक्सेना के साथ भारतीय शास्त्रीय नृत्यों से संबंधित विषयों पर चर्चा की। डॉ मंजूषा ने बताया कि किस तरह भारतीय लोक नृत्य व शास्त्रीय नृत्य हमारे शरीर को मन को संतुलित रखते है। जब एक बच्चा पैदा होता है तो मां की धड़कन की उसे आदत हो जाती है वो उस रिदम को पहचानने लगता है। उसी तरह से हमारा पूरा जीवन नृत्य से,एक रिदम से चल रहा है। छात्राओं ने बड़ी रुचि दिखाते हुए महान कलाकारों के जीवन परिचय को सुना। किस तरह महान कलाकारों ने अपना पूरा जीवन भारतीय कलाओं को बचाने में व बढ़ाने में लगा दिए। छात्राओं ने अपनी गुरु के साथ ताल से ताल मिलाकर कुछ प्रस्तुतियां भी दी।

मजदूर दिवस पर श्रमिकों का अवकाश

जालोर, (कासं)। जिले में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत 1 मई को मजदूर दिवस पर श्रमिकों का अवकाश रहेगा तथा इसकी एवज में 2 मई को श्रमिकों का कार्य दिवस रहेगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक जवाहर चौधरी ने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के निर्देशानुसार 1 मई को मजदूर दिवस पर महात्मा गांधी योजनान्तर्गत श्रमिकों का अवकाश रहेगा तथा इसकी एवज में निकटतम अवकाश दिवस गुरूवार, 2 मई को श्रमिकों का कार्य दिवस रहेगा।

दिन दहाड़े बाइक चोरी

जोधपुर, (कासं) । महामंदिर थाने में दी रिपोर्ट में नागौर जिले के खिंवसर थानान्तर्गत कांटिया निवासी रामपाल पुत्र भंवराराम जाट ने पुलिस को बताया कि वह 27 अप्रेल को पावटा बी रोड युको बैंक के पास आया था। जहां पर खड़ी की उसकी बाइक को अज्ञात वाहन चोर चुराकर ले गया। इसी तरह विवेक विहार थाने में दी रिपोर्ट में मोगड़ाकलां निवासी गणपत पटेल पुत्र भलाराम पटेल ने पुलिस को बताया कि उसकी बाइक घर के बाहर से चोरी हो गई।

भाटेलाई पुरोहितान में पानी की मांग, खाली मटके फोड़े

जोधपुर, (कासं)। ग्राम पंचायत भाटेलाई पुरोहितान में पिछले लंबे समय से पेयजल किल्लत बनी हुई है। यहां बार-बार शिकायत करने के बाद भी पानी की समस्या दूर नहीं हो पाई है।

इसको लेकर आज ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया और जिला कलक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत भाटेलाई पुरोहितान में पिछले 20 वर्षों से पीने के पानी की समस्या बनी हुई है। इस संबंध में ग्रामवासियों ने संबंधित अधिकारियों, जिला कलक्टर एवं जनप्रतिनिधियों को भी अवगत करवाया लेकिन इतने समय बाद भी कोई उचित समाधान नहीं हुआ है।

पहले ग्रामवासी आसपास के गांवों से दो हजार रुपए तक की कीमत देकर पानी के टैंकर मंगवाते थे लेकिन गर्मी के मौसम के कारण इस वक्त आसपास के गांवों में भी पानी की ज्वलन्त समस्या बनी हुई है, इसलिए वहां से भी पानी आना बंद हो गई है। उन्होंने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में करीब 12 हजार की आबादी एवं चार हजार मवेशी है। इनके लिए एक बूंद भी पानी नहीं हैं। तालाब सूख चुके है, नाडी भी खाली हो चुकी है। सरकारी सहायता के नाम पर एक टैंकर पानी आता है, जो क्षेत्र के एक चौथाई पशुओं के लिए भी पूरा नहीं पड़ रहा हैं। ग्राम पंचायत के तुलेसर पुरोहितान में, भाटेलाई पुरोहितान में भाटेलाई चारणान में, मुंडसर, बिरम नगर एवं ढाणियों में पीने के पानी की एक बूंद भी नहीं बची हैं।

पहले ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट के बाहर खाली मटके फोड़कर प्रदर्शन किया। मौके पर सतीश राजपुरोहित, मनोहर सिंह राजपुरोहित, मूलाराम मेघवाल, अरविंद राजपुरोहित, पेमाराम मेघवाल, पुखराज राजपुरोहित, भवानी राम, पूनम सिंह राजपुरोहित, चेनाराम, कैलाश, भोमाराम, दिनेश वैष्णव आदि मौजूद रहे।

पेयजल किल्लत झेल रहे भाटेलाई पुरोहितान के ग्रामीणों ने जोधपुर में रोष जताया।

आदर्श आचार संहिता में छूट के लिए गर्ग ने पत्र भेजा

जालोर, (कासं)। विधानसभा राजस्थान मुख्य सचेतक व विधायक जालोर जोगेश्वर गर्ग ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर को आदर्श आचार संहिता में छूट दिये जाने के संबंध में पत्र भेजा।

पत्र में बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के संबंध में राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर मतदान सम्पन्न हो चुका है। मतगणना 4 जून को होनी प्रस्तावित है। जिसमें लगभग सवा महिना लगने वाला है। इस पूरे कार्यकाल में राजस्थान में आदर्श आचार संहिता लागू रहने वाली है। इसलिए राजस्थान जैसे रेगिस्तानी प्रदेश में पेयजल की आपूर्ति विशेषकर गर्मी के मौसम में एक प्रबल चुनौती होती है। जिन क्षेत्र में सामान्यत: पेयजल संकट नहीं होता है। वहां भी भीषण गर्मी के कारण संकट गहरा जाता है। इस संकट के निवारण के लिए सरकार को तत्काल निर्णय करते हुए नये नलकूप बनाने नये हैण्डपम्प बनाने एवं नई पाईपलाईन डालने जैसे अनेक कार्य जनहित में अत्यंत आवश्यक हो जाते है। लेकिन आदर्श आचार संहिता के कारण अगले आगामी सवा महिने तक यह सब कर पाना सम्भव नहीं होगा। वही गर्मी के मौसम में विद्युत आपूर्ति भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। शहरी क्षेत्र से लेकर सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक भीषण गर्मी में आमजन को पर्याप्त बिजली उपलब्ध होती रहे इस दृष्टि से अनेक बार अनेक स्थान पर नये कार्य करवाना आवश्यक हो जाता है। उसमें भी आदर्श आचार संहिता बाधक बनी रहेगी। इसके अलावा विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश प्रारम्भ होने वाला है। ग्रीष्म अवकाश के दौरान जब विद्यालयों में अध्ययन कार्य पुन: प्रारम्भ होगा। उससे पूर्व विद्यालयों में शिक्षक वर्ग के रिक्त पद भरे जाने सहित अन्य कई काम करवाने होते है। उसमें भी बाधा आयेगी। वही राजस्थान सरकार के अन्य-अन्य विभागों में भी जन समस्याओं के निराकरण के लिए अनेक विकास कार्यों की स्वीकृति / कार्यादेश प्रक्रियाधीन है। उस प्रक्रिया को भी पूरा होने में सवा महिने का अनावश्यक विलम्ब हो जायेगा। इसलिए आदर्श आचार संहिता के समय राजस्थान सरकार के निर्णयों से मतदाता प्रभावित हो ऐसे कार्य वर्जित होते है। लेकिन राजस्थान में दोनों चरणों का चुनाव सम्पन्न हो चुका है। गर्मी के मौसम को देखते हुए जल एवं विद्युत आपूर्ति बहुत अत्यावश्यक सेवा की श्रेणी में आती है। इसके अलावा विकास के कई ऐसे कार्य होते है। जिन्हें किया जाना जनहित में आवश्यक होता है। इसलिए ऐसे कार्यों जिनसे राजस्थान के अलावा अन्य प्रदेशों के मतदाता प्रभावित नहीं होते हो उन कार्यों को किये जाने की छूट प्रदान किया जाना अत्यावश्यक है। ऐसे कार्यों को चिन्हित किया जावे जो कि इस अवधि में किये जा सके एवं आदर्श आचार संहिता में उन कार्यों को किये जाने की छूट प्रदान की जायें।

महिला की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगा

जोधपुर में मथुरादास माथुर अस्पताल में महिला की मौत के बाद परिजनों ने मोर्चरी पर प्रदर्शन किया।

जोधपुर, (कासं) । शहर के मथुरादास माथुर अस्पताल में एक महिला की उपचार के बीच मौत हो गई। महिला को 18 अप्रेल को भर्ती करवाया गया था। परिजन ने एक डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया और अब एम्स अस्पताल में उसका मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने की बात पर अड़े है। फिलहाल महिला का शव मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजन की तरफ से मोर्चरी पर प्रदर्शन भी किया गया।

वाल्मिकी समाज के युवक सत्री ने बताया कि मंडोर स्थित मगजी की घाटी की रहने वाली 23 वर्षीय गुड्डी को गत 18 अप्रेल को तबीयत ठीक नहीं होने पर एमडीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां पर डॉक्टर सुभाष द्वारा उसका उपचार किया जा रहा था। गुड्डी के वॉल का ऑपरेशन होना था, मगर डॉक्टर ने गुड्डी के वाल का ऑपरेशन नहीं करते हुए टालते गए।

परिजन का आरोप है कि डॉक्टर सुभाष ने इलाज के नाम 13-14 हजार रूपए भी ले लिए मगर ऑपरेशन नहीं किया। गुड्डी की इस बीच रविवार को मौत हो गई। डॉक्टर ने एक निजी अस्पताल बुलाकर पहले पांच सौ रूपए फीस ली थी, बाद में ऑपरेशन के नाम पर 13-14 हजार रूपए लिए,। जो गुड्डी की मौत से दो दिन पहले दिए गए थे।

गुड्डी की मौत पर परिजन बिफर गए और उन्होंने आज एमडीएम अस्पताल में प्रदर्शन करने के साथ उसका पोस्टमार्टम भी एम्स अस्पताल में करवाने की मांग रखी। ताकि मौत का कारण पता लग सकें। परिजन इसके लिए आज अस्पताल अधीक्षक से मिलने पहुंचे। फिलहाल मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है।

विवेक विहार के भूखंडों की नीलामी जारी

जोधपुर, (का.सं.)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी के निर्देशानुसार भव्य ई-नीलामी कार्यक्रम माह फरवरी से मई के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं के आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्डों की नीलामी के क्रम में प्राधिकरण ने सोमवार को महत्वकांक्षी विवेक विहार आवासीय योजना सेक्टर एम के 05 भूखण्डों का ई-नीलामी में विक्रय किया गया। प्राधिकरण को भूखण्डों की नीलामी में 38000/-रूपए प्रति वर्गमीटर की उच्चतम बोली दर प्राप्त हुई।

प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा संदीप सान्दू ने बताया कि विवेक विहार आवासीय योजना सेक्टर एम के भू.सं. 571, 588, 604, 605 व 621 के लिए, नियमानुसार धरोहर राशि जमा करवा चुके आवेदकों द्वारा मंगलवार दिनांक 30 अप्रेल को 12:30 बजे तक बोली लगाते हुए ई-नीलामी में भाग लिया जा सकता है। प्रभारी अधिकारी सान्दू ने बताया कि शुक्रवार को ई-नीलामी में प्राधिकरण द्वारा विवेक विहार योजना के सेक्टर डी के 01 भूखण्ड एवं सेक्टर एम के 04 भूखण्डों का विक्रय किया गया। प्राधिकरण द्वारा 01 मई को विवेक विहार योजना सेक्टर एम के भू.सं. 622 एवं सेक्टर एन के भू.सं. 142, 171, 306 व 307 की नीलामी की जाएगी। ई-नीलामी की जानकारी, नियम, शर्तें प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

धींगा गवर मेले में महिला के गले से चेन चोरी

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर शहर में शनिवार की आधी रात को धींगा गवर को मेला भरा गया।

मेले में भीड़ इस कदर रही कि उसे नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। इसी भीड़ में एक महिला लूट की शिकार हो गई। कोई शातिर महिला के गले से साढे तीन तोला वजनी सोने की चेन तोडकर ले गया। इस चेन की अनुमानित कीमत दो लाख से ज्यादा है। इस बारे में अब खांडाफलसा थाने में लूट का प्रकरण दर्ज करवाया गया है। लुटेरे की पहचान के प्रयास चल रहे है।

आमलियों का चौक , जालोरी गेट निवासी विजय सोनी पुत्र भरत सोनी की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया। इसमें बताया कि वह 27 अप्रेल को परिवार सहित धींगा गवर मेले में आया था। वह अपनी माताजी और परिवार के अन्य लोगों के साथ सर्राफा बाजार-जूनी मंडी की तरफ था।

यहां मोड़ पर अत्यधिक भीड़ के बीच में कोई शख्स उसकी माताजी के पहनी सोने की चेन का झपट्टा मार कर ले गया।

भीड़ में बदमाश ओझल हो गया। चेन का वजन तकरीबन तीन से साढे तीन तोला के बीच था। खांडाफलसा पुलिस ने बताया कि इस बारे में अब जांच किए, जाने के साथ सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है।

जैन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया

बाड़मेर जिला कलेक्टर निशांत जैन ने चवा स्थित सी.एच.सी. का निरीक्षण किया। फोटो-राष्ट्रदूत

बाड़मेर,(निसं)। कलेक्टर निशांत जैन ने सोमवार को जिले के चवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने सीएचसी में संचालित ओपीडी की व्यवस्थाएं देखी एवं स्वास्थ्य कर्मियों को वहां आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सीएचसी में स्थित कार्यालय कक्षों का दौरा कर उपस्थिति रजिस्टर देखा तथा नियुक्त सभी कर्मियों को नियमित रूप से आने के लिए दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सीएचसी में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों, नि:शुल्क दवाइयों एवं जांचों के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने इस दौरान वहां आए मरीजों से बातचीत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं के बारे में जाना। जिला कलेक्टर ने सीएचसी के स्वास्थ्य एवं अन्य कार्मिकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्थाएं सुचारू रखने एवं उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सीएचसी में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों के बैठने के लिए उचित व्यवस्था करने के लिए सीएचसी स्टाफ को निर्देशित किया।

बालोतरा नगर परिषद् का निरीक्षण

बालोतरा,(नि.सं.)। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव के निर्देशानुसार सोमवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर नानूराम सैनी ने नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण किया।

अतिरिक्त जिला कलक्टर नानूराम सैनी के आकस्मिक निरीक्षण दौरान उपस्थिति पंजिका की जांच में 04 कार्मिक अनुपस्थित पाये गये। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने अनुपस्थित कार्मिकों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने नगर परिषद में मास्टर प्लान, साफ-सफाई, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, जनकल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्विति सहित विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण कर संबंधित कार्मिकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद कार्यालय में पत्रावलियों का संधारण व्यवस्थित नहीं होने को गंभीरता से लिया एवं सभी कार्य ई-फाइल सिस्टम के माध्यम से करने के निर्देश दिये। ताकि रिकॉर्ड का संधारण व्यवस्थित रूप से हो सके एवं पत्रावली की ट्रेकिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि कामकाज में पारदर्शिता और समय सीमा का ध्यान रखने के लिए ई-फाइलिंग सिस्टम लागू किया गया है।

उन्होंने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, एवं विवाह पंजीयन पंजिका का अवलोकन कर नियत समय पर प्रमाण पत्र जारी करने के लिए कहा। उन्होने कार्यालय में बेतरतीब से रखे रिकार्ड बस्तों को व्यवस्थित रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, अनुपयोगी सामान की नीलामी करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने शहर में नियमित साफ सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होने शहर की साफ सफाई में कार्यरत कार्मिकों द्वारा किये जा रहे सफाई कार्यों का निरीक्षण कर लापरवाही करने वाले कार्मिकों पर कार्यवाही के निर्देश दिए।

सार-समाचार

गौरव बाड़मेरा व हुक्मी देवी अध्यक्ष बने

हुक्मी देवी मण्डोरा

पाली, (नि.सं.)। श्री ब्राह्मण स्वर्णकार समाज के नवयुवक मंडल व महिला मंडल के अध्यक्ष पद के चुनाव आयोजित किये। चुनाव अधिकारी डॉ एल.एन. सोनी ने बताया कि नवयुवक मंडल व महिला मंडल की चुनाव प्रकिया सम्बन्धित गाइडलाइन जारी की। जिसमे में दोनों मंडल के निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कि गए। सह चुनाव अधिकारी अधिवक्ता मुकुल सोनी ने बताया नवनिर्वाचित नवयुवक मंडल अध्यक्ष गौरव बाड़मेरा व महिला मंडल हुक्मी देवी मण्डोरा को प्रशस्ति पत्र देकर समाज हित कार्य करने शपथ दिलाई। चुनाव समिति अधिवक्ता निमेष परिहार, कंवरलाल मंडोरा, शांतिलाल मण्डोरा, वैभव हैडाऊ, अरविन्द बाड़मेरा, ललित महेचा, गोपाल महेचा, रामलाल मंडोरा, दिलिप जालोरा, सुनिल मंडोरा, मनोज महेचा ने चुनाव संपन्न करवाये। इस मौके पर समाज अध्यक्ष रामचन्द्र महेचा , सचिव इंद्रमल मंडोरा , हरीश कश्यप, सुनिल कश्यप मौजूद रहे।

परीक्षा तिथि बदलने की मांग

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट एसोशिएशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया ने राजस्थान उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को एक ज्ञापन देकर सिविल न्यायाधीश सवर्ग सीधी भर्ती प्रतियोगी परीक्षा 2024 एवं राजस्थान सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की परीक्षा तिथि अलग अलग दिनों में रखने की मांग की है। ठोलिया ने ज्ञापन में बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय के परीक्षा विभाग द्वारा सिविल न्यायाधीश सवर्ग सीधी भर्ती प्रतियोगी परीक्षा 2024 की भर्ती निकाली है जिसकी परीक्षा तिथि दिनांक 16.06.2024 निर्धारित की गई है लेकिन उसी दिन राजस्थान सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 की परीक्षा तिथि भी घोषित है । हजारों की संख्या में अधिवक्तागण राजस्थान सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा में भी सम्मिलित होंगे जिससे दोनों परीक्षा एक ही दिन होने से परीक्षार्थी किसी एक ही परीक्षा में बैठ सकेगें एवं उन्हे किसी एक परीक्षा को छोड़ना पडेगा जिससे उनके भविष्य के साथ कुठाराघात होगा। इसलिए किसी एक परीक्षा में आंशिक बदलाव किया जाता है तो इससे सभी परीक्षार्थियों को दोनों परीक्षा में सम्मिलत होने का अवसर मिलेगा एवं किसी अभ्यार्थी का भविष्य खराब नहीं होगा।

विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक हुई

जोधपुर, (कासं)। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, सेना बनाड़ जोधपुर में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। प्राचार्य विष्णु दत्त टेलर ने बताया कि समिति के नामित अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल राहुल जोशी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन व आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा की गई व कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अभिभावक सदस्य श्रीमती तनुश्री चक्रवर्ती, सहयोजित सदस्य अशोक कुमार वर्मा प्राचार्य के. वि. क्रमांक 1 वायुसेना, जोधपुर, अध्यापक प्रतिनिधि सोहन लाल शर्मा व अन्य सदस्य पवन टाक व केशव वरनोती ने भाग लिया। प्राचार्य विष्णु दत्त टेलर ने सचिव सदस्य के रूप में सदस्यों का स्वागत कर विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। नामित अध्यक्ष ने उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना करते हुए टॉय लाइब्रेरी का उद्घाटन कर विद्यालय को समर्पित किया।

सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं) । कमिश्नरेट के जिला पूर्व में एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। घटना 21 अप्रेल आधी रात की है। आरोपी युवती का परिचित था और वह बाहर से जोधपुर आया था। पीड़िता ने इस बारे में रविवार को पुलिस में रिपोर्ट दी। पीड़िता का आज मेडिकल करवाया गया है। सहायक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक युवती की तरफ से केस दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि 21 अप्रेल की रात को उसके गांव का ही एक पूर्व परिचित आया और उसे अपहरण कर अपने साथ ले गया। उसके साथ एक अन्य युवक भी था। इन लोगों ने गांव से पांच किलोमीटर एक स्थान पर लेकर गए जहां बारी- बारी दुष्कर्म किया। युवती का आरोप है कि उसे बाद में धमकी दी गई। पुलिस ने धमकाने एवं सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। उसका आज मेडिकल कराया गया है।

भाविप बाड़मेर शाखा का सम्मान

बाड़मेर , (नि.सं.)। भारत विकास परिषद राजस्थान पश्चिमी प्रांत की प्रथम प्रांतीय परिषद बैठक एवं दायित्व ग्रहण समारोह सुमेरपुर में आयोजित किया गया । इस समारोह में भारत विकास परिषद बाड़मेर की मुख्य शाखा को समर्पित भाव से सराहनीय कार्य करने पर सम्मानित किया गया । राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम ने मुख्य शाखा को पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

विद्युत आपूर्ति आज रहेगी बाधित

जालोर, (कासं)। डिस्कॉम जालोर की ओर से विद्युत लाईनों के रखरखाव, मरम्मत व झाड़ी कटाई कार्य के लिए भागली औद्योगिक क्षेत्र, मादलपुरा व रेवत गांव की विद्युत आपूर्ति 30 अप्रेल को प्रात: 7 बजे से प्रात: 10 बजे तक बाधित रहेगी। यह जानकारी डिस्कॉम भागली सिंधलान के कनिष्ठ अभियंता मनोज मीना ने दी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर और सीएसके के बैटिंग कोच माइकल हसी ने गायकवाड़ की तारीफ की है। उन्होंने साथ ही कप्तानी को लेकर बहुत बडी बात कही। -माइकल हसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर, ऋतुराज गायकवाड़ के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **के.एल. राहुल**

लखनऊ की बल्लेबाजी की ताकत कप्तान केएल राहुल की बेहतरीन फार्म के अलावा मार्कस स्टायनिस और निकोलस पूरन है जिनकी बल्लेबाजी में निरंतरता बनी हुयी है। कल के बड़े मैच में केएल राहुल को अपनी जोड़ीदार क्विटंन डिकॉक से भी अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। गेंदबाजी विभाग में नजर डालें तो रफ्तार के सौदागर मयंक यादव का कल के मैच में भी खेलने में संशय है। उनकी गैर मौजूदगी में पहले की तरह यश ठाकुर, आवेश खान और मोहसिन खान के अलावा कप्तान के पास रवि विश्नोई और अनुभवी अमित मिश्रा के विकल्प होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक ऐसा क्रिकेटर नहीं हुआ है जिसने नंबर 1 से 11 तक हर क्रम पर बल्लेबाजी की हो।

कोलकाता ने दिल्ली को सीजन में दूसरी बार हराया

16.3 ओवर में चेज किया टारगेट

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल-2024 के 47वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हरा दिया। कोलकाता ने दिल्ली को इस सीजन में दूसरी बार हराया है। टीम ने 154 रन का टारगेट 16.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल्स ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन बनाए। से फिल सॉल्ट ने 33 बॉल पर 68 रनों की पारी खेली। उन्होंने सीजन में चौथी फिफ्टी जमाई। सुनील नरेन ने 15 और रिंकू सिंह ने 11 रन का योगदान दिया। अक्षर पटेल को 2 विकेट मिले। इससे पहले, के कुलदीप यादव ने 26 बॉल पर नाबाद 35 रन बनाए, जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 27 रन का योगदान दिया। वरुण चक्रवर्ती ने 3 विकेट चटकाए, जबकि वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा को 2-2 सफलताएं मिलीं। मिचेल स्टार्क और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला। इस जीत से कोलकाता की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पर बरकरार है। टीम के खाते में 9 में से 6 जीत के साथ 12 अंक हैं।

टेस्ट कोच गिलेस्पी ने पाक टीम को दी हिदायत, कहा- वह बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। पाकिस्तान के नए मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी चाहते हैं कि उनके 'प्रतिभाशाली' खिलाड़ी 'वास्तविक' बने रहें और किसी विशिष्ट पद्धित के अनुरूप अपने खेल में बदलाव नहीं करें। उनका कहना है कि टेस्ट क्रिकेट में आगे बढ़ ने के लिए उन्हें केवल सकारात्मक और आक्रामक रहने की जरूरत है।

पाकिस्तान ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी को पुरुष टेस्ट टीम का कोच नियुक्त किया जबकि सफेद गेंद के प्रारूप में कोच की भूमिका दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को सौंपी गई है जिनके मार्गदर्शन में 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था। वर्ष 2014 और 2015 में यॉर्कशर को काउंटी चैंपियनशिप खिताब दिलाने वाले 49 वर्षीय गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

पीसीबी के पॉडकास्ट में गिलेस्पी के हवाले से कहा गया, "मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो, मेरे लिए, यह महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो!" उन्होंने कहा, "आप इसे कैसे करते हैं इसे लेकर आपको वास्तविक होने की जरूरत है। मैं वहां जाकर कहूंगा: बस सकारात्मक, आक्रामक, मनोरंजक बनें। अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ खेलें और हमारे प्रशंसकों का मनोरंजन करें।"

गिलेस्पी ने कहा, "ऐसा समय आएगा जब आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और यही टेस्ट क्रिकेट है। यह आपके कौशल, मानसिक क्षमता और धैर्य की परीक्षा है। इसमें ऐसा समय होता है जब आपको आक्रमण करना होता है और कभी कभी विरोधी के दबाव को भी झेलना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 71 टेस्ट और 97 एकदिवसीय मैचों में क्रमश: 259 और 142 विकेट लेने वाले गिलेस्पी ने कहा कि पाकिस्तान के पास कुशल खिलाड़ी हैं लेकिन निरंतरता एक ऐसी चीज है जिस पर उन्हें काम करने की जरूरत है।

एशियाई खेलों से बाहर होने से राष्ट्रीय टीम में वापसी की प्रेरणा मिली

कोलकाता, 29 अप्रेल। तीरंदाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले तरुणदीप राय ने रविवार को कहा कि पिछले एशियाई खेलों की टीम से बाहर होने के बाद वह गुस्से में थे लेकिन उन्होंने इसे दमदार वापसी करने के लिए प्रेरणा की तरह लिया। तीन बार के ओलंपियन राय ने विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के बाद कहा, " मैं गुस्से से भरा था लेकिन मैंने खुद को एक और मौका देने का फैसला किया।" एशियाई खेलों (ग्वांगझू 2010) में देश के लिए पदक जीतने वाले इकलौते रिकर्व तीरंदाज राय ने कहा, " मैं क्वालीफिकेशन में कुछ नियमों के कारण अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम से बाहर हो गया था।

राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव की भारतीय तिकड़ी ने मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को पछाड़ते हुए रविवार को यहां 14 साल बाद तीरंदाजी विश्व कप में ऐतिहासिक जीत हासिल की। यह पहली बार है जब तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में भारतीय पुरुष टीम ने कोरिया को शिकस्त दी है। इस जीत से टीम पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करने के मामले में अच्छी स्थिति में है। चालीस साल के राय 2010 विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के भी सदस्य थे। उस विश्व कप का आयोजन भी शंघाई में हुआ था।

मयंक यादव का साथ नहीं छोड़ रही बुरी किस्मत

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। मयंक यादव ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए आईपीएल 2024 में अपना डेब्यू किया। पहले दो मैच में ही प्लेयर ऑफ द मैच और अपनी रफ्तार से सबको चौंका दिया। हर कोई उनकी गेंदबाजी का कायल हो गया, उन्होंने लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। साथ ही इस सीजन में सबसे तेज गेंद फेंकने का कारनामा भी किया।

उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में चना जाना करीब-करीब पक्का था, लेकिन इस दौरान उनकी बुरी किस्मत बीच में आ गई। दरअसल, वो आईपीएल के अपने तीसरे मैच में चोटिल हो गए।मयंक ने अपने आईपीएल डेब्यू मैच में ही पेस से बड़े-बड़े बल्लेबाजों के फीते खोल दिए थे। वो सटीक लाइन लेंथ के साथ 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेदंबाजी कर रहे थे। क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया था कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मजबूत दावेदार तक माना जा रहा था। टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलना असंभव। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, सेलेक्टर्स की मयंक पर नजर थी और उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह भी देने का मन बना लिया था। लेकिन, मयंक की चोट ने सारा खेल खराब कर दिया और बीसीसीआई को अपना प्लान बदलना पड़ा। बता दें कि ये पहली बार नहीं है, जब उन्हें चोट के कारण नुकसान हुआ है बल्कि उनका आईपीएल में डेब्यू 2022 में ही हो जाता लेकिन उस दौरान भी वो चोटिल हो गए थे।

मुंबई को बड़े अतंर से हराने के इरादे से मैदान पर उतरेगी 'राहुल' सेना

लखनऊ, 29 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में अब तक बेहतर प्रदर्शन कर रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) मंगलवार को यहां जब इकाना के मैदान पर उतरेगी तो टीम के हर सदस्य का इरादा कमजोर दिख रही मुबंई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज अंकतालिका में अपनी स्थिति को मजबूत करने का होगा।

लखनऊ को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिये अभी पांच मैच खेलने हैं जिनमें अगले दो मैच उसके अपने घरेलू मैदान पर खेले जायेंगे जिसका फायदा उठाने में केएल राहुल की टीम कोई कोरकसर छोड़ना नहीं चाहेगी। मुबंई को मौजूदा सत्र के नौ मैचों में सिर्फ तीन जीत मिली है जबकि छह में हार का सामना करना पड़ा है, वहीं लखनऊ ने नौ में से पांच मैचों में जीत दर्ज की है और दस अंकों के साथ वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुयी है। आईपीएल के पिछले रिकार्ड में नजर डाली जाये तो उसमें भी के एल राहुल की टीम मुबंई से भारी दिख रही है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए चार मुक़ाबलों में एलएसजी के खाते में तीन जीत आयी हैं। पिछले सत्र में लखनऊ ने इसी मैदान पर मुबंई के खिलाफ पांच रनो से रोमांचक जीत हासिल की थी।

लखनऊ की बल्लेबाजी की ताकत कप्तान केएल राहुल की बेहतरीन फार्म के अलावा मार्कस स्टायनिस और निकोलस पूरन है जिनकी बल्लेबाजी में निरंतरता बनी हुयी है। कल के बड़े मैच में केएल राहुल को अपनी जोड़ीदारी क्विटंन डिकॉक से भी अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी वहीं मध्यक्रम में देवीदत्त पड्डिक्कल को एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परिचय देना होगा। गेंदबाजी विभाग में नजर डालें तो रफ्तार के सौदागर मयंक यादव का कल के मैच में भी खेलने में संशय है। उनकी गैर मौजूदगी में पहले की तरह यश ठाकुर, आवेश खान और मोहसिन खान के अलावा कप्तान के पास रवि विश्नोई और अनुभवी अमित मिश्रा के विकल्प होंगे। अमित मिश्रा का रिकार्ड मुबंई के हिट मैन रोहित शर्मा के खिलाफ काफी प्रभावशाली है।

उन्होंने रोहित को टी20 क्रिकेट में सात बार आउट किया है। उन्हे खेलने में रोहित खुद को खासा असहज महसूस करते हैं। मिश्रा मुबंई के नये कप्तान हार्दिक पांड्या के लिये भी मुसीबत का सबब बन सकते हैं। मुबंई के लिये तेजी से रन बटोरने की काबिलियत रखने वाले सूर्य कुमार यादव पर अंकुश लगाने के लिये लखनऊ की टीम रणनीति बना चुकी होगी वहीं बूम बूम बुमराह को लखनऊ के बल्लेबाजों संयम और सूझबूझ से खेलना होगा। हालांकि लखनऊ के कप्तान का रिकार्ड बुमराह के खिलाफ शानदार रहा है और इसे देखते हुये पहले पावर प्ले में धूम धड़ाका देखने को मिल सकता है।

लखनऊ के पास अगर मध्य प्रदेश के घातक स्पिनर अमित मिश्रा हैं तो मुबंई के पास उत्तर प्रदेश के दिग्गज स्पिनर पियूष चावला हैं जो अपने गृह राज्य में बेहतरीन प्रदर्शन के लिये लालयित होंगे और उनसे लखनऊ के बल्लेबाजों को संभल कर रहना होगा। लखनऊ का मौसम शाम पांच बजे तक खासा गर्म रहने का अनुमान है हालांकि क्रिकेट के दीवाने दर्शक इसकी परवाह नहीं करते और शायद इसीलिये शाम साढ़े सात बजे से शुरु होने वाले इस हाइप्रोफाइल मैच की सभी टिकटें बिक चुकी हैं और दर्शकों को अपने चहेते स्टार रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या और जसप्रीति बुमराह को मैदान पर देखने का इंतजार है।

धोनी की जगह लेना... ऋतुराज की कप्तानी पर कोच माइकल हसी ने कहा दी बहुत बड़ी बात

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल 2024 के 46 वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी की। बतौर ओपनर उतरे गायकवाड़ महज दो रन से शतक से चूक गए। उन्होंने 54 गेंदों में 10 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 98 रन बनाए। सीएसके ने 212/3 का स्कोर खड़ा किया और एसआरएच को 78 रन से करारी शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर और सीएसके के बैटिंग कोच माइकल हसी ने गायकवाड़ की तारीफ की है। उन्होंने साथ ही कप्तानी को लेकर बहुत बड़ी बात कही।

हसी से जब सीएसके वर्सेस एसआरएच मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा गया कि गायकवाड़ ने कप्तानी को किस तरह से संभाला है तो इसपर कोच ने कहा कि सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ की जगह लेना चैलेंजिंग होता है। उन्होंने कहा, उसके लिए भी चुनौतीपूर्ण था। वह ऐसे कप्तान की जगह ले रहा था जो भारत का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ कप्तान रहा है। बता दें कि एमएस धोनी ने मौजूदा सीजन शुरू होने से पहले गायकवाड़ को सीएसके की कप्तान सौंपी थी। धोनी के नेतृत्व में चेन्नई ने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीतीं। धोनी आईसीसी की तीन ट्रॉफी (टी20 वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी) जीतने वाले इकौलते कप्तान हैं।

टीम इंडिया में सेलेक्शन आईपीएल सीजन से हो रहा, हमारे समय में घरेलू क्रिकेट सो होता था : इरफान

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल की शुरुआत के बाद से भारतीय क्रिकेट परिदृश्य में हुए अहम बदलावों पर प्रकाश डाला है। 2003 में भारत के लिए डेब्यू करने वाले पठान के मुताबिक, आईपीएल से पहले, खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जाने के लिए रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी या अंडर 19 क्रिकेटर खेलकर टीम इंडिया तक पहुंचे थे। लेकिन आज एक आईपीएल सीजन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हो रहा है। 180 नॉट आउट पॉडकास्ट पर बोलते हुए इरफान पठान ने अतीत और वर्तमान के बीच साफ अंतर पर जोर देते हुए कहा कि, हमारे दोर में अगर हमें बड़ौदा की तरफ से अगर रणजी ट्रॉफी खेलना होता तो एक ही तरीक था। उस समय एक ही भारतीय टीम होती थी। कोई आईपीएल नहीं था। आपको रणजी, दिलीप ट्रॉफी खेलना था और टीम इंडिया में आने का सबसे अहम दरवाजा अंडर-19 ऐज ग्रुप क्रिकट था। तब हमारा यही एक लक्ष्य होता था। लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। आप एक आईपीएल खेल सकते हैं, और भारतीय में प्रवेश पा सकते हैं।

गैरी कर्स्टन का लक्ष्य अपने दो साल के कार्यकाल में कम से कम एक आईसीसी ट्रॉफी जीतना

कराची, 29 अप्रैल। पाकिस्तान के नवनियुक्त मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए एक सामान्य लक्ष्य रखा है कि उसे अगले तीन साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के तीन टूर्नामेंटों में से कम से कम एक ट्रॉफी जीतनी होगी। अब और 2026 के बीच होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं में 2024 (अमेरिका और वेस्टइंडीज) और 2026 (भारत) में दो टी20 विश्व कप के साथ-साथ 2025 एकदिवसीय चैंपियंस ट्रॉफी भी शामिल है जिसकी मेजबानी पाकिस्तान करेगा।

भारत की विश्व कप विजेता टीम के मुख्य कोच रह चुके कर्स्टन चाहते हैं कि बाबर आजम और उनकी टीम कम से कम एक टूर्नामेंट जीते।वर्तमान में आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक (मेंटर) कर्स्टन को रविवार को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज कर्स्टन के पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। कर्स्टन से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा, "अगर आप उन तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं में से एक जीत सकते हैं तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी, चाहे वह आगामी प्रतियोगिता (टी20 विश्व कप) हो या अब से दो साल बाद।"

अगले साल होने वाली ट्रॉफी के लिये पीसीबी ने लाहौर, कराची, रावलपिंडी को चुना

लाहौर, 29 अप्रेल। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये कराची, लाहौर और रावलपिंडी को चुना है। भारत की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये 'हाइब्रिड मॉडल' की अटकलों के बीच पीसीबी ने कहा है कि टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही होगा। पिछली बार इंग्लैंड में 2017 में हुई चैम्पियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी मार्च में हो सकती है।

भारत ने अभी तक अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है और ऐसी अटकलें हैं कि आईसीसी हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करके भारत के मैच तटस्थ स्थान पर करा सकता है, अगर भारतीय टीम को सरकार से यात्रा की मंजूरी नहीं मिलती है तो।आईसीसी ने साफ तौर पर कहा है कि वह किसी सदस्य देश को उसकी सरकारी नीति का उल्लंघन करने को नहीं कहेगा। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा ," हमने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के मैचों के लिये शेड्यूल भेज दिया है। आईसीसी के सुरक्षा दल से बैठक अच्छी रही। उन्होने इंतजामात का जायजा लिया और हमने भी उन्हें सारी जानकारी दी।" पिछले साल एशिया कप का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल पर किया गया था। भारत के मैच श्रीलंका में कराये गए थे जबकि टूर्नामेंट का आधिकारिक मेजबान पाकिस्तान था।

कुलदीप यादव ने आर. अश्विन के सामने खोला अपने बचपन का राज

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के स्पिनर कुलदीप यादव ने आर अश्विन के सामने अपने बचपन का एक राज खोला है। कुलदीप ने दिग्गज स्पिनर अश्विन को बताया कि वह एमएस धोनी और कई धाकड़ क्रिकेटर्स की वजह से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तगड़े फैन रहे। बता दें कि 29 वर्षीय कुलदीप आईपीएल 2024 में शानदार लय में हैं। उन्होंने सात मैचों में 12 शिकार किए हैं। वह डीसी के मौजूदा सीजन में फिलहाल सेकेंडहाईएस्ट विकेट-टेकर हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब टॉक शो कुट्टी स्टोरीज में कुलदीप से पूछा, आईपीएल की शुरुआत 2008 में हुई। तब आप की 14 या 15 साल उम्र होगी। उस वक्त आपका माइंडसेट क्या था? कुलदीप ने जवाब में कहा, मैंने 2008 में अंडर-15 स्टेट लेवल खेला। क्रिकेट को लेकर यह नहीं था कि मुझे इंडिया या आईपीएल में खेलना है। मैं अंडर-19 खेलने के बारे में सोच रहा था। मेरा लक्ष्य था कि अगर अंडर-19 खेलूंगा तो शायद फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। मैं उस टाइम ऐसा सोचता था। कुलदीप ने आगे कहा, जब आईपीएल शुरू हुआ तो ईमानदारी से बताऊं मैं सीएसके का फैन था। सीएसके मुझे बहुत पसंद थी। मैथ्यू हेडन और एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी थे टीम में। आप (अश्विन) भी थे। टीम बहुत अच्छी थी। मैं सीएसके का फैन दिल से था। अश्विन ने इसके बाद पूछा कि क्या अब भी सीएसके के फैन हो? कुलदीप ने कहा, मैं, सीएसके का फैन तो हूं लेकिन जब कोई छोटा बच्चा होता, तब उसे सपोर्ट करने के लिए टीम चुननी होती है। मेरे लिए सीएसके थी हमेशा से। फिर अंडर-19 खेला और 2012 में मुंबई इंडियंस में चांस मिला। उससे पहले आईपीएल देखता था। उस टाइम बस सीएसके थी। गौरतलब है कि कुलदीप आईपीएल में दिल्ली के अलावा मुंबई और कोलकात नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा रहे हैं। उन्हें केकेआर की ओर से 2016 में आईपीएल डेब्यू का मौका मिला था कुलदीप ने अब तक 80 आईपीएल मैचों में 83 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 2017 में इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने भारत का 12 टेस्ट (53 विकेट), 103 वनडे (168 विकेट) और 35 टी20 इंटरनेशनल (59 विकेट) में प्रतिनिधित्व किया है।

जूडो कराटे के संस्थापक जयशंकर टाइगर को याद किया

भरतपुर, 29 अप्रेल। जूडो कराटे क्लब के संस्थापक स्वर्गीय जयशंकर टाईगर की 24 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किला स्थित टाईगर क्लब में किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मौजूद अतिथियों में भरतपुर के खाटू श्याम जी मंदिर के महंत रोहित जी महाराज, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशलेश शर्मा, क्लब के संरक्षक गिरधारी तिवारी पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, सतीश कुमार नेशनल ताइक्वांडो चौंपियन राजस्थान पुलिस, मनोज पाराशर सहायक अभियंता पीएचईडी, राजेश चौधरी महिला जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति भरतपुर, जितेंद्र गामड़ी विकास अधिकारी पंचायत समिति कुम्हेर, नवाब सिंह नेशनल जूडो चौंपियन राजस्थान पुलिस, वेद कुंतल नेशनल वूशु चौंपियन आरएसी, पवन पराशर कुंग फू चौंपियन, पोहप सिंह जादौन जूडो चौंपियन,भरतपुर की पहली महिला कराते ब्लैक बेल्ट नेहा टाईगर एवं लोकेश कुमार रिलायंस जिओ प्रबंधक ने जयशंकर टाईगर की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर व दो मिनट का मौन रख उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर क्लब के खिलाड़ियों ने जूडो, कराते एवं ताइकांडो का प्रदर्शन किया जिसमें खिलाड़ियों ने किक, पंच, ब्लाक, काता, पूम्से का प्रदर्शन किया। खाटू श्याम जी मंदिर के महंत रोहित महाराज

ने अपने उद्बोधन में जूडो कराटे के क्षेत्र में भरतपुर को आगे ले जाने में व युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण देने में जयशंकर टाईगर के योगदान की सराहना की। जिला महिला प्रभारी पतंजलि योग समिति की राजेश चौधरी ने भी बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल व कॉलेज में वूमन डिफेंस प्रोग्राम चलाने पर बल दिया। सतीश कुमार नेशनल ताइक्वांडो चौंपियन राजस्थान पुलिस ने बताया कि मार्शल आर्ट खेल से खिलाड़ियों का एनर्जी लेवल एवं स्टेमिना में विकास होता है। जयशंकर टाईगर की पुण्य स्मृति में आयोजित होने वाली भरतपुर जिला ताइक्वांडो संघ के तत्वाधान में एवं राजस्थान ताइक्वांडो संघ के मार्गदर्शन में 11 से 12 मई को ताइक्वांडो की प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन किए गए। जिसमें भरतपुर ताइक्वांडो संघ अध्यक्ष पवन पाराशर, उपाध्यक्ष विष्णु दत्त, सचिव ई दीप्ति शर्मा, चौंपियनशिप आयोजन सचिव राजेश पुष्कर ने प्रतियोगिता को सफल बनाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्ति उप निदेशक आयुर्वेदिक विभाग के डॉक्टर सुशील पाराशर ने किया। कार्यक्रम के अंत में श्री ब्राह्मण सभा भरतपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशलेश शर्मा ने क्लब की तरफ से सभी प्रबुद्ध नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा प्रतिभा शर्मा, सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर एनआईएस कोच, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश चंद मुद्गल, एडवोकेट भगवान सिंह लवानिया, केदार पाराशर अध्यक्ष समता आंदोलन, गायत्री परिवार से डॉ गिरीश शर्मा, देवेंद्र मोहन तिवारी, डॉ सुनील चौधरी, राजेंद्र भारद्वाज अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय मानव सुरक्षा, बृजभूषण पाराशर बीएसएनएल, योगेश लवानिया, अग्रवाल धर्मशाला के महंत प्रेमजी पंडित, उमेश पाराशर बीजेपी, नरेश कटारा, कपिल ऑप्टिकल एवं आशीष तिवारी आदि सदस्यों ने श्रद्धांजलि देते हुए क्लब के खिलाड़ियों को अपने उद्बोधन से लाभान्वित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान में धुंआधार चुनाव प्रचार के बाद अब दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार में जुट गये हैं। सोमवार को मु. मंत्री भजनलाल ने कोलकाता के श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार कबीर शंकर बोस के समर्थन में रोड शो किया और उनके नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल हुये। रोड शो के दौरान भारी भीड़ जुटी, जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कलकत्ता में भाजपा प्रत्याशी के लिए रोड शो व नामांकन सभा को संबोधित किया

प्रदेश भाजपा नेता देशभर में भाजपा के पक्ष में मारवाड़ी वोट बैंक साधने में जुट गए हैं

- **मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित प्रदेश के 150 भाजपा नेताओं के अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के कार्यक्रम तय।**

जयपुर, 29 अप्रेल (का.सं.)। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न होने के बाद प्रदेश के भाजपा नेता देश भर में रह रहे मारवाड़ियों को साधने के लिए अन्य प्रदेशों के दौरे पर हैं। इन नेताओं को केंद्रीय नेतृत्व की ओर से मारवाड़ियों को साधने का काम दिया गया है। इसी क्रम में, प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केबिनेट मंत्री और अन्य प्रदेश स्तरीय नेता दौरे कर रहे हैं।

प्रदेश के नेता राजस्थानियों के बीच जाकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। ज्ञातव्य है कि, बड़ी संख्या में व्यापार के सिलसिले में राजस्थानी लोग देश के अलग-अलग राज्यों में बसे हैं और सालों से इन राज्यों में रहने के कारण वे वहां के स्थानीय वोटर भी हैं। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में, जहां राजस्थानियों की तादाद ज्यादा हैं, वहां प्रदेश के नेताओं को प्रचार के लिए भेजा जा रहा है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज कलकत्ता की श्रीरामपुरा लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी की नामांकन सभा और रोड शो में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने मारवाड़ी समाज और उद्योगपतियों के सम्मेलन को संबोधित किया।

मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के धनबाद लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे प्रबुद्धजन सम्मेलन व संवाद कार्यक्रम और प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसी दिन शाम को रांची में मारवाड़ी धर्मशाला में प्रबुद्धजन सम्मेलन व प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शामिल होंगे।

बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के हजारीबाग लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के समर्थन में जनसभा और नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पंजाब में प्रचार के लिए आज सुबह चंडीगढ़ पहुंचे।

प्रदेश भाजपा के करीब 150 नेता अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। पश्चिम बंगाल, झारखंड उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में प्रदेश के नेताओं को जिम्मदारियां दी गई हैं। इसी के तहत पूर्व नेता प्रतिपक्ष, राजेन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रभुलाल सैनी सहित कई नेता रविवार को तेलंगाना के लिए रवाना हो गए। ये नेता वहां प्रचार के साथ-साथ चुनाव प्रबंधन का काम भी देखेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, कैलाश चौधरी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, झाबर सिंह खर्रा सहित अन्य मंत्री व नेता भी दूसरे राज्यों में प्रचार के लिए जाएंगे।

क्या गहलोत की टीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ है। गहलोत के पूर्व ओ.एस.डी. सोशल मीडिया पर ट्रैंड कर रहे हैं, क्योंकि वो गहलोत को कांग्रेस पार्टी से निकालने की मांग कर रहे हैं।

गहलोत को चुनाव प्रचार के लिए बाड़मेर जाना था। उनकी इस यात्रा के लिए दो गाड़ियाँ बुक की गईं, गहलोत के नाम से तथा उत्तरलायी एयरपोर्ट पर इन गाड़ियों को प्रवेश करने की इजाज़त के लिए स्वीकृति भी प्राप्त की गई। अन्ततोगत्वा गहलोत बाड़मेर नहीं गए तथा इन गाड़ियों का उपयोग रविन्द्र सिंह भाटी ने किया। इससे इन चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि, अशोक गहलोत उन्हें सपोर्ट कर रहे थे और कांग्रेस के अधिकारिक प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने का प्रयास कर रहे थे।

इस मामले में गंभीर रूप ले लिया है और गहलोत अपना बचाव नहीं कर पा रहे हैं। गहलोत कैम्प रक्षात्मक कार्यवाही में जुटा है, वहीं, पार्टी का गहलोत विरोधी कैम्प आक्रामक रूप से उन्हें निशाना बना रहा है।

ट्रेन में यात्री के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10 अगस्त, 2022 को साबरमती एक्सप्रेस के ए.सी. कोच में बैठकर मोहाली से जयपुर आ रही थी। रेवाड़ी स्टेशन पर कई बिना टिकट तथा कई जनरल कोच के यात्री उसके ए.सी. कोच में आ गए। शिकायत के बावजूद न तो मौके पर टी.टी. और कोच अटैन्डेंट आया और ना ही रेलवे पुलिस का कर्मचारी आया। इसके अलावा कोच में सुरक्षा का कोई इंतजाम भी नहीं था। इस दौरान एक व्यक्ति परिवादी का पर्स लेकर ट्रेन से कूद गया। उसके पर्स में 1.70 लाख रुपए नकद और अस्सी हजार रुपए की अंगूठी सहित अन्य सामान था। ऐसे में उसके सामान की रक्षा करने की जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की थी। इसलिए उसे क्षतिपूर्ति दिलाई जाए। जिसके जवाब में रेलवे प्रशासन की ओर से कहा गया कि, रेलवे नियमों के अनुसार, सवारी डिब्बों में ले जाने वाली वस्तुएं मालिक की स्वयं की जोखिम पर ले जाई जाती हैं। रेलवे अधिनियम की धारा 100 के तहत "अनबुक्ड" लगेज के नुकसान के लिए रेलवे जिम्मेदार नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग ने रेलवे पर हर्जाना व चोरी गई संपत्ति का मुआवजा देने का निर्णय दिया।

कोटा में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10.30 बजे की है। उन्नीस वर्षीय छात्र सुमित कुमार पुत्र विजयपाल ने अपने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। वह बीते एक साल से कोटा में रह रहा था।

घटना के बाद पुलिस ने उसके हॉस्टल का कमरा सीज़ कर दिया है और परिजनों को पूरे मामले की सूचना भी दे दी गई है। उत्तम रैज़िडैंसी के जिस कमरे में सुमित ने सुसाईड किया है उसमें एंटी हैंगिंग डिवाइस नहीं लगी हुई थी, जबकि, कोटा में सभी हॉस्टल और पीजी संचालकों को कमरों में एंटी सुसाइड रॉड लगवाना अनिवार्य किया गया है। बताया जा रहा है कि, सुमित को 5 मई को नैशनल टेस्टिंग एजेन्सी की नीट यूजी 2024, परीक्षा देनी थी। सुमित पहले भी नीट की परीक्षा दे चुका है। कहा जा रहा है कि, संभवतः वह परीक्षा के दबाव में था जिस कारण उसने आत्महत्या का कदम उठाया।

सुमित के चाचा सुरेंद्र पांचाल ने आरोप लगाया है कि, यह पूरी तरह से मर्डर का मामला है। वे हॉस्टल में जाकर भी देखेंगे क्योंकि सुमित की गर्दन पर कट का निशान था।

ऐसा घाव रस्सी से नहीं हो सकता है और उसके हाथ भी पूरी तरह से लाल पड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि, हम इसकी जांच करवाएंगे। सुमित के पिता विजयपाल का कहना है कि, सुमित से पांच दिन पहले बात हुई थी और रविवार को सुबह से शाम तक, उन्होंने कई बार कॉल किया लेकिन बातचीत नहीं हो पाई। जब उन्होंने हॉस्टल संचालक को इस संबंध में सूचना दी तब उसने कमरे में जाकर देखा तो हादसे के बारे में पता चला।

परिजनों ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम और मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने की मांग की है। कोटा शहर के पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय, राजेश कुमार सोनी का कहना है कि, जिला प्रशासन ने भी हॉस्टल के रूम में एंटी हैंगिंग डिवाइस नहीं होने के मामले में जांच पड़ताल कर रिपोर्ट मांगी है। हॉस्टल संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

'इंदौर में कांग्रेस के उम्मीदवार ने नाम वापस लिया व भाजपा "जॉइन" की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **गत 22 अप्रैल को सूरत में भी कुछ ऐसा ही हुआ। कांग्रेस के उम्मीदवार का पर्चा त्रुटियों के कारण स्वीकार नहीं किया गया तथा बाकी सभी अन्य उम्मीदवारों ने अपने-अपने नाम वापस ले लिये थे, भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध विजयी घोषित हुआ।**

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है और इस झटके से पार्टी की राज्य इकाइयों पर कमजोर होती पकड़ जगजाहिर हो गई है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने अभी कुछ ही दिनों में आज दूसरा लोकसभा उम्मीदवार खो दिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर से पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय बाम ने अपनी सीट से नामांकन वापस ले लिया है और वे इंदौर सीट की दौड़ से बाहर हो गए और इसके बाद वे आज ही भाजपा में भी शामिल हो गए हैं जबकि इस सीट पर कुछ ही दिनों में चुनाव होने वाले हैं।

इस घटना का खुलासा मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय की एक पोस्ट से हुआ है, जिसमें उन्होंने एक कार में ली गई फोटो में अपने साथ उम्मीदवार को दिखाया है।

विजयवर्गीय ने अपनी पोस्ट में कहा कि, इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बाम का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा में स्वागत है।

इंदौर सीट के लिए नामांकन पत्र भरने का आज आखिरी दिन था, इस सीट पर चुनावों के चौथे चरण में 13 मई को वोट डाले जाएंगे।

जिलाधीश आशीष सिंह ने पत्रकारों को सूचित किया कि "कांग्रेस उम्मीदवार बाम सहित तीन प्रत्याशियों ने निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर अपना नाम वापस ले लिया। इसी पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है।"

अक्षम बाम उम्मीदवारी का अपना नामांकन वापस लेने के लिए भाजपा के एम.एल.ए. रमेश मेन्दोला के साथ जिलाधीश कार्यालय गए थे।

कांग्रेस ने इंदौर में भाजपा के सांसद शंकर लालवाणी के खिलाफ 45 वर्षीय बाम को चुनाव मैदान में पहली बार उतारा था, यह निर्वाचन क्षेत्र मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है। कांग्रेस ने बाम को एक ऐसे समय में चुना जब पार्टी कार्यकर्ताओं की एक लंबी कतार थी, उनके साथ तीन निवर्तमान विधायकों ने भी कांग्रेस छोड़कर मध्य प्रदेश में भाजपा में शामिल हो गए हैं।

पिछले सप्ताह गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर विपक्षी पार्टी को एक प्रत्याशी का नुकसान हुआ था। क्योंकि घटनाओं की एक ऐसी नाटकीय श्रृंखला चली कि, उसमें कांग्रेस के उम्मीदवार को अयोग्य घोषित किया गया और आठ उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया गया और आठ उम्मीदवारों ने उसेक बाद उस सीट से नाम वापस ले लिये और एक के बाद दूसरे ने भी इसमें बसपा व एक निर्दलीय उम्मीदवार भी वापसी में शामिल है। इस घटनाक्रम के बाद 22 अप्रैल को भाजपा के मुकेश दलाल को सूरत लोकसभा निर्वाचन सीट से निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया था।

कांग्रेस को वर्तमान लकोसभा चुनावों में यह दूसरा तगड़ा झटका लगा है, इंदौर में पार्टी के स्थानीय नेताओं ने इस घटना पर गहरी निराशा व्यक्त की है और पार्टी नेतृत्व के द्वारा श्री बम को उम्मीदवार बनाने का निर्णय पर सवाल खड़ा किया है।

पार्टी के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्थानीय कांग्रेसी नेता देवेन्द्र यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि, "मैंने हमारी पार्टी के नेताओं को अक्षय बाम का चयन करते समय आगाह किया था। मैंने सचेत किया था कि वह उसका नामांकन पत्र वापस लेगा। हमें दु:ख इस बात का है कि, हमारे जैसे पार्टी कार्यकर्ताओं, जो वर्षों से कांग्रेस की सेवा कर रहे हैं, उनकी अनदेखी कर उन जैसे लोगों को पार्टी ने टिकट दे दिया।"

बम के नामांकन पत्र की जांच के दौरान, भाजपा के विधि प्रकोष्ठ ने बाम के नामांकन फार्म पर इस बात को लेकर आपत्ति दर्ज कराई कि, उन्होंने आई.पी.सी. की धारा 307 के बारे में सूचना अथवा एक जमीन विवाद से संबंधित 17 वर्ष पुराने केस में हत्या के प्रयास के मुकदमे का उल्लेख नहीं किया। चुनाव अधिकारियों ने इस आपत्ति को नज़रअंदाज कर दिया था और बाम के नामांकन पत्र को स्वीकार भी कर लिया था क्योंकि उन्होंने जिस दिन नामांकन पत्र दाखिल किया था, उसी दिन उसमें आरोप जोड़ दिया था।

कांग्रेस के आदमी पर उंगली उठाई तो जवाब उंगली काटकर दिया जाएगा-उचियारड़ा

फलौदी थाने के बाहर धरने में दिए गए उचियारड़ा के भाषण का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल

- **धरना हालांकि समाप्त हो चुका है, पर किसी ने इस धरने और उसमें दिए गए करण सिंह के भाषण का विडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो वायरल हो गया।**
- **वायरल वीडियो में उचियारड़ा ने यह भी कहा कि, न हिन्दू, न मुसलमान, न सिख न इसाई, हमारा धर्म सिर्फ कांग्रेस है।**

जोधपुर, 29 अप्रेल (कासं)। कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो, कांग्रेस के आदमियों पर उंगली उठाने वालों की उंगली काटकर जवाब देने की बात कह रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लोकसभा चुनाव मतदान के दौरान फलोदी जिले के बैंगटीकला व अन्य पोलिंग बूथ पर हुई झड़प के मामले में पुलिस द्वारा 11 लोगों को पकड़ने के विरोध में रविवार को फलोदी में कांग्रेस ने धरना दिया। इस बीच नेताओं के साथ करण सिंह उचियारड़ा भी फलोदी पहुंचे और थाने के आगे जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आई.पी.सी. की धारा 307 में प्रकरण दर्ज करने व सी.आर.पी.सी. की धारा 151 में गिरफ्तार करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की। धरने के दौरान कांग्रेस नेता प्रकाश छंगाणी, पूर्व विधायक किशनाराम विश्नोई, कुम्भसिंह पातावत की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं भी मौजूद थे।

धरने के दौरान उचियारड़ा ने कहा कि, कांग्रेस के किसी भी आदमी पर उंगली उठाई तो उसका जवाब उंगली काटकर दिया जाएगा। न तो मुसलमान, न हिंदू, न सिख, न ईसाई, हमारा एक धर्म सिर्फ कांग्रेस है। मैं राजपूत हूँ और जबान देता हूँ, किसी को नहीं छोड़ूंगा। अगर भगत सिंह जान दे सकते हैं तो करण सिंह लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए हजारों डंडे खा सकता है।

धरने को संबोधित करते हुए उचियारड़ा ने कहा, मैंने जिला कलेक्टर, एस.पी., आई.जी. व आला नेताओं से बात की मगर कोई रास्ता नहीं निकला। इसलिए हमें धरना देना पड़ा। हालांकि, धरना रविवार को हटा दिया गया मगर किसी ने करण सिंह उचियारड़ा के भाषण का वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो आज दिन भर चर्चा का विषय बना रहा।

'हमने जमानत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है।" सिंघवी विजय मदनलाल चौधरी के फैसले का हवाला देते हुए कहते हैं: "धारा 19 की व्याख्या वृहद है।"

सिंघवी ने कहा कि इसके तीन वाक्यांश हैं: (1) अपने पास मौजूद सामग्री (2) विश्वास के कारण (3) अपराध दोष। गिरफ्तार करने की शक्ति का यह मतलब नहीं है कि गिरफ्तार ही कर लिया जाए। संदेह के आधार पर नहीं बल्कि अपराध सिद्ध होना चाहिए। पी.एम.एल.ए. की धारा 45 की भी एक सीमा है। आप किसी को एक लम्बे समय तक गिरफ्तार कर रहे हैं, जबकि आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है।

"या तो आपके पास दस्तावेज होते हैं या अपराध साबित करने वाले साक्ष्य होते हैं अथवा कोई आधार होता है, जिसके बारे में हम नहीं जानते। हिरासत में बंद किसी व्यक्ति से 16वीं बार बयान लिया जाता है। उसे जमानत मिलती है और बाद में वह सरकारी गवाह बन जाता है। उसका बयान आधार बन जाता है। यह पिछले वर्ष जुलाई माह की बात है। वे मेरे मुवक्किल को मार्च के महीने में गिरफ्तार करते हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि मुख्यमंत्री को दण्ड से मुक्ति प्राप्त है, लेकिन क्या उसके पास अधिकार कम हैं?

दिल्ली के मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण को समझाने के लिए सिंघवी उसके बाद एक अन्य त्वरित बयान देते हुए कहते हैं, "लेकिन कृपया ध्यान दें, मैं कोई आरोपी नहीं हूं। वे 24 मार्च तक यह स्वीकार करते हैं कि मैं ना तो कोई आरोपी हूं और ना ही कोई संदिग्ध।"

वह सी.बी.आई. की तीन चार्जशीट्स का भी हवाला देते हैं।

जस्टिस खन्ना ने एडवोकेट सिंघवी से कहा कि "सी.बी.आई. प्रकरण में आपका नाम अब तक नहीं है, जिस पर सिंघवी का उत्तर ना में था।

जस्टिस खन्ना ने आगे और स्पष्ट करते हुए कहा कि "बाद में केजरीवाल के नाम पर ई.सी.आई.आर. दायर की गई? इस पर सिंघवी का जवाब था- "ऐसा नहीं है। ई.डी. द्वारा केजरीवाल के खिलाफ केस बनाने के लिए पी.एम.एल.ए. की धारा 50 के अन्तर्गत गवाहों के बयानों पर भरोसा जताने से पहले ही ई.सी.आई.आर. फाइल कर दी गई थी।" सिंघवी आपराधिक केस की प्रक्रिया और पी.एम.एल.ए. प्रक्रिया के बीच के मूलभूत अंतर का उल्लेख करते हैं, खासतौर पर धारा 19 का, जो केजरीवाल के केस में लागू होती है।

जस्टिस खन्ना ने सिंघवी से पूछा कि उन्होंने जमानत याचिका दायर करने का विकल्प क्यों नहीं चुना। उन्होंने कहा कि "मतलब ये है कि आप गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ हैं। मैं जिज्ञावासश ही पूछ रहा हूँ कि आपने जमानत का आवेदन क्यों नहीं दिया? इस पर सिंघवी ने कहा कि "क्योंकि गिरफ्तारी अवैध है। पी.एम.एल.ए. की धारा 19 का दायरा बहुत व्यापक है।

आम आदमी पार्टी ने बताया है दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता को तिहाड़ जेल में उनके पति से मिलने की इजाज़त दे दी गई है।

अन्ततोगत्वा जोधपुर में गजेन्द्र सिंह ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हजार से अधिक वोटों के अन्तर से शिकस्त देकर जीत हासिल की थी।

इस बार के चुनाव में तो शेखावत का खुद का कद काफी बढ़ा हुआ था। हालांकि इस बार के चुनाव में भी मुख्य चेहरा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का था। मगर शेखावत की खुद की पहचान भी भाजपा के बड़े नेताओं में होने लगी थी जिसका उन्हें फायदा मिल सकता है।

जोधपुर से अब तक के सांसद

1951-52 महाराजा हनुवंत सिंह (निर्दलीय)
1952-57 (उपचुनाव) जसवंत राज मेहता (निर्दलीय)
1957-62 जसवंत राज मेहता (कांग्रेस)
1962-67 एल.एम. सिंघवी निर्दलीय
1967-71 एन.के. सिंघी (कांग्रेस)
1971-77 राजमाता कृष्णाकुमारी (निर्दलीय)
1977-80 रणछोड़दास गट्टानी (भारतीय लोकदल)
1980-84 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1984-89 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1989-91 जसवंत सिंह जसोल (भाजपा)
1991-96 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1996-98 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1998-99 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1999-04 जसवंत सिंह (विश्नोई भाजपा)
2004-09 जसवंत सिंह विश्नोई (भाजपा)
2009-14 चंद्रेश कुमारी (कांग्रेस)
2014-19 गजेंद्र सिंह शेखावत (भाजपा)
2019-24 गजेन्द्र सिंह शेखावत (भाजपा)

तीस जून को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुलाई को वार्षिक वेतन वृद्धि देने का प्रावधान है। याचिका में कहा गया कि, कर्मचारियों को वार्षिक वेतन वृद्धि अग्रिम देने के बजाए एक साल की सेवा करने के बाद में दी जाती है। ऐसे में याचिकाकर्ता एक साल की सेवा पूरी कर तीस जून को रिटायर हुए हैं। इसलिए उन्हें उस वर्ष काम करने के कारण एक जुलाई को मिलने वाली वार्षिक वेतन वृद्धि दी जाए।

याचिका में यह भी कहा गया कि, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट पूर्व में तय कर चुके हैं कि, वेतन वृद्धि देने के लिए यह नहीं देखा जाएगा कि कर्मचारी सेवा में हैं या नहीं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि, वह याचिकाकर्ताओं को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दे।

बी.ए.पी. की कड़ी चुनौती के बाद भी बांसवाड़ा-डूंगरपुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मालविया ही पाला बदल चुके हैं तो स्वाभाविक है उनके समर्थक भी उनके साथ भाजपा में चले गए हैं। क्षेत्र में अच्छी पकड़ के चलते मालविया की स्थिति, बाप पार्टी की तुलना में मज़बूत मानी जा रही है।

बीएपी के राजकुमार रोत की युवा वर्ग पर अच्छी पकड़ है। उन्होंने अब तक अलग चल रहे समर्थकों के परिजनों को भी बी.ए.पी. के समर्थन में मतदान करने पर राजी कर लिया, लेकिन इसमें भी उन्हें आंशिक सफलता ही मिल पाई है। रोत के पास युवा जोश है पर सिर्फ इसी के सहारे चुनाव नहीं जीता जा सकता है। मालविया को इस क्षेत्र में राजनीतिक विशेषज्ञ माना जाता है उसके पास धनबल है, संगठन की ताकत है लिहाजा उनका पलड़ा भारी है।

बांसवाड़ा -डूंगरपूर संसदीय सीट परम्परागत रूप से कांग्रेस-भाजपा के लिए वर्चस्व की लड़ाई के रूप में जानी जाती थी। पर पिछले कुछ समय से क्षेत्रीय दल भारत आदिवासी पार्टी (बाप) का प्रभाव बढ़ रहा है। लोकसभा चुनाव में बाप पार्टी ने क्षेत्र की आठों विधानसभा सीटों में पहले ही प्रचार शुरु कर दिया था। कांग्रेस ने पहले तो यहां प्रत्याशी खड़ा कर दिया था पर बाद में बाप से गठबंधन कर लिया और अपना प्रत्याशी वापस लेने की घोषणा कर दी पर कांग्रेस के प्रत्याशी अरविंद डामोर नामांकन वापसी की आखिरी तारीख को "लापता" हो गए। डामोर नेतृत्व के निर्देशों को दरकिनार करते हुए चुनावी मैदान में डटे रहे। इसका फायदा सीधे तौर पर भाजपा को होता लग रहा है।

असल में बाप के साथ समझौते को लेकर डूंगरपुर जिला कांग्रेस खुश नहीं थी। दूसरी ओर बाप ने भी कांग्रेस को अपने प्रचार अभियान से दूर ही रखा हुआ था। दोनों जिलों में कांग्रेस ने क्षेत्रीय दल के प्रत्याशी के समर्थन में पहले तो कोई सभा तक नहीं की लेकिन, अन्तिम दौर में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी दोनों ने बी.ए.पी. के प्रत्याशी राजकुमार रोत के समर्थन में एक जनसभा कर अपना गठबंधन धर्म निभाया था। क्षेत्र के एकमात्र कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा पहले दिन से ही इस बाप पार्टी से अपनी दूरी बनाये हुए हैं। पिछले दस वर्षों से आपसी गुटबाजी ने कांग्रेस की हालत खराब कर दी है।

पंचायती राज के चुनावों में कमल-कांग्रेस का गठबंधन कर जिला प्रमुख का पद भाजपा को सौंपा गया था। आन्तरिक कलह इस कदर बढ़ गई कि विधानसभा चुनावों में पूर्व जिलाध्यक्ष की कार्यशैली को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर खूब चला था। पार्टी चार भागों में विभक्त हो गई थी। डूंगरपुर कांग्रेस में हो रही इस तरह की गुटबाजी को लेकर कभी भी प्रदेश नेतृत्व ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उसी के कारण आजादी के बाद से जो कांग्रेस इस जिले में एक छत्र रूप से छाई हुई थी। उसका आम कार्यकर्ता अपने आप को असुरक्षित समझने लगा और लोकसभा चुनावों से पहले बांसवाड़ा के कद्दावर नेता सांसद व मंत्री रह चुके मालवीया ने भाजपा का दामन थाम लिया। उनके साथ-साथ कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली और इन चुनावों में भाजपा के लिए राह आसान कर दी।

पांच महीने पहले विधानसभा चुनाव में हुए मतदान और लोकसभा चुनाव के मतदान में सबसे ज्यादा कमी इस बार कुशलगढ़ विधानसभा में आई है। यहां 89.90 प्रतिशत मतदान हुआ था जो अब 69 प्रतिशत पर पहुंच चुका है। इतनी गिरावट की वजह स्थानीय लोगों का रोजगार के लिए गुजरात और महाराष्ट्र की ओर पलायन है। भाजपा प्रत्याशी की बागीदौरा सीट पर 5.39 और बाप प्रत्याशी राजकुमार की चौरासी विधानसभा सीट पर 8.36 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। इस संसदीय सीट पर बांसवाड़ा में 79.02, बागीदौरा में 76.66, कुशलगढ़ में 75.01, घाटोल में 80.85, गढ़ी में 75.01, सागवाड़ा में 69.05 प्रतिशत, चौरासी में 71 तथा डूंगरपुर में 65.12 प्रतिशत मतदान हुआ। इस क्षेत्र की आठ सीटों पर कुल 72.77 प्रतिशत मतदान हुआ।

देवेगौड़ा के पौत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया गया।

कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रश्न किया कि यह जानने के बावजूद कि प्रज्वल दुनिया के सबसे बड़े एवं घिनौने यौन दुराचार का सरगना है, प्रधानमंत्री ने उसके लिए चुनाव प्रचार क्यों किया और उनके साथ मंच क्यों साझा किया।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि प्रज्वल को बच कर जर्मनी भागने में किसने मदद की? कांग्रेस ने उक्त प्रश्न कर अपने इरादे बिल्कुल स्पष्ट कर दिए हैं कि कर्नाटक व अन्यत्र होने वाले उसके चुनाव प्रचार में यह मुद्दा उठाया जाता रहेगा।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष यह मुद्दा पहले ही उठा चुकी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को एक ट्वीट कर कहा कि "नरेन्द्र मोदी जी एवं जे.पी. नड्डा जी। आपकी कर्नाटक की सहयोगी पार्टी जे.डी. (एस.) का लोकसभा प्रत्याशी प्रज्वल रैवन्ना महिलाओं का बलात्कार और यौन उत्पीड़न करता रहा है। यहां तक कि तब भी यौन हिंसा की फिल्म बनाता रहा, और उस दौरान महिलाएं रोती रहीं। प्रज्वल अब देश से बाहर है। "नारी शक्ति" पर कृपया आपकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है।"

इस कांड के खुलासे की "टाइमिंग", न केवल कर्नाटक बल्कि पूरे देश में, भाजपा की संभावनाओं को हानि पहुंचा सकती है। सोशल मीडिया प्रचार के जमाने में, इण्डिया गठबंधन के नेता, खासकर पश्चिम बंगाल में, इस नवीनतम कांड के कारण भाजपा पर करारा प्रहार करेंगे। तृणमूल कांग्रेस, जिसे भाजपा ने संदेशखाली घटनाओं के कारण घेर लिया था, वह अब कर्नाटक सैक्स कांड और भाजपा की इस कांड पर चुप्पी को प्रभावकारी तरीके से इस्तेमाल करेगी। संयोगवश, पश्चिम बंगाल में भी अभी काफी ज्यादा सीटों पर मतदान होना बाकी है। भाजपा की चुप्पी प्रज्वल रैवन्ना जो कि विदेश भाग चुका है, के भागने को आसान बनाने में कथित मिलीभगत महिलाओं के वोट मांगने वाले उनके प्रचार को कमजोर कर सकती है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (एस.) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी के कमज़ोर बचाव ने समस्या को और जटिल बना दिया है। नाराज़ कुमारस्वामी ने पूछा, "वीडियोज़" को तीन दिन पहले ही क्यों "रिलीज़" किया, उससे पहले क्यों नहीं? इस पुराने मुद्दे को चुनाव के वक्त उठाने की क्या जरूरत है? कुमारस्वामी द्वारा प्रश्न करने से ऐसा प्रतीत होता है कि वह इन वीडियोज़ की सत्यता को स्वीकारते हैं। अब जाँच के लिए स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) का गठन हो चुका है, सत्य को उजागर होने दीजिए। उन्होंने रैवन्ना के परिवार से दूरी बनाते हुए कहा, "जो भी गलती करेगा उसे देश के कानून के अनुसार नतीज़े भुगतने होंगे।" पार्टी के अंदर, अब नेतृत्व से प्रज्वल रैवन्ना के खिलाफ "एक्शन" लेने की मांग की जा रही है। जद (एस.) के विधायक, प्रज्वल रैवन्ना और उसके पिता एच.डी. रैवन्ना के पार्टी से निष्कासन की मांग कर रहे हैं क्योंकि, कथित तौर पर दोनों पर ही महिलाओं से यौन-उत्पीड़न के आरोप हैं।

इन जद (एस.) नेताओं के विरूद्ध दाखिल किए गए, एक विशेष मुकदमे में घर में काम करने वाली एक महिला ने पिता-पुत्र की जोड़ी पर, सन् 2019 से उसके यौन-उत्पीड़न करने का दावा किया है। सरकार द्वारा गठित एस.आई.टी. ने फरार नेता के खिलाफ धारा 354 डी, 506 और 509 के तहत केस दर्ज किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908